सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

शुभमन गिल गुवाहाटी टेस्ट नही खेलपाएगें -पेज: 7

अब तक की सबसे मंहगी फिल्म हो सकती है। वाराणसी -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 222 | शुक्रवार 21 नवम्बर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

नक्सली मुठभेड़ में शहीद इंस्पेक्टर आशीष को राजकीय सम्मान से अंतिम विदाई

-सीएम यादव और कैबिनेट मंत्री ने शव को दिया कंधा

नरसिंहपुर (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के बालाघाट में नक्सली मुठभेड़ में शहीद इंस्पेक्टर आशीष शर्मा को राजकीय सम्मान से अंतिम विदाई दी गई है। नरसिंहपुर में उनके गृहग्राम बोहानी में मुक्तिधाम के पार बने ग्राउंड में उन्हें सलामी दी गई। शहीद के अंतिम संस्कार में शामिल होने कैबिनेट मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल और उदय प्रताप सिंह पहुंचे। सीएम डॉ. मोहन यादव भी यहां पहुंचकर शहीद को श्रद्धांजलि दी। मप्र कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भी शहीद जवान को श्रद्धांजलि दी। सीएम डॉ. यादव और कैबिनेट मंत्री पटेल ने शहीद को कंधा दिया। उनकी पार्थिव देह को चिता तक ले जाया गया। इससे पहले गुरुवार सुबह बालाघाट में उनकी श्रद्धांजलि यात्रा निकाली गई। दोपहर में उनका पार्थिव शरीर घर पहुंचा। परिजन रो-रोकर बेहाल हैं और गांव में माहौल गमगीन था। शहीद को अंतिम विदाई देने करीब 5000 से ज्यादा लोग पहुंचे। एंटी नक्सल ऑपरेशन डीजी ने बताया कि मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ ने जॉइंट ऑपरेशन चलाया था। तीनों राज्यों के सीमावर्ती क्षेत्र के बोर तालाब के पास नक्सलियों के छिपे होने की जानकारी मिली थी। पुलिस के पहुंचने पर नक्सलियों से मुठभेड़ हो गई। तीनों टीम को लीड कर रहे इंस्पेक्टर आशीष शर्मा को गोली लग गई। उन्हें घायल अवस्था में अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

बिहार की जनता ने राहुल गांधी को बर्खास्त किया, बंगाल की जनता ममता को करेगी : अग्निमित्रा पॉल

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की भाजपा नेता अग्निमित्रा पॉल ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को निशाना बनाया है। बीजेपी नेता पॉल ने दावा किया कि बिहार की जनता ने राहुल गांधी को बर्खास्त कर दिया है, और बंगाल की जनता 2026 के विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी को बर्खास्त करेगी।

उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन और राहुल गांधी का भविष्य साफ हो गया है, क्योंकि कांग्रेस के नेता खुद राहुल गांधी की काबिलियत पर सवाल उठा रहे हैं। बीजेपी पॉल ने राहुल गांधी की वोट अधिकार यात्रा पर सवाल उठाकर कहा कि उन्होंने वोटर लिस्ट से 65 लाख नाम हटाए जाने का दावा किया, लेकिन 65 लोगों ने भी शिकायत दर्ज नहीं कराई। भाजपा नेता प्रतुल शाहदेव ने पीएम मोदी की तारीफ करने पर शशि थरूर की आलोचना करने पर कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विपक्ष सिर्फ नकारात्मक बातें करता है, और शशि थरूर की आलोचना गांधी परिवार के कहने पर हो रही है। इल्तिजा मुफ्ती के बयान पर पॉल ने कहा कि अगर वह आतंकवादियों को गुमराह युवा कहती हैं, तो उन्हें शर्म आनी चाहिए और उन्हें पाकिस्तान चले जाना चाहिए।

चिप्स के पैकेट में निकला खिलौना बच्चे ने निगला, कोशिश के बाद भी नहीं बची जान

भुवनेश्वर (एजेंसी)। बड़े-बुजुर्ग अक्सर बच्चों को लेकर सतर्क रहते हैं और कहते हैं हर पल इन पर नजर रखनी चाहिए, क्योंकि छोटी-सी लापरवाही बड़ी अनहोनी का कारण बन जाती है। ऐसा ही एक मामला ओडिशा में सामने आया यहां मामूली-सी चूक में मासूम की जान चली गई। दरअसल, कंधमाल जिले में चिप्स के पैकेट में मिले एक छोटे खिलौने को बच्चा निगल गया और चार साल के मासूम की मौत हो गई। घटना दरिंगबाड़ी ब्लॉक के ब्राह्मणी थाना क्षेत्र स्थित मुसुमाहापाड़ा गांव की है। मृत बच्चे का नाम बिगिल प्रधान था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक परिवार वालों ने बताया कि बच्चे के पिता उसके लिए चिप्स का पैकेट लाए थे। पैकेट खोलते ही चिप्स के साथ एक छोटी प्लास्टिक की टॉय गन भी निकली। वहीं माता-पिता पास ही खेत में काम कर रहे थे, तब बच्चा उस खिलौने से खेल रहा था। अचानक बच्चा रोने लगा। माता-पिता दौड़े आए और खिलौना मुंह से निकालने की कोशिश की, लेकिन कामयाब नहीं हुए। आनन-फानन में बच्चे को 30 किलोमीटर दूर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सीएचसी के प्रभारी ने बताया कि पिता ने उन्हें बताया था कि चिप्स के पैकेट में मिला खिलौना बच्चे के गले में फंस गया और श्वास नली बंद हो गई, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस का कहना है कि अभी तक इस मामले में कोई लिखित शिकायत नहीं आई है। शिकायत मिलने पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली के कई इलाकों में छाई मोटे कोहरे की चादर, एक्यूआई 400 के पार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में वायु प्रदूषण बढ़ता जा रहा है। हवा की कम स्पीड और गिरते तापमान के बीच दिल्ली में घना कोहरा और देर तक रहने वाली धुंध छाई हुई है। गुरुवार को दिल्ली के कई इलाकों में धुंध की मोटी परत छाई। दिल्ली का एक्यूआई 400 के करीब दर्ज किया गया, जो गंभीर श्रेणी में आता है। इंडिया गेट, राजपथ और राष्ट्रपति भवन घने कोहरे की चादर में लिपटे नजर आए। आईटीओ इलाके में एवरेज औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 399 रहा। इसके अलावा, तुगलकाबाद-महरौली-बदरपुर क्षेत्र में प्रदूषण की स्थिति और भी भयावह रही, जहां वायु गुणवत्ता सूचकांक 479 तक पहुंच गया। सड़कों और पार्कों में भी स्मॉग स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। प्रदूषण का प्रभाव सिर्फ दिल्ली तक सीमित नहीं रहा, बल्कि एनसीआर के शहर भी गंभीर स्थिति में हैं। फरीदाबाद में एक्यूआई 380, गुरुग्राम 385, नोएडा 372, ग्रेटर नोएडा 378 और गाजियाबाद 388 रिकॉर्ड किया गया। एक व्यक्ति ने हालात पर चिंता जताते हुए कहा कि सांस लेने में दिक्कत होती है और आंखों में जलन होती है। बाहर जाना ही पड़ता है। बाहर नहीं घूमेंगे तो स्थिति बिस्तर पर पड़े रहने की बन जाएगी। कुछ होना चाहिए, लेकिन कोई कुछ नहीं करता। इससे पहले दिल्ली में बिगड़ी आबोहवा के मद्देनजर वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने सरकार से नवंबर और दिसंबर के महीनों में तय शारीरिक खेल प्रतियोगिताओं को स्थगित करने का आग्रह किया, ताकि एयर पॉल्यूशन से स्टूडेंट्स की हेल्थ को बचाया जा सके। आयोग ने यह कदम सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणियों के आलोक में उठाया, जिनमें वायु प्रदूषण के बढ़ते स्तर और इसके बच्चों पर संभावित स्वास्थ्य प्रभावों को लेकर चिंता व्यक्त की गई थी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा- बिरसा मुंडा भगवान ने अंग्रेजों का जीना हराम कर दिया

-अंबिकापुर में जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम को किया संबोधित

सरगुजा (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अंबिकापुर में जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि महिलाएं समाज की धरोहर हैं। साथ ही कहा कि बिरसा मुंडा भगवान ने अंग्रेजों का जीना हराम कर दिया था। अंग्रेजों को सिर्फ सपने में बिरसा मुंडा ही दिखते थे।

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि हम बिरसा मुंडा की पीढ़ी हैं। आदिवासी संस्कृति को मैं पहले भी जीती थी और अब भी जीती हूं। जल, जंगल और जमीन के साथ आदिवासी संस्कृति को बढ़ावा देने की जरूरत है। हमें आदिवासी संस्कृति को बचाना है। इस मौके पर राष्ट्रपति मुर्मू ने आदिवासी युवाओं को सम्मानित किया। साथ ही वैद्यों और देवस्थलों से जुड़ी योजना मुख्यमंत्री वैद्यराज सम्मान योजना और मुख्यमंत्री ग्राम अखरा विकास योजना का शुभारंभ किया। इसके साथ ही राष्ट्रपति ने 70 साल पहले डॉ. राजेंद्र प्रसाद के गोद लिए गए बच्चों से भी मिलीं। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि जब मैं हेलीपैड से आ रही थी, तब रास्ते में छत्तीसगढ़

की संस्कृति साफ दिखाई दे रही थी। राज्य ने अपनी संस्कृति को संरक्षित रखा है जो बहुत प्रभावशाली और मनभावन है... मुझे आदिवासी होने पर बहुत गर्व है। आदिवासी कला और संस्कृति को देश के साथ-साथ विदेशों में भी और अधिक बढ़ावा देने की जरूरत है। उन्होंने वामपंथी उग्रवाद का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में शामिल होने के लिए लोगों की प्रशंसा की। मुझे भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली (झारखंड में) जाकर श्रद्धांजलि अर्पित करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। भारतीय इतिहास में आदिवासी समुदायों का योगदान अतुलनीय रहा है। छत्तीसगढ़ आकर मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। झारखंड और ओडिशा छत्तीसगढ़ से ज्यादा दूर नहीं हैं। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे राज्य ने अपनी संस्कृति को संरक्षित रखा है, जो सार्वजनिक स्थानों पर स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। केंद्र और राज्य सरकारों के सुविचारित और सुव्यवस्थित प्रयासों से निकट भविष्य में वामपंथी उग्रवाद का उन्मूलन संभव हो जाएगा।

इसी कार्यक्रम में सीएम साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में आदिवासियों के घरों तक बिजली पहुंची, बस्तर में नक्सलवाद की कमर टूट गई है। आदिवासियों का विकास हो रहा है। बस्तर के लोगों को राशन मिल रहा है। वहीं राज्यपाल रामेन डेका ने कहा कि बिरसा मुंडा महान वीर थे, जिन्हें आज याद किया जा रहा है।

लगातार मेहनत और कुशल रणनीति के कारण भाजपा में बढ़ता जा रहा केशव प्रसाद मौर्य का कद

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तप्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य का भाजपा में कद अब और बढ़ गया है। बिहार विधानसभा चुनाव में बतौर सह प्रभारी बेहतर प्रदर्शन करने के बाद उन्हें अब पार्टी विधायक दल का नेता चुनने के लिए केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। पहले भी कई राज्यों में केशवप्रसाद को अहम जिम्मेदारियां मिलती रही है। अब बिहार में बढ़ी जिम्मेदारी को काफी अहम माना जा रहा है। केशव प्रसाद मौर्य के

नेतृत्व में ही यूपी में 2017 का चुनाव लड़ा गया था। तब वह पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष थे। तब 14 साल बाद भाजपा को सत्ता में वापसी हुई थी। पार्टी ने तीन चौथाई बहुमत के साथ सरकार बनाई थी। उन्हें महाराष्ट्र विस चुनाव 2019 में भी सह प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई थी। भाजपा वहां भी सबसे बड़ी पार्टी बनी थी। पश्चिम बंगाल में भी उन्हें चुनाव प्रबंधन का काम दिया गया था। बात दें कि यूपी में भाजपा को पहली बार ओबीसी चेहरे कल्याण सिंह के नेतृत्व में सत्ता हासिल हुई थी। उसके बाद 14 साल बाद 2017 में सरकार बनी तब बतौर प्रदेश अध्यक्ष केशव प्रसाद मौर्य का चेहरा था। इससे पार्टी में यह बात उठती रहती है कि ओबीसी वोट बैंक जरूरी है। इसके लिए पार्टी के पास ओबीसी चेहरे होने चाहिए। उधर, हिंदुत्व के ध्रुवीकरण के जवाब में विपक्ष लगातार पीडीए का कार्ड खेल रहा है। इस पीडीए कार्ड से विपक्ष को 2024 के लोकसभा चुनाव में काफी हद तक सफलता भी मिली थी। इसके बाद भाजपा को भी लग रहा है कि किसी तरह पीडीए का तोड़ निकाला जाए। इसी नजरिए से केशव प्रसाद उनके पास ओबीसी का बड़ा चेहरा है। यूपी के बाद अब पार्टी इसी का लाभ लेने की कोशिश पार्टी राष्ट्रीय स्तर पर कर रही है।

सीएम सरमा का राहुल गांधी पर तीखा कटाक्ष... रॉबर्ट वाड्रा कौन हैं? क्या वह सांसद या विधायक हैं?

पटना (एजेंसी)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के जीजा और कारोबारी रॉबर्ट वाड्रा पर तीखा कटाक्ष किया है। वे बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों पर रॉबर्ट वाड्रा की ओर से उठाए गए सवालों पर जवाब दे रहे थे। सीएम सरमा से पत्रकारों ने पूछा, रॉबर्ट वाड्रा कह रहे हैं कि हार-जीत होती रहती है। राहुल गांधी लगातार आंदोलन कर रहे हैं। इस पर सीएम सरमा ने कहा, रॉबर्ट वाड्रा कौन हैं? क्या वह सांसद या विधायक हैं? क्या अब हमें राहुल गांधी के जीजा का पीछा करना होगा? इसके पहले, कारोबारी रॉबर्ट वाड्रा ने बिहार चुनाव के नतीजों को खारिज कर फिर से चुनाव कराने की बात उठाकर आरोप लगाया कि चुनाव आयोग ने एनडीए की मदद की। उन्होंने महागठबंधन की हार पर कहा, सभी को लग रहा है कि जो चुनाव हुआ है, उसमें चुनाव आयोग ने एनडीए सरकार को जिताने के लिए मेहनत की है। नतीजों से लोग खुश नहीं हैं। 10 हजार रुपए देकर लोगों को खरीदा जा रहा है। ऐसी चीजें नहीं होनी चाहिए थीं। चुनाव आयोग को यह रोकना था, लेकिन उन्होंने चलने दिया। इस दौरान, सीएम सरमा ने बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया के बीच बांग्लादेशी नागरिकों के राज्य छोड़ने पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, बांग्लादेशियों को भारत में क्यों रहना चाहिए? अगर एसआईआर उन्हें भारत छोड़ने पर मजबूर करता है, तब हमें इस कदम का स्वागत करना चाहिए।

लालू परिवार के झगड़े का फायदा उठा रहे पीके, महिलाओं के लिए खोल दी हेल्पलाइन

पटना (एजेंसी)। कहते हैं कि दो लोगों के झगड़े में तीसरा फायदा उठा लेता है। बिहार में तीसरा कोई और नहीं बल्कि प्रशांत किशोर उर्फ पीके हैं। पीके लालू परिवार के झगड़े का पूरा पूरा फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने इसकी शुरु महिला हेल्पलाइन से शुरु कर दी है। बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की प्रचंड जीत के बाद जहां महागठबंधन के नेता सार्वजनिक मंचों से लगभग गायब हैं, वहीं जन सुराज प्रमुख प्रशांत किशोर (पीके) खुलकर प्रतिक्रिया दे रहे हैं। चुनावी हार के बावजूद पीके ने न सिर्फ लड़ाई जारी रखने का ऐलान किया, बल्कि खुद को विपक्ष की मुख्य धुरी की तरह स्थापित भी किया।

पीके ने महिलाओं के लिए हेल्पलाइन नंबर- 9121691216 जारी किया और कहा कि जन सुराज के कार्यकर्ता हर महिला की मदद करेंगे ताकि वे सरकारी दफ्तरों में जाकर अपने हक की मांग कर सकें। पीके ने कहा कि हमने भले गलती की हों, लेकिन हमने विभाजनकारी राजनीति या गरीबों का वोट खरीदने जैसा अपराध नहीं किया। उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि उन्हें चुनाव से पहले

ही मुश्किल नतीजों का अंदाजा था- यही कारण था जब उन्होंने कहा था कि जन सुराज चुनाव के बाद या तो अर्श पर होगी या फर्श पर। 20 नवंबर को पीके वहीं लौटेंगे जहां से उन्होंने 2 अक्टूबर 2022 को जन सुराज आंदोलन की शुरुआत की थी- पश्चिम चंपारण। शपथ ग्रहण के दिन उनका मौन उपवास उन्हें गांधीवादी संघर्ष की राह पर रखने का प्रतीक माना जा रहा है।

पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने स्वीकार किया कि जन सुराज का प्रदर्शन उम्मीद से काफी कमजोर रहा। करीब 3.34प्रतिशत वोट शेयर मिलने के बावजूद पार्टी को एक भी सीट नहीं मिली और 238 में से 236 प्रत्याशियों की जमानत जब्त हो गई। फिर भी एक महत्वपूर्ण तथ्य यह रहा कि 129 सीटों पर जन सुराज तीसरे स्थान पर और एक सीट पर दूसरे स्थान पर रही। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रशांत किशोर ने कहा कि अगर नीतीश कुमार की नई एनडीए सरकार अपने चुनावी वादे के अनुसार 1.5 करोड़ महिलाओं को 2-2 लाख रुपये दे देती है, तो वे-राजनीति छोड़ देंगे। यहां तक कि बिहार छोड़ देंगे। उन्होंने एनडीए सरकार को 6 महीने की समय सीमा दी है और दावा किया कि इस वादे को चुनाव प्रचार में सरकारी मशीनरी की मदद से बढ़ा-चढ़ाकर बेचा गया।

चुनाव परिणाम आने के बाद से आरजेडी नेता तेजस्वी यादव और कांग्रेस नेता राहुल गांधी दोनों ही मंच से दूर हैं। 14 नवंबर के बाद से न तो उन्होंने कार्यकर्ताओं से मुलाकात की, न ही हार की जिम्मेदारी पर सार्वजनिक बयान दिया। तेजस्वी यादव पारिवारिक विवादों में घिरे बताए जा रहे हैं, जबकि राहुल गांधी ने केवल एक्स पर एक पोस्ट लिखकर चुनाव को चौंकाने वाला और अनुचित करार दिया था। इन परिस्थितियों में पीके का सक्रिय रुख उन्हें स्वाभाविक रूप से सबसे प्रमुख विपक्षी नेता की भूमिका में ला खड़ा करता है। चुनावी हार के बाद भी पीके की रणनीति, सक्रियता और जनता से जुड़े मुद्दे उठाने की शैली ने उन्हें बिहार में सबसे दिखाई देने वाला विपक्षी नेता बना दिया है। उन्होंने जिस तरह महिलाओं के मुद्दों को सीधे उठाया और एनडीए सरकार को खुली चुनौती दी, उससे यह साफ है कि वे विपक्ष की खाली पड़ी जगह को भरने के लिए पूरी तैयारी के साथ मैदान में हैं। 20 नवंबर को जहां पटना के गांधी मैदान में नीतीश कुमार मंत्रिमंडल का शपथ ग्रहण होगा, वहीं प्रशांत किशोर पश्चिम चंपारण के भीतिहरवा स्थित गांधी आश्रम में 24 घंटे का उपवास और मौन रखेंगे। यह वही स्थान है जहां से 1917 में महात्मा गांधी के सत्याग्रह की शुरुआत हुई थी। पीके ने इस जगह को चुनकर यह संदेश दिया है कि उनकी राजनीति संघर्ष और आत्मशुद्धि से प्रेरित है।

कर्नाटक सरकार का बड़ा फैसला, कुत्ते के काटने पर अगर हुई मौत... 5 लाख का मुआवजा

बेंगलुरु (एजेंसी)। देशभर में आवारा कुत्तों के बढ़ते आतंक के बीच कर्नाटक सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। कर्नाटक में मुख्यमंत्री सिद्दरमैया ने आवारा कुत्तों द्वारा लोगों और छोटे बच्चों को काटने की बढ़ती घटनाओं के बीच मुआवजा राशि देने का ऐलान कर दिया है।

कर्नाटक सरकार के अनुसार, कुत्ते के काटने पर अगर किसी की मौत होती है, तब पीड़ित परिवार को राज्य सरकार द्वारा 5 लाख रुपये का मुआवजा मिलेगा। वहीं, कुत्ते काटने से जख्मी होने वाले को 5,000 रुपये का मुआवजा मिलेगा। कर्नाटक सरकार ने आवारा कुत्तों से हुई गैर-जानलेवा चोटों के लिए भी मुआवजे की जानकारी दी है। स्किन पर छेद, छेद और कट के साथ गहरे काले निशान या आवारा कुत्तों द्वारा कई बार काटने के मामलों में कुल 5,000 रुपये का मुआवजा। इस रकम में से 3,500 रुपये सीधे पीड़ित को दिए जाएंगे, और 1,500 रुपये इलाज से जुड़े खर्चों को पूरा करने के लिए सुवर्णा आरोग्य सुरक्षा ट्रस्ट को दिए जाएंगे।

इस बीच, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने तमिलनाडु में कुत्तों के काटने और रेबीज से होने वाली मौतों की संख्या में खतरनाक बढ़ोतरी पर चिंता जाहिर की है। डेटा का हवाला देकर चिदंबरम ने कहा कि राज्य में अकेले इस साल कुत्तों के काटने के करीब 5.25 लाख मामले और रेबीज से 28 मौतें दर्ज हुई हैं।

चिदंबरम ने मीडिया रिपोर्ट का हवाला देकर बताया कि इस साल (अब तक) कुत्तों के काटने के 5,25,000 मामले और रेबीज से 28 मौतें दर्ज की गईं। कांग्रेस नेता ने पोस्ट में लिखा था, कुत्तों से प्यार करने वालों की चिंताएं सही हैं, लेकिन उन्हें खतरनाक डेटा डराता है। कुत्तों से प्यार करने वाला होना आवारा कुत्तों को अलग करने, उनकी नसबंदी करने और उन्हें वैक्सीन लगाने का समर्थन करने में कोई बुराई नहीं है।

सेना पर अपमानजनक टिप्पणी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने दी राहुल गांधी को राहत

-ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर लगी अंतरिम रोक को 4 दिसंबर तक बढ़ाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ चल रहे एक मामले में राहत दी है। कोर्ट ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर साल 2022 में भारत जोड़ो यात्रा के दौरान सेना पर कथित अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप है। बता दें सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को ट्रायल कोर्ट की कार्यवाही पर लगी अंतरिम रोक को 4 दिसंबर तक बढ़ा दिया है। दो जजों की पीठ जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा ने यह फैसला लिया। कोर्ट ने सुनवाई यह कहते हुए टाल दी कि सुनवाई टालने के लिए एक लेटर भेजा गया था।

बता दें यह पूरा मामला राहुल गांधी की कथित टिप्पणी से जुड़ा है, जिसको लेकर आरोप लगे हैं कि कांग्रेस नेता ने सेना का अपमान किया है। राहुल गांधी ने 29 मई के इलाहाबाद हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी है, जिसमें हाईकोर्ट ने राहुल गांधी की उस याचिका को खारिज कर दिया था, जिसमें उन्होंने लखनऊ की ट्रायल कोर्ट की ओर से जारी समन को रद्द करने की मांग की थी।

बता दें इससे पहले अगस्त में हुई सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट की आगे की कार्यवाही पर रोक लगाने का आदेश दिया था। वहीं, यूपी की योगी सरकार और शिकायतकर्ता से जवाब मांगा था। हालांकि उसी दौरान कोर्ट ने पूछा था कि उन्होंने कैसे यह कह दिया कि 2000 वर्ग किलोमीटर भारतीय भूमि चीन के कब्जे में है। कोर्ट ने यह भी पूछा कि क्या आप वहां पर मौजूद थे? कोर्ट ने कहा था कि अगर आप सच्चे भारतीय होंगे, तो ऐसे बयान कभी नहीं देंगे।

बता दें राहुल गांधी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने दलील दी है कि विपक्ष के नेता को देश के

मुद्दों पर सवाल उठाने से नहीं रोका जा सकता है। उन्होंने कहा कि कानून के मुताबिक कोर्ट को कोई भी आपराधिक शिकायत स्वीकार करने से पहले आरोपी की भी बात सुननी चाहिए।

राहुल गांधी के वकील की दलील है कि शिकायत पढ़कर ही आरोप संदिग्ध लगते हैं और यह भी कहा कि राहुल गांधी लखनऊ के निवासी नहीं हैं, इसलिए समन जारी करने से पहले आरोपों की जांच करनी चाहिए। अब इस मामले में अगली सुनवाई 4 दिसंबर को होगी।

अल-फलाह यूनिवर्सिटी जांच के दायरे में, 200 से ज्यादा डॉक्टर, लेक्चरर और स्टाफ जांच एजेंसियों के राडार पर

-जीएमसी में डॉक्टरों-स्टाफ के लॉकरों की जांच शुरू कर दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली के लाल किला के पास हुए कार बम धमाके की जांच ने अब अल-फलाह यूनिवर्सिटी को पूरी तरह कटघरे में खड़ा कर दिया है। बताया जा रहा है कि अब यूनिवर्सिटी के 200 से ज्यादा डॉक्टर, लेक्चरर और स्टाफ जांच एजेंसियों के रडार पर आ गए हैं। उधर, व्हाइट कॉलर आतंकी मॉड्यूल के खुलासे के बाद एजेंसी ने जीएमसी में डॉक्टरों-स्टाफ के लॉकरों की जांच शुरू कर दी है।

सूत्रों के मुताबिक विश्वविद्यालय के 200 से ज्यादा डॉक्टर, लेक्चरर और स्टाफ जांच एजेंसियों के रडार पर हैं। इतना ही नहीं हॉस्टल और बाहर रहने वाले छात्रों के कमरों की तलाशी हो रही है। अब तक 1000 से ज्यादा लोगों से पूछताछ की जा चुकी है। जांच एजेंसियां ये पता लगाने में जुटी हैं कि दिल्ली ब्लास्ट के बाद कितने लोग यूनिवर्सिटी छोड़कर गए और उनकी पहचान क्या है। कई लोगों ने अपने मोबाइल फोन का डेटा डिलीट किया है, जिसकी भी गहन जांच होगी।

उधर जांच एजेंसियों ने एक 35 वर्षीय महिला को हिरासत में लिया है, जिसने आत्मघाती हमलावर डॉ. उमर उन नबी को नूंह की हिदायत कॉलोनी में कमरा किराए पर दिया था। ये आंगनवाड़ी कार्यकर्ता महिला दिल्ली बम धमाकों के बाद से फरार थी। घटना के बाद उसका परिवार भी जांच के दायरे में है। सूत्रों ने बताया कि उमर ने नूह में रहते वक्त कई मोबाइल फोन इस्तेमाल किए थे। ब्लास्ट के बाद अल-फलाह अस्पताल में मरीजों की संख्या आधी रह गई है। पहले रोजाना 200 के करीब ओपीडी मरीज आते थे, अब 100 से कम आ रहे हैं। जांच एजेंसियां ये पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि क्या विश्वविद्यालय के अंदर कोई हैंडलर था, क्योंकि उमर को संस्थान में विशेष सुविधा मिलती थी।

विश्वविद्यालय से एमबीबीएस की पढ़ाई करने के बाद यहां अप्रेंटिसशिप कर रहे दो डॉक्टरों ने बताया कि उमर 2023 में बिना किसी छुट्टी और सूचना के करीब छह माह तक अस्पताल और विश्वविद्यालय से गायब रहा। अस्पताल सूत्रों ने बताया कि घटना का अजीब पहलू ये है कि वापस आते ही वह सीधे ड्यूटी पर लौट आया और उसके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई।

उन्होंने बताया कि उमर बहुत कम कक्षा अडेंड करता था। वह हफ़्ते में सिर्फ़ एक या दो लेक्चर लेता था और वहां भी सिर्फ़ 15-20 मिनट के। फिर वह अपने कमरे में वापस चला जाता था। चौंकाने वाले खुलासे में डॉक्टरों ने बताया कि उमर को अस्पताल में हमेशा शाम या रात की शिफ्ट में ही काम मिलाता था। उमर को कभी सुबह की शिफ्ट में काम नहीं दिया गया।

उधर, दिल्ली ब्लास्ट और ÷व्हाइट कॉलर÷ आतंकी मॉड्यूल के खुलासे के बाद अनंतनाग स्थित गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) में बुधवार से डॉक्टरों-स्टाफ के लॉकरों की व्यापक जांच शुरू की गई है। इस महीने की शुरुआत में यहीं डॉ. अदील राथर के लॉकर से एके-47

बरामद हुआ था, जिसके बाद कई डॉक्टरों का आतंकी मॉड्यूल पकड़ा गया और 2900 किलो विस्फोटक बरामद हुआ था।

ट्रिब्यूनल सुधार और राष्ट्रपति संदर्भ संबंधी फैसले संवैधानिक मयार्दा और न्यायिक संयम की मिसाल

नीरज कुमार दुबे

19 नवंबर को दिए गए 137 पृष्ठों के निर्णय में मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने साफ कहा है कि संसद पहले से रद्द किए गए प्रावधानों को मामूली बदलावों के साथ दोबारा पेश कर न्यायिक फैसलों को दरकिनार नहीं कर सकती।

भारत की संवैधानिक संरचना में न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच संतुलन सदैव एक संवेदनशील विषय रहा है। दो दिनों में उच्चतम न्यायालय द्वारा दिए गए दो महत्वपूर्ण फैसलों ने इस संतुलन पर नई बहसों को जन्म दिया है। एक ओर न्यायालय ने न्यायाधिकरण सुधार अधिनियम, 2021 के प्रमुख प्रावधानों को असंवैधानिक ठहराकर संसद और केंद्र सरकार को कठोर संदेश दिया है, वहीं दूसरी ओर राष्ट्रपति द्वारा अनुच्छेद 143 के तहत भेजे गए संदर्भ पर अपनी राय देते हुए न्यायालय ने स्पष्ट कहा है कि न तो राष्ट्रपति और न ही राज्यपाल पर अदालत कोई बाध्यकारी समय-सीमा थोप सकती है। इन दोनों फैसलों को मिलाकर देखें तो न्यायालय ने एक ओर कार्यपालिका के हस्तक्षेप से न्यायिक स्वतंत्रता की रक्षा की है, जबकि दूसरी ओर अपने अधिकार-क्षेत्र की सीमाएँ भी रेखांकित की हैं।

न्यायाधिकरण संबंधी फैसले की बात करें तो 19 नवंबर को दिए गए 137 पृष्ठों के निर्णय में मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने साफ कहा है कि संसद पहले से रद्द किए गए प्रावधानों को मामूली बदलावों के साथ दोबारा पेश कर न्यायिक फैसलों को दरकिनार नहीं कर सकती। अदालत ने यह भी टिप्पणी की कि सरकार बार-बार उन्हीं प्रावधानों को अध्यादेश और फिर कानून के रूप में लागू करती रही, जिन पर न्यायालय स्पष्ट रूप से ऐतराज जता चुका था। यह प्रवृत्ति विधायी अवहेलना (legislative overruling) के रूप में व्याख्यायित की गई– अर्थात, बिना वास्तविक सुधार किए केवल प्रतीकात्मक परिवर्तन कर न्यायालय की बात को निष्प्रभावी करने का प्रयास।

यह फैसला इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह न्यायाधिकरणों की स्वतंत्रता, निष्पक्षता और संस्थागत मयार्दा को ठोस आधार देता है। न्यायाधिकरण सरकार के अंगों के विरुद्ध भी निर्णय लेते हैं; ऐसे में उनकी नियुक्ति, कार्यकाल और सेवा-शर्तें यदि सरकार के नियंत्रण में हों, तो न्यायिक निष्पक्षता खतरे में पड़ सकती है। न्यायालय ने इस अधिनियम को शक्तियों के पृथक्करण (Separation of Powers) और न्यायिक स्वतंत्रता (Judicial Independence) के सिद्धांतों का उल्लंघन करार देते हुए रद्द कर दिया। यह स्पष्ट संकेत है कि संसद कानून तो बना सकती है, लेकिन न्यायपालिका की मूलभूत स्वतंत्रता को नियंत्रण में लेने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

दूसरा महत्वपूर्ण फैसला राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा भेजे गए संवैधानिक संदर्भ पर आया। न्यायालय के समक्ष मुख्य प्रश्न था– क्या राज्यपाल या राष्ट्रपति पर यह बाध्यता हो सकती है कि वे किसी बिल पर तय समय-सीमा में निर्णय दें? मुख्य न्यायाधीश गवई तथा न्यायमूर्ति सूर्यकांत, विक्रम नाथ, पी.एस. नरसिंह और ए.एस. चंदुरकर की संविधान पीठ ने स्पष्ट किया कि न्यायालय राज्यपाल/राष्ट्रपति पर कोई निर्धारित समय-सीमा नहीं थोप सकता। यह स्पष्ट है कि "Deemed Assent" अर्थात समय बीतने पर बिल को स्वतः मंजूर मान लेने की अवधारणा असंवैधानिक है, क्योंकि यह कार्यपालिका की भूमिका को न्यायपालिका द्वारा हड़पने जैसा होगा। हाँ, यदि लंबे समय तक अनिश्चित देरी हो, जिससे लोकतांत्रिक प्रक्रिया बाधित हो, तो न्यायालय सीमित दायरे में यह निर्देश दे सकता है कि राज्यपाल अपनी जिम्मेदारी निभाएँ, लेकिन यह निर्देश विवेकाधिकार के उपयोग पर टिप्पणी नहीं करेगा।

इस फैसले से दो बातें स्पष्ट होती हैं। पहली यह कि न्यायालय ने स्वयं पर अंकुश लगाते हुए साफ किया कि कार्यपालिका के संवैधानिक अधिकारों में दखल की सीमा तय है। दूसरी बात यह है कि राज्यपालों की ओर से बिलों को महीनों तक रोककर रखने की आलोचना को भी न्यायालय ने गंभीरता से लिया है और समाधान के रूप में सीमित न्यायिक समीक्षा का दरवाजा खुला रखा है। यह संतुलन स्थापित करना आसान नहीं था। एक ओर राज्यों– विशेषकर तमिलनाडु, केरल, पंजाब और पश्चिम बंगाल ने तर्क दिया कि राज्यपालों द्वारा बिलों को रोकना लोकतंत्र-विरोधी है। दूसरी ओर, केंद्र ने कहा कि अदालतें समय-सीमा तय करके कार्यपालिका के अधिकार क्षेत्र में दखल नहीं दे सकतीं। अंततः न्यायालय ने वही रास्ता चुना जो भारतीय संविधान की आत्मा के अनुरूप है यानि संविधान ने समय-सीमा नहीं तय की है, इसलिए अदालत भी इसे तय नहीं करेगी।

इन दोनों फैसलों में न्यायालय का स्वर पूरी तरह एक जैसा नहीं है। एक तरफ उसने संसद को तीखी चेतावनी दी, दूसरी तरफ उसने खुद अपनी सीमाओं को स्वीकार किया। यही दोहरी भूमिका भारतीय लोकतंत्र को संतुलित बनाती है। न्यायालय संदेश दे रहा है कि न्यायिक स्वतंत्रता पर किसी भी प्रकार का आघात बर्दाश्त नहीं होगा, लेकिन संविधान में जो अधिकार अन्य अंगों को दिए गए हैं, उन पर न्यायपालिका कब्जा नहीं करेगी।

इन फैसलों की समय-सीमा भी रोचक है। मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई 23 नवंबर 2025 को सेवानिवृत्त होंगे। उनके बाद न्यायमूर्ति सूर्यकांत 24 नवंबर को भारत के 53वें मुख्य न्यायाधीश बनेंगे। इन दोनों महत्वपूर्ण संवैधानिक फैसलों पर गवई और सूर्यकांत दोनों की निर्णायक भूमिका भविष्य की न्यायिक दिशा के संकेत देती है– विशेषकर केंद्रझराज्य संबंधों और न्यायिक स्वतंत्रता के क्षेत्र में।

बहरहाल, संविधान ने भारत को एक संतुलित संरचना दी है– न्यायपालिका स्वतंत्र हो, कार्यपालिका जिम्मेदार हो और विधायिका जनता के प्रति उत्तरदायी हो। इन दोनों फैसलों ने इस संतुलन को और भी स्पष्ट रूप से रेखांकित किया है। जहाँ न्यायालय ने संसद को बताया कि वह न्यायिक आदेशों को दरकिनार नहीं कर सकती, वहीं राज्यपालों और राष्ट्रपति की संवैधानिक गरिमा को भी मान्यता दी, यह कहते हुए कि समय-सीमा थोपना न्यायपालिका के अधिकार-क्षेत्र से बाहर है। इन फैसलों के साथ भारत का लोकतंत्र एक बार फिर यह साबित करता है कि संस्थाएँ तभी मजबूत होती हैं जब वे एक-दूसरे की सीमाओं और स्वतंत्रता का सम्मान करें।

संपादकीय

हिड़मा के बाद नक्सलवाद

माओवादी नक्सली कमांडर माड़वी हिड़मा (44 वर्षीय) मार दिया गया। उस पर 1 करोड़ रुपए का इनाम घोषित था। आंध्रप्रदेश के एलूरी सीताराम राजू जिले में सुरक्षा बलों ने जो घेराबंदी कर मुठभेड़ की, तो नक्सलियों के शवों में हिड़मा, उसकी पत्नी राजक्का उर्फ राजे और चार अंगरक्षकों के शव भी पाए गए। हिड़मा कितना खूंखार और हत्यारा नक्सली था, इसी से स्पष्ट होता है कि वह 263 जवानों की जिंदगी छीनने का गुनहगार था। उसने 150 से अधिक नक्सली हमलों की रणनीति तय की थी, लेकिन 26 बड़े और खौफनाक हमलों का ह्यमास्टरमाइंडह्ल वही था। 2010 का वह दिन याद आते ही कंपकंपी छूटने लगती है और मन गुस्से, आक्रोश से भर उठता है, जब हिड़मा की रणनीति के आधार पर, बारूदी सुरंग बिछा कर, दंतेवाड़ा में एक साथ सीआरपीएफ के 76 जवानों को ह्यशहीदह्ल कर दिया गया था। ऐसा हमला फिर दोबारा नहीं किया जा सका, लेकिन 2017 और 2021 में नक्सली सीआरपीएफ पर दो हमले करने में कामयाब जरूर रहे। उन हमलों में क्रमशः 24 और 23 जवान मारे गए थे। उसके बाद सीआरपीएफ ने अपनी रणनीति में आमूल परिवर्तन किया। हिड़मा छत्तीसगढ़ के 32 कांग्रेस नेताओं का भी हत्यारा था। उस हमले में पूर्व केंद्रीय मंत्री विद्याचरण शुक्ला और महेन्द्र करमा सरीखे वरिष्ठ कांग्रेसी भी मारे गए। कांग्रेस का राज्य स्तरीय नेतृत्व ही शून्य हो गया था। बहरहाल ऐसे भी संकेत सामने आए हैं कि हिड़मा उस मुठभेड़ में मारे जाने से पहले आत्मसमर्पण की सोच रहा था।

उसने एक स्थानीय पत्रकार से संपर्क किया था और उसे बताया था कि वह जंगलों से बाहर आने पर विचार कर रहा है, लेकिन हथियार डालने से पहले वह सरकार के साथ अपने कुछ मुद्दों और चिंताओं पर बात करना चाहता था, लिहाजा उसने पत्रकार को मध्यस्थ बनाया था, लेकिन वह संवाद संभव न हो सका और अंततः हिड़मा को ढेर होना पड़ा। दरअसल यह बड़ा मुद्दा नहीं है कि हिड़मा सरीखे नक्सली मारे जा रहे हैं और हिड़मा के बाद माओवादी सशस्त्र संघर्ष और विद्रोह बहुत कमजोर हो जाएगा, अंततः वे 31 मार्च, 2026 से पहले ही समाप्त हो सकते हैं। दो बिन्दु गौरतलब हैं। एक, इस साल सुरक्षा बलों के लगातार ऑपरेशन और आक्रामक दबाव के कारण 1225 नक्सलियों को आत्मसमर्पण करना पड़ा है। ऑपरेशन और मुठभेड़ों में 270 से अधिक नक्सली मार दिए गए हैं और 680 से अधिक गिरफ्तार किए जा चुके हैं।

दरअसल माओवादी नक्सलियों में नेतृत्व और रणनीति को लेकर विभाजन गहराता जा रहा है। नक्सलवाद के वैचारिक प्रमुख एवं मुख्य प्रवक्ता एम. वेणुगोपाल राव ने नक्सलियों के नाम दो पत्र जारी किए थे। सारांश यह था कि अब सशस्त्र संघर्ष पर विराम लगा देना चाहिए। वामपंथी विद्रोह के बुनियादी कारणों को संबोधित करना चाहिए। दरअसल जिस सोच के साथ नक्सलवाद की शुरूआत की गई थी, वह मकसद नाकाम रहा है, क्योंकि देश की आदिवासी आबादी आज भी भूमिहीन है और हाशिए की जिंदगी जीने को विवश है। वे समुदाय भारत में सबसे अधिक गरीब हैं। करीब 12.90 करोड़ में से 6.50 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी के शिकार हैं। अर्थात आय के अलावा, अपर्याप्त पोषण, शिक्षा की कमी, खराब स्वास्थ्य, पेयजल की कमी, बिजली और आवास सरीखी बुनियादी सुविधाओं से भी वंचित हैं। वनों पर अधिकार के उनके दावों को नकारा जाता रहा है, बल्कि उनसे जबरन छीन लिए जाते हैं। उनके इलाकों में ग्राम सभा की अनुमति के बिना ही कथित विकास की परियोजनाएं स्वीकृत कर दी जाती हैं। वामपंथी आतंकवाद पर संपूर्ण जीत के लिए इन मुद्दों को पहले संबोधित करना जरूरी है। दूसरा बिंदु यह है कि यकीनन 31 मार्च, 2026 से पहले ही सशस्त्र नक्सलियों को पराजित किया जा सकता है।

चिंतन-मनन

सेवाभाव ही सर्वोपरि

एकनाथ देवगढ़ राज्य के दीवान जनार्दन स्वामी के शिष्य। एक बार गुरू देव ने एकनाथ को राजदरबार का हिसाब करने को कहा। एकनाथ बहि-खाता लेकर हिसाब करने बैठ गये। दूसरे ही दिन सुबह हिसाब राजदरबार में देना था। सारा दिन हिसाब लिखने और करने में बीत गया। दिन में बैठे कब रात हो गयी उन्हें पता ही न चला। सेवक दीपक जलाकर चला गया। हिसाब में एक पायी की भूल आ रही था। आधी रात बीत गयी मगर भूल पकड़ में ही नहीं आ रही थी। संत जी हिसाब में खोये रहे। भोर फटते ही गुरू देव एकनाथ के कमरे में आए तो सेत जी को हिसाब में खोये पाया।

बहियों पर अंधेरा होने पर भी एकनाथ हिसाब में लगे रहे। इतने में एक पायी की भूल पकड़ में आ गयी। एकनाथ खुशी से चिल्ला पड़े,मिल गयी,मिल गयी। गुरू देव ने पूछा,क्या मिल गया बेटा? एकनाथ विस्मय से बोले कि हिसाब में एक पायी की भूल पकड़ में नहीं आ रही थी वह मिल गयी है। लाखों के हिसाब में एक पायी की भूल के लिए रात भर का जागरण। गुरू देव की सेवा में इतनी लगन और दृढ़ निश्चय देखकर गुरू देव के दिल से गुरूकृपा बह निकली क्योंकि उन्हें ज्ञानामृत की वर्षा करने के लिए योग्य अधिकारी जो मिल गया था।

विश्व टेलीविजन दिवस : मनोरंजन से मानसिक क्रांति तकः टीवी का बदलता चेहरा

योगेश कुमार गोयल

'ब्लैक एंड व्हाइट' बुद्धू बक्सा (टेलीविजन) अपने सहज प्रस्तुतिकरण के दौर से गुजरते हुए कब आधुनिकता के साथ कदमताल करते हुए सूचना क्रांति का सबसे बड़ा हथियार और हर घर की अहम जरूरत बन गया, पता ही नहीं चला। यह दुनिया जहान की खबरें देने और राजनीतिक गतिविधियों की सूचनाएं उपलब्ध कराने के अलावा मनोरंजन, शिक्षा तथा समाज से जुड़ी महत्वपूर्ण सूचनाओं को उपलब्ध कराने, प्रमुख आर्थिक और सामाजिक मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित करते हुए समूचे विश्व के ज्ञान में वृद्धि करने में मदद करने वाला एक सशक्त जनसंचार माध्यम है। यह संस्कृतियों और रीति-रिवाजों के आदान-प्रदान के रूप में मनोरंजन का सबसे सस्ता साधन है, जो तमाम महत्वपूर्ण मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित करते हुए पूरी दुनिया के ज्ञान में असीम वृद्धि करने में मददगार साबित हो रहा है। मानव जीवन में टीवी की बढ़ती भूमिका तथा इसके सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं पर चर्चा करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 21 नवम्बर को 'विश्व टेलीविजन दिवस' मनाया जाता है।

संचार और वैश्वीकरण में टेलीविजन की बेहद महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए इसके महत्वों को रेखांकित करने के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा 'विश्व टेलीविजन दिवस' मनाने की जरूरत महसूस की गई और आम जिंदगी में टीवी के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए आखिरकार टीवी के आविष्कार के करीब सात दशक बाद वर्ष 1996 में 'विश्व टेलीविजन दिवस' मनाने की घोषणा कर दी गई।

दरअसल टीवी के आविष्कार को सूचना के क्षेत्र में एक ऐसी क्रांति का आविष्कार माना गया है, जिसके जरिये समस्त दुनिया हमारे करीब रह सकती है और हम अब घर बैठे ही दुनिया के किसी भी कोने में होने वाली घटनाओं को लाइव देख सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र द्वारा पहली बार 21 तथा 22 नवम्बर 1996 को विश्व टेलीविजन मंच का आयोजन करते हुए टीवी के महत्व पर चर्चा करने के लिए मीडिया को प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराया गया था। उस दौरान विश्व को परिवर्तित करने में टीवी के योगदान और टीवी के विश्व पर पड़ने वाले प्रभावों के संदर्भ में व्यापक चर्चा की गई थी। उसी के बाद संयुक्त राष्ट्र महासभा में 17 दिसम्बर 1996 को एक प्रस्ताव पारित करते हुए प्रतिवर्ष 21 नवम्बर को विश्व टेलीविजन दिवस मनाने का निर्णय लिया गया और तभी से प्रतिवर्ष 21 नवम्बर को ही यह दिवस मनाया जाता रहा है।

इलैक्ट्रॉनिक टेलीविजन का आविष्कार 1927 में हुआ माना जाता है और उसके करीब 32 साल बाद इलैक्ट्रॉनिक टेलीविजन ने भारत में पहला कदम रखा। भारत में टीवी का पहला प्रसारण प्रायोगिक तौर पर दिल्ली में दूरदर्शन केन्द्र की स्थापना के साथ 15 सितम्बर 1959 को शुरू किया गया। उस समय टीवी पर सप्ताह में केवल तीन दिन ही मात्र तीस-तीस मिनट के कार्यक्रम आते थे लेकिन इतने कम समय के बेहद सीमित कार्यक्रमों के बावजूद भी टीवी के प्रति लोगों का लगाव बढ़ता गया और यह बहुत जल्द लोगों की आदत का अहम हिस्सा बन गया। दूरदर्शन का व्यापक प्रसार हुआ वर्ष 1982 में दिल्ली में हुए एशियाई खेलों के आयोजन के प्रसारण के बाद। दूरदर्शन द्वारा अपना दूसरा चैनल 26 जनवरी 1993 को शुरू किया गया और उसी के बाद दूरदर्शन का पहला चैनल डीडी-1 और दूसरा नया चैनल डीडी-2 के नाम से लोकप्रिय हो गया, जिसे बाद में 'डीडी मैट्रो' नाम दिया गया। भले ही टीवी के आविष्कार के इन दशकों में इसका स्वरूप और तकनीक पूरी तरह बदल चुकी है लेकिन इसके कार्य करने का मूलभूत सिद्धांत अभी भी पहले जैसा ही है।

हालांकि किसी भी वस्तु के अच्छे और बुरे दो अलग-अलग पहलू भी हो सकते हैं। कुछ ऐसा ही सूचना एवं संचार क्रांति के अहम माध्यम टीवी के मामले में भी है। एक ओर जहां यह मनोरंजन और ज्ञान का सबसे बड़ा स्रोत बन चुका है और नवीनतम सूचनाएं प्रदान करते हुए समाज पर सकारात्मक प्रभाव डालता है, वहीं इसके नकारात्मक प्रभाव भी सामने आते रहे हैं। टेलीविजन की ही वजह से ज्ञान, विज्ञान, मनोरंजन, शिक्षा, चिकित्सा इत्यादि तमाम क्षेत्रों में बच्चों से लेकर बड़ों तक की सभी जिज्ञासाएं शांत होती हैं। अगर नकारात्मक पहलुओं की बात करें तो टीवी के बढ़ते प्रचलन के साथ-साथ इस पर प्रदर्शित होते अश्लील, हिंसात्मक, अंधविश्वासों का बीजारोपण करने तथा भय पैदा करने वाले कार्यक्रमों के कारण हमारी संस्कृति, आस्था और नैतिक मूल्य बुरी तरह प्रभावित हो रहे हैं। टीवी पर विभिन्न कार्यक्रमों में लगातार हत्या और बलात्कार जैसे दृश्य दिखाने से बच्चों का मानसिक विकास प्रभावित होता है। मौजूदा समय में टीवी मीडिया की सबसे प्रमुख ताकत के रूप में उभर रहा है और मीडिया का हमारे जीवन में इस कदर हस्तक्षेप बढ़ गया है कि टीवी के वास्तविक महत्व के बारे में अब लोगों को पर्याप्त जानकारी ही नहीं मिल पाती।

देश में जहां दूरदर्शन की शुरूआत के बाद दशकों तक दूरदर्शन के ही चैनल प्रसारित होते रहे, वहीं 1990 के दशक में निजी चैनल शुरू होने की इजाजत मिलने के साथ एक नई सूचना क्रांति का आगाज हुआ। इन तीन दशकों में निजी चैनलों को लगातार मिलते लाइसेंस के चलते अब देशभर में टीवी पर करीब एक हजार चैनल प्रसारित होते हैं। इससे दूरदर्शन जैसे माध्यम कमजोर हो गए हैं और अब हम एक ऐसे दौर में जी रहे हैं, जहां सूचना व संचार माध्यमों ने हमें इस कदर अपना गुलाम बना लिया है कि इनके अभाव में जीवन की कल्पना ही नहीं कर सकते। हालांकि ढ़ेर सारे टीवी चैनलों की बदौलत जहां ज्ञान, विज्ञान, शिक्षा, सूचना आदि के स्रोत बढ़े हैं, वहीं चिंताजनक स्थिति यह है कि टीआरपी की बढ़ती होड़ में बहुत से निजी टीवी चैनल जिस प्रकार गलाकाट प्रतिद्वंद्विता के चलते समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों की अनदेखी करते हुए दर्शकों के समक्ष कुछ भी परोसने को तैयार रहते हैं, उससे युवा पीढ़ी दिशाहीन हो रही है और जनमानस में गलत संदेशों का बीजारोपण होता है। इसीलिए मांग उठने लगी है कि दिशाहीन टीवी कार्यक्रमों के नकारात्मक प्रभावों पर अंकुश लगाने और अपसंस्कृति के प्रसार को रोकने के लिए इन पर कुछ कड़े कानूनी प्रतिबंधों का प्रावधान होना चाहिए।

यूक्रेन-रूस टकराव में अमेरिकी हथियारों की भूमिका

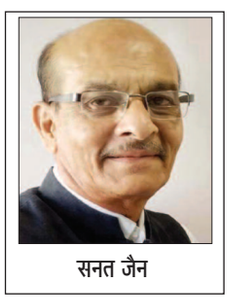

सनत जैन

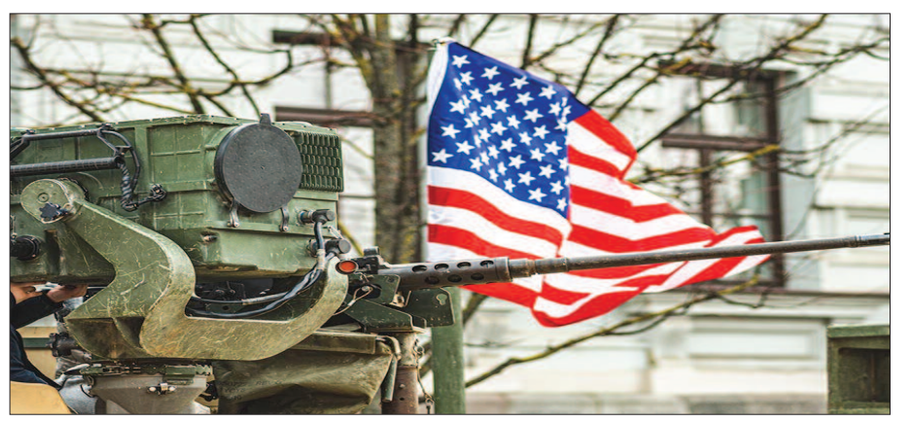

युद्ध कभी भी सभ्य समाज की पहचान नहीं होती और न ही युद्ध किसी सभ्य समाज की स्थापना में सहायक सिद्ध हो सकता है। मानव जनित समस्याओं का हल आपसी बातचीत से निकालना सभ्य समाज की देन है। इसके विपरीत स्वयं के फैसलों और मन-मर्जी को मनवाने के लिए क्रूरता की हदें पार करते हुए किसी पर युद्ध थोप देना उचित नहीं कहा जा सकता है। इससे भी ज्यादा निकृष्ट कार्य युद्ध के लिए किसी को प्रेरित करना या किसी के संबंधों को खराब कर अपना उल्लू सीधा करना होता है। अब जबकि यूक्रेन और रुस के बीच युद्ध अपने तीसरे वर्ष में प्रवेश कर चुका है और अब जबकि यह संघर्ष केवल दो देशों के बीच की सीमित लड़ाई न रहकर वैश्विक सामरिक प्रतिस्पर्धा का मंच बन चुका है। ऐसे में संपूर्ण दुनिया के शांतिप्रिय देशों के लिए यह युद्ध चिंता का विषय बन जाना उचित ही है। दरअसल हाल की घटना, जिसमें रूस ने दावा किया कि उसने अमेरिकी मिसाइलों को हवा में ही मार गिराया और यूक्रेन की लॉन्च साइट को नष्ट कर दिया है। इससे यूक्रेन को जंगी सामान मुहैया कराने और अन्य अमेरिकी सहयोग का खुलासा हुआ है। इसके साथ ही इस घटना और खुलासे ने युद्ध में इस्तेमाल आधुनिक तकनीक, खुफिया क्षमता और अंतरराष्ट्रीय हथियार पर आधारित राजनीति के महत्व को भी उजागर कर दिया है। रूसी रक्षा मंत्रालय का कहना है, कि यूक्रेन ने खार्कोव क्षेत्र से अमेरिका द्वारा निर्मित चार एटीएसीएमएस बैलिस्टिक मिसाइलें रूसी शहर वोरोनेज की ओर दागीं। यह मिसाइल लगभग 300 किलोमीटर की रेंज और अत्याधिक तेज गति के कारण यूक्रेन को रूस की गहराई तक प्रहार करने की क्षमता देती हैं। अमेरिका ने हाल ही में यूक्रेन को यह उन्नत मिसाइलें सौंपने का फैसला लिया था ताकि यूक्रेन रूसी सैन्य ठिकानों पर प्रभावी जवाब दे सके। अब विचार करने वाली बात तो यह है कि एक तरफ अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दुनियां से कहते नहीं थक रहे कि वो शांति के पुजारी हैं और उन्हें ही शांति नोबल पुरस्कार मिलना चाहिए, जो इस बार तो नहीं मिल सका। इसके लिए उन्होंने बारंबार दावा किया कि भारत-पाकिस्तान के बीच संभावित युद्ध को रोकने में उन्होंने ही मदद की। इसके अलावा उन्होंने दावा किया कि हमास और इजराइल के बीच शांति उन्होंने ही कराई और फिर रुस व यूक्रेन युद्ध रोकने के प्रयासों का भी बढ़-चढ़कर बखान करते देखे जा रहे हैं। ऐसे में सवाल यही किया जा रहा है कि आखिर जब शांति की बात की जा रही है तो जंग को आगे बढ़ाने के लिए युद्ध सामग्री क्योंकर दी जा रही है? यह उनकी कथनी और करनी में अंतर को प्रदर्शित करता है।

बहरहाल रूस का दावा है कि उसकी बहु-स्तरीय एयर डिफेंस प्रणाली ने मिसाइल हमले को शुरू होने से पहले ही नाकाम कर दिया। रूसी रेकॉन फ्लाइट ने लॉन्चिंग की गतिविधि को पहचान लिया और फिर एस-400 ट्रायंफ तथा पंतसिर-एस1 सिस्टम ने हवा में ही चारों मिसाइलों को नष्ट कर दिया। रूस का कहना है कि जासूसी, रोकथाम और जवाबी कार्रवाई, तीनों स्तरों पर उसकी सेनाओं ने समन्वित और प्रभावी काम किया। यहां बताते चलें कि एस-400 दुनिया के सबसे उन्नत एयर डिफेंस सिस्टम में माना जाता है, जो 400 किमी तक के लक्ष्यों को इंटरसेप्ट कर सकता है। पंतसिर-एस1 निकट दूरी की सुरक्षा देता है और दोनों मिलकर बहु-स्तरीय सुरक्षा तैयार करते हैं। कई देशों जिनमें भारत, तुर्की, चीन शामिल हैं ने भी इस प्रणाली को खरीदा है, जो इसकी सामरिक प्रभावशीलता को दर्शाता है। यदि रूस का दावा सही है, तो यह सिस्टम न केवल बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस में बल्कि वास्तविक युद्ध परिस्थितियों में भी प्रभावशाली साबित हो रहा है। लॉन्च साइट को नष्ट करने का दावा भी महत्वपूर्ण है। यह अलग बात है कि यूक्रेन ने इस घटना पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। युद्ध के इतिहास में अक्सर दावे और प्रतिदावे समय के साथ स्पष्ट होते हैं, इसलिए स्वतंत्र पुष्टि का इंतजार आवश्यक है। फिर भी, यह घटना इस बढ़ते संघर्ष में प्रायोजक देशों की भूमिका को भी सामने लाती है। अमेरिका लंबे समय से विभिन्न देशों को सैन्य तकनीक उपलब्ध कराता आया है, इजराइल, सऊदी अरब, पाकिस्तान और अन्य सहयोगी देश इसकी सूची में शामिल हैं। भारत भी इस कड़ी में नया नहीं है। हाल ही में अमेरिका ने भारत को 100 जेवलिन एंटी-टैंक सिस्टम और 216 एक्सकैलिबर स्मार्ट आर्टिलरी प्रोजेक्टाइल बेचने का निर्णय लिया। लगभग 775 करोड़ रुपये की इस डील को अमेरिकी कांग्रेस से मंजूरी मिल चुकी है। जहां तक रुस और यूक्रेन जंग की बात है तो यूक्रेन की सैन्य आपूर्ति अब भी मुख्यतः पश्चिमी देशों पर निर्भर है। इन देशों के समर्थन के बिना यूक्रेन रूस की विशाल सैन्य क्षमता का मुकाबला नहीं कर सकता। हथियारों का हस्तांतरण, सामरिक गठजोड़, और तकनीकी श्रेष्ठता, ये तीनों इस युद्ध के वास्तविक निर्णायक तत्व बन चुके हैं। आने वाले महीनों में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि क्या यूक्रेन और रूस की यह मिसाइल बनाम एयर-डिफेंस की लड़ाई नई दिशा लेती है या संघर्ष और अधिक जटिल होता जाता है। इसमें असमंजस इसलिए भी है, क्योंकि कहा कुछ जा रहा और किया कुछ जा रहा है। वैसे युद्ध को आगे बढ़ाने की बजाय यदि आपसी बातचीत से समस्या का समाधान निकाला जाए तो बेहतर होगा।

राज्यमंत्री केपी मलिक ने की विकास कार्यों एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा

अमरोहा (सब का सपना):- राज्य मंत्री, वन, पर्यावरण, जन्तु उद्यान एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, उ०प्र० शासन एवं जनपद के प्रभारी मंत्री के०पी० मलिक जनपद भ्रमण के दौरान गुरुवार को कलेक्ट्रेट पहुंचे। जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारीयो ने पुष्पगुच्छ देकर उनका स्वागत किया। इसके उपरांत उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। राज्यमंत्री के0पी0 मालिक ने कलेक्ट्रेट में बैठक कर विकास कार्यों एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने जनपद के विकास को गति देते हुए जनपद को कैसे आगे बढ़ाया जाए इस पर चर्चा की। इस अवसर पर शिक्षक विधायक डॉ0 हरि सिंह ढिल्लो, विधायक हसनपुर महेंद्र सिंह खड़गवंशी, जिलाध्यक्ष भाजपा उदयगिरी गोस्वामी, जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स और पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद, मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया उपस्थित रहे। बैठक में राज्यमंत्री ने जिले में चल रही विकास योजनाओं, कानून-व्यवस्था की स्थिति एवं विभिन्न विभागीय कार्यक्रमों की प्रगति पर विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता से जुड़े प्रत्येक कार्य में पारदर्शिता एवं तत्परता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में गति और गुणवत्ता सरकार की प्राथमिकता है, इसका लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुँचना चाहिए। बैठक में विधायक हसनपुर महेंद्र सिंह खड़गवंशी ने हसनपुर में गंगा नदी के किनारे स्थित बंधे की मरम्मत की बात कही जिस पर मंत्री द्वारा अधिशासी अभियंता सिंचाई विभाग को एस्टीमेट बनाकर शासन को प्रेषित करने के निर्देश दिए। राज्यमंत्री केपी मलिक ने जिले के अधिकारियों को निर्देश दिए कि विकास एवं निर्माण कार्यों में पारदर्शिता एवं प्रभावशीलता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों को गति दी जाए, ताकि योजनाओं का लाभ आमजन तक समयबद्ध ढंग से पहुँच सके। सरकार की प्राथमिकता जनता के हित से जुड़े कार्यों को गुणवत्तापूर्ण और समयसीमा के भीतर पूरा कराना है। इससे पूर्व राज्यमंत्री द्वारा दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग की कृत्रिम अंग सहायक उपकरण योजनान्तर्गत आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभाग किया गया। उन्होंने इस अवसर पर पात्र लाभार्थियों को 100 निःशुल्क ट्राईसाईकिल, 56 एम.आर. किट व 71 कृत्रिम अंगों का वितरण किए। ट्राई साइकिल वितरण कर उन्हें हरी झंडी दिखाकर अपने अपने घरों की तरफ रवाना किया। इसके साथ ही उनसे समस्याओं के बारे में भी बातचीत की। ट्राई साइकिल पाकर दिव्यांगजन खुश दिखाई दिए। केपी मलिक ने कहा कि सरकार दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने जोर दिया कि ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से उनकी जरूरतों को प्राथमिकता दी जा रही है। मंत्री ने कहा कि दिव्यांगजन समाज का अभिन्न अंग हैं और उन्हें समाज की मुख्यधारा में लाने के लिए सभी आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि सरकार हर वर्ग के लोगों की चिंता कर रही है। मंत्री ने कहा कि इन सहायक उपकरणों के सहारे विशेष आवश्यकता वाला कोई भी व्यक्ति अपने बौद्धिक हुनर का प्रयोग कर अपनी जीवन रूपी पटरी को सामान्य लोगों की तरह सही स्तर पर ला सकता है। जिले के ऐसे दिव्यांगजन जिन्हें विभिन्न माध्यम से चिन्हित किया गया था, उन्हें आज सहायक उपकरण एवं कृत्रिम अंग वितरित किए जा रहे हैं, मैं उन सभी को हृदय से धन्यवाद देता हूं। उन्होंने कहा कि यह सहायक उपकरण वितरण कार्यक्रम सहयोग करने का प्रयास है। इससे दिव्यांगजनों के किसी अन्य व्यक्ति पर आश्रित होने के भाव को कम किया जा सकेगा। इस अवसर पर पीडी डीआरडीए अम्बरीष कुमार, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी अमित कुमार, जिला दिव्यांगजन अधिकारी शिखा शर्मा सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला निर्वाचन अधिकारी निधि

गुप्ता वत्स ने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत गणना प्रपत्रों के कार्यों को परखा

अमरोहा (सब का सपना):- भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली के निदेर्शानुसार अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के आधार पर जनपद में विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण का कार्य चल रहा है। जिला निर्वाचन अधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा 41 अमरोहा विधानसभा के अम्बेडकर छात्रावास अहमद नगर और प्रकाश इंटर कॉलेज किशनगढ़ बूथों के अंतर्गत भाग संख्या 1 से 6 एवं भाग संख्या 41 से 50 का भ्रमण किया गया और बीएलओ द्वारा किए जा रहे कार्यों का निरीक्षण किया।
निरीक्षण में बी०एल०ओ० द्वारा गणना प्रपत्रों का मतदाताओं को वितरण की स्थिति, कलेक्शन, डिजिटाइज, बुक ए कॉल विद बी०एल०ओ० के निस्तारण की स्थिति आदि की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने एसआईआर में गणना प्रपत्र को बीएलओ एप पर डिजिटाइज करने के संबंध में विशेष दिशा निर्देश दिए। जहां प्रगति कम थी उन बूथ पर बीएलओ को विशेष ध्यान देने हेतु निर्देशित भी किया। सभी बीएलओ एवं सुपरवाइजर को यह निर्देश भी दिए गए की प्रतिदिन प्रत्येक बीएलओ द्वारा कम से कम 100 फार्मो को बीएलओ एप पर डिजिटाइज्ड करवाना है, तथा साथ ही साथ ज्यादा से ज्यादा गणना पत्रों को मतदाता से कलेक्ट करना है। इस दौरान उन्होंने संबंधित बीएलओ को निर्देश देते हुए कहा की गणना प्रपत्रों वितरण का कार्य ससमय पूर्ण किया जाए।
इसके साथ ही गणना प्रपत्र भरने हेतु मतदाताओ को बी0एल0ओ0 द्वारा सहयोग प्रदान किया जाए। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी सदर शैलेश कुमार दुबे सहित संबंधित उपस्थित रहे।

एनसीसी कर्नल ने किया भागीरथी देवी महाविद्यालय का निरीक्षण

मंडी धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- भागीरथी देवी महाविद्यालय का एनसीसी कर्नल ने औचक निरीक्षण किया। इस दौरान कर्नल राय ने ऑब्सटेकल प्रशिक्षण एरिया, परेड ग्राउंड, एनसीसी कार्यालय के रिकॉर्ड बुक एवं एनसीसी स्टोर रूम में रखें ट्रेनिंग मैटेरियल तथा डमी राइफल का बारीकी से निरीक्षण किया। बता दें कि अमरोहा जनपद की 33 वाहिनी एनसीसी के कर्नल गौतम राय ने बृहस्पतिवार को मंडी धनौरा पहुंचकर भागीरथी देवी महाविद्यालय का औचक निरीक्षण किया, इस दौरान उन्होंने ऑब्सटेकल प्रशिक्षण एरिया परेड ग्राउंड एनसीसी कार्यालय के रिकॉर्ड बुक एवं एनसीसी स्टोर रूम में रखे हुए ट्रेनिंग मैटेरियल एवं डमी राइफल का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सभी रिकॉर्ड बुक का अवलोकन किया और महाविद्यालय के एनसीसी अधिकारी के कार्य की सराहना की। एनसीसी नोटिस बोर्ड पर चस्पा सूचनाओं को देखकर भी उन्होंने प्रशंसा व्यक्त की और भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन करने के निर्देश दिए।इस अवसर पर सूबेदार मेजर यशपाल सिंह, ट्रेनिंग जेसीओ सूबेदार ज्ञान सिंह, लेफ्टिनेंट संजीव कुमार, प्राचार्य डॉ अभय कुमार, डॉ अनिल कुमार सिरोही, और देवांश शर्मा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

दीदी की दुकान खोलकर आत्मनिर्भर बन रहीं महिलाएं

जुबिलेंट भरतिया फाउंडेशन एवं बी-एवल फाउंडेशन का महिला सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जुबिलेंट भरतिया फाउंडेशन एवं बी-एवल फाउंडेशन द्वारा ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से खोली गईं दीदी की दुकान महिला सशक्तिकरण की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रही हैं। ऐसी 50 दुकान संचालक दीदियों को जुबिलेंट द्वारा सर्टिफिकेट प्रदान किए गए। महिलाओं ने उन्हें सशक्त बनाने के लिए जुबिलेंट का आभार व्यक्त किया।
बृहस्पतिवार को हाईवे किनारे स्थित जुबिलेंट भरतिया फाउंडेशन के ट्रेनिंग सेंटर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रथमा यूपी ग्रामीण बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक रामेंद्र कुमार एवं जेबीएफ में सीएसआर कार्यक्रम अधिकारी विशाल गौरव द्वारा प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इससे पूर्व उन्होंने महिलाओं को जीवन में आगे बढ़ने के लिए मेहनत और ईमानदारी के साथ कार्य करते रहने की सीख दी। क्षेत्रीय प्रबंधक रामेंद्र कुमार ने बताया कि उनका बैंक महिलाओं को दीदी की दुकान खोलने के लिए ऋण भी उपलब्ध करा रहा है। विशाल गौरव ने बताया कि महिला सशक्तिकरण की दिशा में यह जेबीएफ का बड़ा कदम है। उन्होंने बताया कि गजरौला, हसनपुर एवं मंडी धनौरा क्षेत्र में सौ दीदी की दुकानें संचालित हैं। जुबिलेंट में निदेशक जनसंपर्क सुनील दीक्षित ने बताया कि जेबीएफ के इस प्रोजक्ट को यूनिसेफ ने अपनी वेबसाइट पर भी साझा किया है।
वहीं कार्यक्रम में मौजूद अनीता देवी, ऊषा रानी, मीना, रिंकुल, रूबी गौतम, नीरो देवी, सोमवती देनी आदि ने बताया कि जुबिलेंट की वजह से उन्हें स्वाबवंबी बनने का अवसर मिला है और दीदी की दुकान के जरिए उनकी आजीविका भी बेहतर तरीके से चल रही है।
इसके लिए उन्होंने जुबिलेंट प्रबंधन का आभार भी व्यक्त किया। कार्यक्रम में प्रथमा यूपी ग्रामीण बैंक से आईं नीलम यादव, ज्योति, जुबिलेंट में सुरक्षा प्रमुख वीरेंद्र नेगी, एचआर हेड पुनीत तिवारी, चंदन सिंह, बूंदी सिंह, नवनीत सिंह, साजिद पाशा, मोहित, नासिर खान, राहुल, पूजा, नूर मसीह आदि भी मौजूद रहे।

जिले में प्रवर्तन अधिकारी ने 07 अनाधिकृत यात्री वाहनों को किया सीज

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में परिवहन विभाग ने अनाधिकृत यात्री वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई तेज कर दी है। गुरुवार को एआरटीओ प्रवर्तन महेश शर्मा के नेतृत्व में दो विशेष टीमों का गठन किया गया। पहली टीम का नेतृत्व स्वयं महेश शर्मा ने किया जबकि दूसरी टीम की कमान पीटीओ सुधीर सिंह को सौंपी गई। यह अभियान खास तौर पर उन निजी वाहनों पर केंद्रित था जो प्राइवेट पंजीकरण के बावजूद व्यावसायिक रूप से यात्रियों को बैठाकर किराया वसूल रहे थे। अभियान ब्रजघाट बॉर्डर से हसनपुर रोड तथा जोया फ्लाईओवर तक हाईवे पर चलाया गया।कार्रवाई में कुल 07 अनाधिकृत यात्री वाहनों को सीज कर चालान किया गया। इन वाहनों को ब्रजघाट पुलिस चौकी, रोडवेज बस स्टैंड गजरौला, अमरोहा बस स्टैंड और डिडौली थाना परिसर में खड़ा किया गया। इसके अलावा सड़क सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने वाले 40 अन्य वाहन चालकों के खिलाफ भी चालान काटा गया। इनमें बिना हेलमेट, मोबाइल पर बात करते चलाना, विपरीत दिशा में वाहन चलाना और बिना नंबर प्लेट के वाहन चलाने जैसे मामले शामिल रहे।कार्रवाई से अवैध वाहन चालकों में हड़कंप मच गया। कई चालक वाहन छोड़कर भागने या संकरे रास्तों से बच निकलने की कोशिश करने लगे, लेकिन टीमों की मुस्तैदी से कोई भी बच नहीं सका। परिवहन विभाग ने चेतावनी दी है कि यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

पीएम श्री विद्यालयों की मासिक समीक्षा बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- जिले में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी की अध्यक्षता में आज जनपद के समस्त 14 पीएम श्री विद्यालयों की मासिक समीक्षा बैठक की गई इस समीक्षा बैठक में परिषदीय विद्यालयों में स्पोर्ट्स ग्रांट, टी एल एम ग्रांट,लघु मरम्मत, कंपोजिट ग्रांट, डीबीटी,डिजिटल उपस्थिति आदि की समीक्षा की गई। जिसमें पंजू सराय विद्यालय की प्रधानाध्यापिका की डीबीटी, डिजिटल उपस्थिति 100% करने पर प्रशंसा की गई। अन्य सभी प्रधानाध्यापकों को विद्यालय के समस्त कार्यों को 100% पूर्ण करने हेतु 15 दिन का का समय दिया गया तथा कंपोजिट विद्यालय जीवाई जोया एवं प्राथमिक विद्यालय तिगरी , गजरौला के द्वारा डिजिटल उपस्थिति न लगाने पर स्पष्टीकरण जारी किया गया । सभी को 100% डी बी टी कार्य पूर्ण करने , डिजिटल उपस्थिति, लघु मरम्मत पूर्ण करने,सफाई हेतु सफाईकर्मी नियुक्त करने ,बालवाटिका को स्टेशनरी उपलब्ध कराने विद्यालय निपुण बनाने,स्मार्ट क्लास ऑनलाइन संचालन ,टैबलेट के उपयोग के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त खंड शिक्षा अधिकारी एवं जिला समन्वयक को समस्त पीएम श्री विद्यालयों का निरीक्षण करने हेतु निर्देशित किया गया।

जिले की गौ शालाओं में कंट्रोल रूम स्थापित करने की कार्यवाही प्रक्रियाधीन

अमरोहा (सब का सपना):- ज़िले की जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स ने जानकारी देते हुए कहा कि निराश्रित गौवंश के संरक्षण एवं भरण-पोषण हेतु प्रदेश सरकार दृढ संकल्पित है तथा वर्तमान में लगभग 12.36 लाख निराश्रित गौवंश प्रदेश के समस्त जनपदों में संचालित गौ आश्रय स्थलों में संरक्षित हैं। जनपद अमरोहा में वर्तमान में 5118 गौवंश विभिन्न गौ आश्रय स्थलो में संरक्षित हैं। इस कार्य के सुचारु संचालन हेतु वृहद नीति का प्रख्यापन करते हुए विभिन्न विभागों को महत्वपूर्ण दायित्व निर्धारित करते हुए समय-समय पर विस्तृत दिशा-निर्देश निर्गत किये गये है, जिनमें प्रमुख विभाग है राजस्व, नगर विकास (मुख्य नोडल विभाग प्रदेश मुख्यालय स्तर पर), ग्राम्य विकास विभाग, पंचायती राज विभाग, पशु पालन विभाग, कृषि विभाग, वन विभाग आदि। इसी क्रम में मुख्य सचिव, उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महत्वपूर्ण निर्देश निर्गत किये है जिनमे समस्त गौ आश्रय स्थलों पर सी0सी0टी0वी0 स्थापित कर जनपद व निदेशालय स्तर पर कंट्रोल रूम की स्थापना है। इसी प्रकार गौ आश्रय स्थलों में पर्याप्त मात्रा में भूसा, साइलेज, पशु आहार व हरे चारे की उपलब्धता तथा गौ आश्रय स्थलों से सम्बद्ध चारागाह भूमि पर हरे चारे की बुआई सुनिश्चित करना। अधिकारियों द्वारा गौ मात्र स्थलों का नियमित भ्रमाण व पर्यवेक्षण किया जाना। हरे चारे की बुआई हेतु क्षेत्र के किसानों से हरे चारे की बुआई हेतु एम०ओ०यू० कर फसल चक्रानुसार नियमित रूप से हरा बारा प्राप्त कर, चारा उपलब्ध कराने वाले कृषकों को उनके बैंक खाते में सीधे भुगतान की व्यवस्था की जायेगी। उन्होनें कहा कि प्रत्येक गौ आश्रय स्थल पर पर्याप्त संख्या में केयर टेकर्स की व्यवस्था जिससे गौ आश्रय स्थलों पर केयर टेकर की निरंतर उपलब्धता बनी रहे तथा सघन पर्यवेक्षण व मानकों के अनुरूप भरण पोषण व स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित की जायेगी। अवगत कराते हुए कहा कि जनपद के गौ आश्रय स्थलों में सी0सी0टी0वी0 कैमरे पूर्व में ही लगाये जा चुके हैं तथा जिला स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित करने की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है।

एस आई आर का प्रथम चरण, उझारी में काम की गति धीमी

सामाजिक कार्यकर्ता अलाउद्दीन सैफी ने किया एसआईआर हेल्प डेस्क का गठन

उझारी/अमरोहा (सब का सपना):- बीएलओ की शिथिलता के चलते एस-ाआईआर का काम तेजी नहीं पकड़ पा रहा है। लोग गणना प्रपत्र भरवाने के लिए परेशान नजर आ रहे हैं। नागरिकों की सुविधा के लिए सामाजिक एवं आरटीआई कार्यकर्ता अलाउद्दीन सैफी ने हेल्प डेस्क का गठन कर एस आई आर फॉर्म भरने का बीड़ा उठाया है। जिससे लोगों ने राहत महसूस की है। सर्व विदित है कि इस समय चुनाव आयोग द्वारा एस आई आर का कार्य कराया जा रहा है। जिसके प्रथम चरण में बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर फॉर्म भरने का कार्य किया जाना है। नगर पंचायत उझारी में बीएलओ द्वारा गणना प्रपत्र तो वितरित कर दिए गए परंतु उन्हें भरने का काम मतदाताओं पर छोड़ दिया है। प्रत्येक मतदाता के पास तो 2003 की वोटर लिस्ट उपलब्ध नहीं है जिस कारण वह अपना गणना प्रपत्र नहीं भर पायेगा। किसी के पास 2003 की वोटर लिस्ट उपलब्ध भी है, तो वह फॉर्म भरने में पूरी तरह प्रशिक्षित नहीं है। इसलिए नागरिक गणना प्रपत्र को भरे जाने के बारे में विचलित नजर आ रहे हैं। नागरिकों की परेशानी को देखते हुए सामाजिक एवं आरटीआई कार्यकर्ता अलाउद्दीन सैफी ने "एस आई आर हेल्प डेस्क" का गठन कर गणना प्रपत्र भरने का कार्य शुरू किया है। जिससे लोगों को राहत मिली है। एसआईआर हेल्प डेस्क में शाकिर मसूदी एवं शहाबुद्दीन सैफी भी अपनी महती भूमिका निभा रहे हैं। बताया जाता है कि अभी तक एसआईआर के काम में बीएलओ निजामुद्दीन का कार्य संतोषजनक है। अन्य बी एल ओ के रवैया से मतदाता खफा नजर आ रहे हैं। लोगों ने मांग की है कि चुनाव आयोग के निदेर्शानुसार बीएलओ घर-घर जाकर गणना प्रपत्र को सही प्रकार से भरें ताकि भोली भोली जनता में कोई भ्रम पैदा न हो और गणना प्रपत्र का कार्य समय से पूर्ण किया जा सके।

यातायात माह एवं मिशन शक्ति 5.0 अभियान

के जागरूकता कार्यक्रम एवं खेल प्रतियोगिताओं का किया गया आयोजन

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द के निर्देशन में यातायात माह नवंबर 2025 एवं मिशन शक्ति 5.0 अभियान के तहत आज थाना आदमपुर पुलिस द्वारा गोस्वामी तुलसीदास संस्कृत माध्यमिक विद्यालय, आदमपुर में विस्तृत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान थाना पुलिस टीम द्वारा विद्यालय के छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों एवं संकेतों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को हेलमेट, सीटबेल्ट, गति नियंत्रण, पैदल यात्री नियम, ओवरलोडिंग, स्टंट ड्राइविंग जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी जागरूक किया गया। इसके साथ ही विद्यार्थियों को साइबर क्राइम, ऑनलाइन फ्रॉड, ओटीपी/लिंक शेयरिंग के खतरों तथा नए आपराधिक कानूनों (भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता एवं भारतीय साक्ष्य संहिता) के महत्वपूर्ण प्रावधानों के बारे में भी सरल भाषा में जानकारी प्रदान की गई, ताकि वे स्वयं सतर्क रहें और दूसरों को भी जागरूक कर सकें। सरदार वल्लभभाई पटेल जी के जन्म उत्सव के अवसर पर विद्यालय में कबड्डी प्रतियोगिता एवं खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन भी पुलिस की ओर से किया गया। प्रतियोगिताओं में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने वाले प्रतिभागी छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन किया गया। विजेता टीमों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया तथा सभी विद्यार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी गईं।
अमरोहा पुलिस द्वारा जनपद में इसी प्रकार यातायात जागरूकता, महिला सुरक्षा, साइबर सुरक्षा एवं खेलों को बढ़ावा देने हेतु अभियान निरंतर आगे भी जारी रहेंगे।

बकरी और चांदी के गहने चोरी के मामले में पुलिस ने दो अभियुक्तों को किया गिरफ्तार

हजरतनगर गढ़ी/सम्भल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक सम्भल कृष्ण कुमार के निर्देशन में चलाए जा रहे अपराध नियंत्रण अभियान के तहत हजरतनगर गढ़ी पुलिस ने चोरी के एक मामले में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, बीते 6-7 अक्टूबर की रात ग्राम मुकर्रबपुर (थाना हजरतनगर गढ़ी) निवासी मुस्तकीम पुत्र सय्यद जान के घर से 3 बकरियां, चांदी की दो जोड़ी पायल और कान की बाली चोरी हो गई थी। इस संबंध में पीड़ित ने 8 सितंबर 2025 को थाना हजरतनगर गढ़ी में मुकदमा दर्ज कराया था। लगातार जांच और गस्त के दौरान 20 नवंबर को हजरतनगर गढ़ी पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए दो अभियुक्तों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान बालीस्टर पुत्र भूरे, निवासी ग्राम मुकर्रबपुर, थाना हजरतनगर गढ़ी, जिला सम्भल (35) गुड्डू पुत्र रामपाल, निवासी मौहल्ला गिन्नौरी, कस्बा सिरसी, जिला सम्भल (22) दोनों अभियुक्तों को वसी आलम पुत्र बाबू की ट्यूबवेल के पास सड़क किनारे से गिरफ्तार किया गया। दोनों गिरफ्तार अभियुक्तों पर नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने बताया कि जनपद में अपराध और अपराधियों पर लगाम कसने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है, जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं।

4 सब का सपना हिंदी दैनिक
सम्भल /अमरोहा
अमरोहा
शुक्रवार 21 नवम्बर 2025
www.sabkasapna.com

6 महीने से लापता 12 वर्षीय बच्चा तमिलनाडु से बरामद, पुलिस ने परिजनों को सौंपा

असमोली/सम्भल(सब का सपना):- जनपद के थाना असमोली क्षेत्र के ग्राम शाहपुर डसर निवासी 12 वर्षीय बालक आशीष पुत्र जगशरण, जो पिछले लगभग 6 महीने से लापता था, जिसको सम्भल पुलिस ने शानदार प्रयास से तमिलनाडु के त्रिचुरापल्ली (तिरुचिरापल्ली) से सकुशल बरामद कर लिया। बच्चे को उसके माता-पिता के सुपुर्द कर दिया गया है। परिजनों की आंखों में खुशी के आंसू छलक पड़े। यह सफलता पुलिस अधीक्षक सम्भल कृष्ण कुमार विश्नोई व अपर पुलिस अधीक्षक

कुलदीप सिंह के कुशल निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी असमोली कुलदीप कुमार व थानाध्यक्ष असमोली राजीव कुमार के नेतृत्व में मिली। बरामदगी अभियान में मुख्य भूमिका निरीक्षक अपराध संजीव गिरी व हेड कांस्टेबल योगेश तोमर की रही, जिनकी टीम ने हजारों किलोमीटर दूर तमिलनाडु तक जाकर बच्चे को ढूंढ निकाला। बच्चे के लापता होने पर थाना असमोली में मुकदमा पंजीकृत किया गया था। पुलिस की त्वरित कार्यवाही और लगातार तकनीकी व मानवीय प्रयासों से इतने लंबे समय बाद भी बच्चे को सकुशल वापस लाया जा सका। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई ने टीम को सराहा और कहा कि अपराध रोकथाम के साथ-साथ गुमशुदा व्यक्तियों को ढूंढकर उनके परिजनों से मिलाना पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है। सम्भल पुलिस की इस कामयाबी से क्षेत्र में कानून-व्यवस्था के प्रति जनता का विश्वास और मजबूत हुआ है।

राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता के लिए बिजली विभाग के साथ महत्वपूर्ण बैठक

चंदौसी/संभल(सब का सपना):- उ.प्र.राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जारी दिशा-निदेर्शों के अनुपालन में प्रास्तावित आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत दिनांकित 13 दिसंबर के सफलतापूर्वक आयोजन एवं व्यापक प्रचार-प्रसार के संबंध में जनपद न्यायाधीश अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण डॉ विदुषी सिंह के आदेशानुसार 20 नवंबर को सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, संभल स्थित चंदौसी के विश्राम कक्ष में एक बैठक बिजली विभाग के समस्त एस.डी.ओ जनपद संभल के साथ आयोजित की गयी। जिसमें

प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, संभल स्थित चंदौसी द्वारा निर्देश दिये गये कि सभी राजस्व, बिजली, बैंक, पेंशन, पानी, भूमि विवाद तथा अन्य जनहित से जुड़े मामलों को प्राथमिकता देकर लोक अदालत में प्रस्तुत किया जाये, ताकि अधिकतम मामले सुलझाये जा सकें। बैठक में उपस्थित विभागीय अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि वे अपने-अपने विभागों से सम्बन्धित मामलों की सूची तैयार कर समय पर लोक अदालत में प्रस्तुत करेंगे। उपरोक्त बैठक के अवसर पर एस.डी.ओ. बहजोई अखिलेश कुमार, एस. डी.ओ. पंवासा मनोज कुनार यादव, एस.डी.ओ. संभल प्रथम जे.पी. वार्ष्णेय, एस.डी.ओ. सम्भल द्वितीय गणेश कुमार गुप्ता, एस.डी.ओ. सम्भल तृतीय राहुल सिंह, एस.डी.ओ. गवा दिनकर भाई पटेल, एस.डी.ओ. गुन्नौर ऋषिकुमार शुक्ला, प्रभारी निरीक्षक बिजली थाना सम्भल ताहिर हुसैन, एस.डी.ओ. चन्दौसी अजय कुमार चौरसिया आदि उपस्थित रहे।

यह जानकारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण/ मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट संभल स्थित चन्दौसी विभांशु सुधीर द्वारा दी गयी।

संक्षिप्त डायरी

बुद्ध ने विश्व को करुणा, मैत्री का पाठ पढ़ाया: कोंचोक टैंक्योंग

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। नगरपालिका परिषद अंतर्गत वार्ड संख्या 20 शहीद भगत सिंह नगर (अनिरुद्धवा) बुद्ध मार्ग स्थित मलिन बस्ती में तिब्बत मॉनेस्ट्री द्वारा जरूरतमंदों में खाद्यान्न वितरित किया गया। गुरुवार को तिब्बती मंदिर के प्रमुख कोंचोक टैंक्योंग लामा ने मलिन बस्ती के सौ लोगों को खाद्यान्न और अन्य खाद्य सामग्री उपलब्ध कराया। उन्होंने कहा कि तथागत भगवान बुद्ध ने विश्व को करुणा, मैत्री का पाठ पढ़ाया। उन्हीं उपदेशों के क्रम में मेरे द्वारा माह में दो बार जरूरतमंद लोगों की मदद की जाती है। इस दौरान मिग्मार लामा, त्सेरिंग लामा सहित अन्य मौजूद रहे।

गन्ना क्रय केंद्र जौरा बाजार प्रथम सेंटर का हुआ शुभारंभ

संवाददाता

कुशीनगर। अवध शुगर एंड एनर्जी लिमिटेड यूनिट (न्यू इंडिया शुगर मिल हाटा) कुशीनगर के गन्ना क्रय केंद्र जौरा बाजार प्रथम सेंटर पर गन्ना पेराई सत्र 2025-2026 के लिए गन्ना खरीद का शुभारंभ विधिवत पूजन अर्चन कर जोनल इंचार्ज राजेश कुमार मौर्य और कर्मचारियों ने किया। इस दौरान हाटा चीनी मिल से तौल लिपिक बृजेश शर्मा, क्षेत्रीय इनचार्ज दीपांकर यादव, बिष्णु कांत मिश्रा, पूर्व प्रधानाचार्य हरिशंकर उपाध्याय, पूर्व प्रधानाचार्य दयाशंकर मिश्रा, डॉ जय प्रकाश यादव, महातम यादव (सचिवालय लखनऊ), किसान रामशीष सिंह, दीपक राय, राजेन्द्र कुशवाहा ग्राम प्रधान परसौनी, श्रीराम कुशवाहा, बसन्त, गोपाल,केदारू,गुड्डू, झंकारी बाबा, फुलसुंदर सिंह, चौकीदार अमेरिका यादव सहित सैकड़ों किसान मौजूद थे।

आज ढाढा चीनी में गन्ना पेराई सत्र का शुभारंभ करेंगे कृषि मंत्री

संवाददाता

कुशीनगर। न्यू इंडिया सुगर मिल ढाढा बुजुर्ग हाटा कुशीनगर का गन्ना पेराई सत्र 2025-2026 का शुभारंभ 21 नवंबर दिन शुक्रवार को अपराह्न एक बजे होगा। मुख्य अतिथि प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही गन्ना पेराई सत्र का शुभारंभ करेंगे। उक्त जानकारी एक विज्ञप्ति के माध्यम से मिल के अधिशासी अध्यक्ष आरके गुप्ता ने दी है। अधिशासी अध्यक्ष श्री गुप्ता ने बताया कि मिल की पेराई क्षमता के अनुसार गन्ने की उपलब्धता कम है। इसलिए मिल गेट परिक्षेत्र में शरद कालीन गन्ना बुआई का क्षेत्रफल बढ़ाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। अधिशासी उपाध्यक्ष गन्ना रविन्द्र सिंह ने बताया कि गन्ना पेराई सत्र का शुभारंभ के अवसर पर सांसद विजय कुमार दूबे, हाटा विधायक मोहन वर्मा, फाजिल नगर विधायक सुरेंद्र कुशवाहा, पडरौना विधायक मनीष जायसवाल, रामकोला विधायक विनय गोंड, उप गन्ना आयुक्त देवरिया एपी सिंह, पूर्व सहायक निदेशक गन्ना विशेषज्ञ ओपी गुप्ता, जिला गन्ना अधिकारी कुशीनगर हुदा सिद्दकी, गन्ना समितियों के अध्यक्ष, किसान आदि मौजूद रहेंगे।

जिलाधिकारी ने सुनवाई के दौरान आई 92 शिकायतों में ज्यादातर का किया मौके पर निस्तारण

संवाददाता

हमीरपुर। जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई कर आम लोगों की शिकायतों को सुनकर अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण और बेहतर तरीके से निस्तारण करने के निर्देश जारी किये। जनसुनवाई में करीब 92 शिकायते आईं, जिनमें से ज्यादातर का जिलाधिकारी ने फौरन मौके पर निस्तारण कर दिया। बाकी शिकायतों के निस्तारण के लिये जिलाधिकारी ने सभी एसडीएम , खंड विकास अधिकारी सहित सभी के साथ वर्चुअल/ जूम एप के जरिये से बैठक कर उनके फौरन निस्तारण के लिये निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने कहा कि सभी एसडीएम ,बीडीओ सहित सभी अधिकारी नियमित तौर से अपने कार्यालय में जनसुनवाई कर जन समस्याओं का बेहतर तरीके से निस्तारण किया जाए इसमें किसी भी तरह की लापरवाही न बरती जाये। जिलाधिकारी ने कहा की जनसुनवाई, आईजीआरएस सहित माध्यमों से आने वाले मामलों का सभी अधिकारी मौके पर जाकर गुणवत्तापूर्ण तरीके से निस्तारण कर वख्त पर रिपोर्ट पेश करें।

10 दशमोत्तर छात्रवृत्ति 2024-25 शासन ने जारी की नई समय सारिणी

सभी संस्थानों व छात्रों को निर्धारित अवधि में कार्यवाही

बहजोई/संभल(सब का सपना):- दिलीप कुमार, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी, द्वारा सूचित किया गया, कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में दशमोत्तर छात्रवृत्ति (कक्षा 11-12 को छोड़कर) योजनान्तर्गत वचित समस्त वर्गों के छात्र/छात्राओं के लिए निम्नानुसार संशोधित समय-सारणी निर्गत की गई है 1 शिक्षण संस्थानों द्वारा मास्टर डाटा लॉक करना, 20 नवम्बर, 2025 से 26 नवम्बर, 2025 तक 2 विश्वविद्यालय /एफिलिएटिंग एजेन्सी द्वारा फीस आदि का सत्यापन, 01 दिसम्बर, 2025 तक, 3 जिला समाज कल्याण अधिकारी द्वारा फीस आदि का सत्यापन, 04 दिसम्बर, 2025 तक, 4 छात्रों द्वारा रजिस्ट्रेशन/ऑनलाइन आवेदन करना, 20 नवम्बर, 2025 से 26 नवम्बर, 2025 तक, 5 शिक्षण संस्थाओं द्वारा आवेदन पत्र को

ऑनलाइन सत्यापित एवं अग्रसारित किया जाना, 03 दिसम्बर, 2025 तक, 6 विश्वविद्यालय/एफिलिएटिंग एजेन्सी द्वारा वास्तविक छात्रों का सत्यापन व अपात्र छात्र पाठ्यक्रम व संस्था को ब्लाक करना, 04 दिसम्बर, 2025 से 09 दिसम्बर, 2025, 7 जनपदीय समिति द्वारा डाटा लाक करना, 16 दिसम्बर, 2025 से 05 जनवरी, 2026 एवं धनराशि का अन्तरण, 12 जनवरी, 2026 इस कम में वित्तीय वर्ष 2024-25 में दशमोत्तर छात्रवृत्ति (कक्षा 11-12 को छोड़कर) योजनान्तर्गत वंचित समस्त वर्गों के छात्र/छात्राओं एवं शिक्षण संस्थाओं से अपेक्षित है कि समस्त वांछित कार्यवाही शासन द्वारा निर्धारित उपरोक्त समयावधि के अनुसार पूर्ण करने का कष्ट करें।

जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया की अध्यक्षता में एसआईआर चौपाल का आयोजन

बहजोई/संभल(सब का सपना):- विकासखंड बहजोई के ग्राम अर्जुनपुर जूना में जिलाधिकारी डॉ. राजेंद्र पैंसिया की अध्यक्षता में एस-ाआईआर चौपाल का आयोजन किया गया। एसआईआर चौपाल के अन्तर्गत बूथ संख्या 269 एवं बूथ संख्या 270 की मतदाता सूची के अन्तर्गत मतदाताओं के नाम का वाचन करते हुए जिलाधिकारी द्वारा मतदाताओं का सत्यापन किया गया।जिलाधिकारी ने संबंधित बीएलओ को निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी प्रकार के दबाव में काम नहीं करना है, निष्पक्ष रूप से कार्य किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा की मतदाता सूची का वाचन करते हुए सूची का सत्यापन किया जाए।जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद में 1652 बीएलओ एसआ-ईआर के अन्तर्गत कार्य कर रहे हैं तथा गणना प्रपत्रों का वितरण किया जा चुका है तथा गणना प्रपत्रों के संग्रह तथा डिजिटलाइजेशन का कार्य चल रहा है। उन्होंने कहा कि प्रयास

है शीघ्र ही गणना प्रपत्रों का डिजिटलाइजेशन होने के बाद आपत्ति लेने की प्रक्रिया प्रारम्भ की जाएगी। जिलाधिकारी ने एएसडी वोटों को भी चिन्हांकित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रतिदिन प्रत्येक विधानसभा सभा क्षेत्र भ्रमण करते हुए एसआईआर कार्य को प्रत्यक्ष रूप से उनके द्वारा निरीक्षण किया जाएगा। इस अवसर पर नायब तहसीलदार चंदौसी, विकासखंड अधिकारी बहजोई ओमवीर सिंह, संबंधित बीएलओ,ग्राम सचिव, लेखपाल, ग्राम प्रधान,पूर्व ग्राम प्रधान, राशन डीलर,रोजगार सेवक आदि सहित समस्त संबंधित अधिकारी एवं ग्राम वासी उपस्थित रहे।

गन्ने के साथ फूलगोभी की खेती वरदान, किसान होंगे खुशहाल

संवाददाता

कुशीनगर। शरद कालीन गन्ने के साथ फूलगोभी की खेती से किसानों के लिए वरदान साबित होगी और किसान खुशहाल होंगे। किसान वैज्ञानिक तकनीक अपनाकर, मात्र 85 से 90 दिनों में एक एकड़ सह-फसली खेती से 1.5 लाख रुपया तक लाभ ले सकते हैं। उक्त बातें उप्र गन्ना किसान संस्थान प्रशिक्षण केंद- पिपराइच-गोरखपुर के पूर्व सहायक निदेशक गन्ना विशेषज्ञ ओमप्रकाश गुप्ता ने ग्राम- बकनहा शिव मंदिर परिसर में किसान गोष्ठी और फसल अवलोकन करते हुए कहीं। बताया कि एक एकड़ गन्ने में 30 हजार गोभी का पौधा लगेगा। 5 रुपए की लागत से गोभी का पौधा का पौधा बोने पर 1.5 लाख का होगा। बकनहा में सब्जी की खेती करने वाले प्रगतिशील किसान अरविंद कुशवाहा का गोभी किसानों को दिखाते हुए बताया कि गोभी का अधिक उपज देने वाली प्रमुख प्रजाति गिरजा, माधुरी है। गोभी की किसान शरद कालीन गन्ने के साथ किस सह-फसली की खेती करे। गन्ने के साथ आलू, फूलगोभी, पातगोभी, टमाटर, बैगन, सब्जी,मटर, की खेती, धनिया मसूर, गेहूं ,तोरिया, पालक, लोबिया आदि की बुवाई करें। गोबर की सड़ी खाद अवश्य प्रयोग करें, लाइन से बुवाई करें। बाजार में गोभी बाजार में 50 रुपए किलो बिकता है। कभी सस्ता हो जाता है। इसलिए किसान समय को पहचान कर खेती करें तो फायदे में रहेंगे। श्री गुप्ता ने सब्जी की वैज्ञानिक खेती के विषय में जानकारी लेने के लिए कृषक अध्ययन यात्रा में सब्जी अनुसंधान संस्थान वाराणसी, कानपुर, पंतनगर, कुमारगंज, फैजाबाद, जाकर शोध, प्रक्षेत्र देखा, वैज्ञानिकों से जानकारी है। गन्ने की बुवाई 4 फीट की दूरी पर नाली बनाकर करें। गन्ने की दो लाइन के बीच गोभी को दो लाइन में पौध की रोपाई करें। गोभी की लाइन से लाइन की दूरी 45 सेमी रखें, गन्ने मैं गोभी बोने से खरपतवारों का नियंत्रण होगा। गोभी की फसल को किसान घनश्याम कुशवाहा, पिंटू शर्मा, छटटू शर्मा, अकलू प्रसाद, पुजारी कुशवाहा, रमन कुशवाहा ने देखा।

सपा विधायक का निधन, अखिलेश को पकड़कर रोया बेटा

मऊ। घोसी विधानसभा से सपा विधायक सुधाकर सिंह का निधन हो गया। वे 67 साल के थे। परिवार के मुताबिक, सुधाकर सिंह 17 नवंबर को दिल्ली में उमर अंसारी के मैरिज रिसेप्शन में शामिल हुए थे। 18 नवंबर यानी मंगलवार रात सुधाकर सिंह दिल्ली से लौटे थे। उसी रात उनकी तबीयत ज्यादा बिगड़ गई। उन्हें तुरंत लखनऊ के मेदांता में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों की टीम लगातार उनकी सेहत की निगरानी कर रही थी। गुरुवार सुबह इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। उनके बेटे और पूर्व ब्लॉक प्रमुख डॉ. सुजीत सिंह ने पिता के निधन की पुष्टि की। अखिलेश यादव ने अस्पताल पहुंचकर सुधाकर के परिवार से मुलाकात की। इस दौरान सुजीत सपा मुखिया को पकड़कर फूट-फूट कर रोए। अखिलेश ने उन्हें ढांढस बंधाया। सीएम योगी ने भी '' पर लिखा- मेरी संवेदनाएं परिजनों के साथ हैं। भगवान से प्रार्थना है कि परिवार को यह दुःख सहन करने की ताकत मिले। इस बीच, परिवार और सपा कार्यकर्ता सुधाकर सिंह का शव लेकर घोसी में उनके पैतृक गांव पहुंच चुके हैं।

चौपाल: आधा दर्जन गांवों में बीडीओ व अधिकारियों ने दी योजनाओं की जानकारी

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। हाटा विकास के ग्राम पतया सहित आधा दर्जन गांवों में गुरुवार को खण्ड विकास अधिकारी हरिश्चंद्र कौशिक के देखरेख फार्मर रजिस्ट्री, एसआईआर और किसान सम्मान निधि को लेकर एक चौपाल का आयोजन किया।चौपाल में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने फार्मर रजिस्ट्री, एसआईआर और किसान सम्मान निधि से संबंधित विस्तृत जानकारी दी। और लाभार्थियों से कराई गई। क्षेत्र के पतया, गोबरही, भठही राजा, डुमरी, चुरामन छपरा,

खड्डा जाखनी में बीडीओ हरिश्चंद्र कौशिक ने ग्रामीणों से फार्मर रजिस्ट्री की आवश्यकता के बारे में पूछा। इस पर हल्का लेखपाल अरबिंद सिंह और एडीओ पंचायत चंद्रिका प्रसाद ने बताया कि सरकार द्वारा संचालित सभी योजनाओं के लिए फार्मर रजिस्ट्री अनिवार्य है। फार्मर रजिस्ट्री होने के बाद किसानों को सम्मान निधि, खाद, बीज, बैंक से ऋण सहित विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ मिल सकेगा। खण्ड विकास अधिकारी ने इस बात पर जोर दिया कि फार्मर रजिस्ट्री किसानों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने ग्राम सचिव संजय चौबे और रोजगार सेवकों को निर्देश दिया कि इन योजनाओं की जानकारी ब्लॉक के सभी ग्राम पंचायतों में चौपाल लगाकर दी जाए। इसके लिए एडीओ, एडीओ एजी, ग्राम सचिव, ग्राम प्रधान, बीएमएम और राजस्व टीम को लगाकर शत-प्रतिशत फार्मर रजिस्ट्री सुनिश्चित की जाए। इस अवसर पर ग्राम प्रधान समिउल्लाह खां, डिम्पल पांडेय, राम आश्रय, सुभाष कान्दू आदि लोग मौजूद रहे।

एनसीसी कैम्प में रेंट पिचिंग प्रतियोगिता आयोजित

संवाददाता

कुशीनगर। उदित नारायण स्नातकोत्तर महाविद्यालय पडरौना में आयोजित एनसीसी वार्षिक प्रशिक्षण 168 में कैडेट्स के बीच रेंट पिचिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य कैडेट्स में टीमवर्क, अनुशासन, फील्ड क्राफ्ट और त्वरित कार्य-क्षमता को विकसित करना था। प्रतियोगिता के दौरान कैडेट्स ने सीमित समय में अपनी-अपनी टीमों के साथ मिलकर टेंट स्थापित किए। कैडेट्स ने बेहतरीन समन्वय, सटीकता और फुर्ती का प्रदर्शन किया। प्रशिक्षकों ने

कैडेट्स को सही तकनीक, एलाइनमेंट, ग्राउंड सेलेक्शन और सुरक्षा के मानकों के बारे में जानकारी दी। कमांड अधिकारी करनाल हरिश चंद ने कैडेट्स के उत्साह और लगन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी गतिविधियां कैडेट्स को मैदानी परिस्थितियों के अनुरूप तैयार करती हैं तथा उनमें नेतृत्व क्षमता को मजबूत बनाती हैं।प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली टीमों को पुरस्कृत भी किया गया। अंत में एसओज और प्रशिक्षकों ने कैडेट्स को भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहित किया। इस दौरान डिप्टी कमांडेंट कैप्टन वीपी मिश्रा, रिसालदार मेजर हरजीत सिंह, एएनओ लेफ्टिनेंट नरेंद्र त्रिपाठी, थर्ड ऑफिसर एक पांडे, सूबेदार त्रिलोक सिंह, सूबेदार संजय कुमार, सूबेदार संतोष कुमार, हवलदार कुलदीप सिंह, हवलदार करनप्रीत सिंह हवलदार सर्वजीत सिंह हवलदार गोविंद सिंह, हवलदार रमेश लामा हवलदार मन बहादुर थापा, हवलदार निर्मल सरु, हवलदार थिनिल्स दोरजे अन्य पी आई स्टाफ एवम् बटालियन के अन्य सिविल स्टाफ लल्लन सिंह, विनोद तिवारी, मु अशरफ, राजेश गौतम मौजूद रहे।

'राहुल गांधी भाजपा के सबसे बड़े प्रचारक' : रवि किशन

गोरखपुर। 'राहुल गांधी भाजपा के बहुत बड़े प्रचारक हैं। जितना हो पाए, राहुल गांधी उतना हम लोगों के खिलाफ बोलें। वह बोलना न छोड़ें, वह बोलते हैं, हम जीतते हैं। उनके बोलने में जादू है। रविकिशन ने कहा कि एक दिसंबर से सदन चलेगा। राहुल गांधी से अपील है कि वहां भी चिंघाड़ के बोलें।' यह कटाक्ष गोरखपुर के सांसद रविकिशन शुक्ला ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी पर किया है। रविकिशन पिछले तीन दिनों से

गोरखपुर में थे। दो दिन वह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ अलग-अलग कार्यक्रमों में रहे। बुधवार को रविकिशन ने एक बार फिर राहुल पर निशाना साधा। उन्होंने कहा 'वोट चोरी से लेकर जितने आरोप वह लगा रहे हैं, बिहार की जनता उसका जवाब दे चुकी है। अभी 5 से 6 राज्यों में उनकी सरकार है। जल्द ही वह भी चली जाएगी। हम चाहते हैं कि राहुल रुकें नहीं, लगातार बोलते रहें।' देश के 272 प्रतिष्ठित लोगों ने कांग्रेस को खुली चिट्ठी लिखकर कहा है कि कांग्रेस और राहुल गांधी संवैधानिक संस्थाओं पर बार-बार हमले कर रहे हैं। वास्तविक सबूत के बिना आरोप लगा रहे हैं। चुनाव आयोग को बदनाम करने और वोट चोरी के आरोप लगा रहे हैं। वे कृपया बोलना न छोड़ें। उनके गंदे, कड़े व रूखे शब्द भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को आशीर्वाद स्वरूप ही मिलते हैं। रविकिशन ने एक दिन पहले कहा था कि राहुल गांधी बिहार में मछली पकड़ने गए थे, लेकिन यह बिहार की मछली है। ऐसे हाथ नहीं आएगी। बिहार में निकाली गई वोटर अधिकार यात्रा के प्रभाव को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में रविकिशन ने कहा था कि राहुल को लगा कि चलो बिहार चलते हैं और कुछ मछलियां पकड़ लेते हैं ।

हिसार में गैंगस्टर दलजीत सिहाग के हाथों में बेड़ियां डालकर बाजार में घुमाया, 61 मुकदमें हैं दर्ज

हांसी : हिसार में पुलिस ने कुख्यात आदतन अपराधी दलजीत सिहाग के हाथों में बेड़ियां डालकर बाजारों में घुमाया। 61 मामलों के इस अपराधी की जिले की हांसी पुलिस द्वारा पैदल परेड करवाई गई है। पुलिस ने गांव सिसाय निवासी गैंगस्टर दलजीत को झज्जर से एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया है। इसके बाद उसके दोनों हाथों को बेड़ियों से बांधा और पैदल परेड करवाई गई। गैंगस्टर की परेड के दौरान भारी पुलिस दलबल भी उसके साथ मौजूद रहा। इस दौरान बाजारों में लोगों ने गैंगस्टर की परेड देखकर पुलिस की इस कार्रवाई को सरहाया। दरअसल, DGP ओपी सिंह के आदेश पर विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत हांसी पुलिस ने कुख्यात अपराधी सिसाय निवासी दलजीत सिहाग को झज्जर से एक दिन का प्रोडक्शन वारंट लेकर रिमांड पर लिया है। पुलिस ने रिमांड पर लेने के बाद गैंगस्टर दलजीत को हांसी के बाजारों में बेड़ियां डालकर कई किलोमीटर तक घुमाया। दिलजीत सिहाग पर 61 मुकदमें दर्ज

गैंगस्टर दिलजीत सिहाग फिरौती, लूटपाट, जानलेवा हमला और हत्या प्रयास सहित करीब 61 मुकदमों में वांछित रहा है। पुलिस का कहना है कि ऐसे कठोर कदम न केवल बदमाशों को संदेश देते हैं, बल्कि यह समाज को जागरूक करने की एक महत्वपूर्ण पहल भी है। दलजीत सिहाग जाट आरक्षण आंदोलन के दौरान हुई हिंसा में हांसी में मिंटू गुर्जर की हत्या की थी। यह हत्या 2016 में दलजीत और उसके साथियों ने मिलकर की थी। इस मामले में 30 जनवरी 2019 को उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। इसी मामले में दलजीत झज्जर जेल में बंद हैं।दलजीत हर प्रकार के अपराध में शामिल रहा है: हांसी SP हांसी SP अमित यशवर्द्धन ने बताया कि दलजीत सिहाग कुख्यात क्रिमिनल है। यह सोशल मीडिया के माध्यम से अपने आपको प्रदर्शित कर रहा था। अपनी गतिविधियां दिखाकर यह सांत्वना लेने का प्रयास कर रहा था। इसके सोशल मीडिया पर करीब सवा लाख फॉलोअर्स हैं। इस पर करीब 55 से 60 केस दर्ज हैं। इसके सोशल मीडिया अकाउंट को फॉलो कर काफी सारी युवक जो कुछ इस इलाके के हैं और कुछ बाहर के हैं वो इससे कहीं ना कहीं प्रभावित हो रहे थे। हमारे लिए यह चैलेंज रहता हैं। हम चाहते हैं कि युवक गलत राह पर ना भटकें। दलजीत हर प्रकार के अपराध में शामिल रहा है।

खबर एक्सप्रेस

पटवारी ने किसान से मांगी थी रिश्वत, अब जेल में काटने होंगे इतने साल

जींद : जमीन की निशानदेही के बदले रिश्वत लेने के मामले में अलेवा के कानूनगो सुरेश को जिला अदालत ने दोषी करार देते हुए 4 साल कैद और 20 हजार रुपये जुमार्ना की सजा सुनाई है। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश नेहा नोहरिया की अदालत ने यह फैसला सुनाया। जुमार्ना अदा न करने पर दोषी को 6 माह अतिरिक्त कारावास झेलना होगा। अभियोग पक्ष के अनुसार, गांव दालमवाला के किसान बिजेंद्र ने 14 नवंबर 2019 को स्टेट विजिलेंस ब्यूरो में शिकायत दी थी। उन्होंने बताया कि उनके खेतों का साझा खाता 2017 में अलग कराया गया था, लेकिन कब्जा एवं निशानदेही के लिए कानूनगो सुरेश ने 15 हजार रुपये रिश्वत की मांग की। शिकायतकर्ता के अनुसार, आरोपी पहले ही 5 हजार रुपये ले चुका था और बाकि राशि न देने पर कार्य में बाधा डाल रहा था। शिकायत की पुष्टि के बाद विजिलेंस ने ड्यूटी मजिस्ट्रेट धर्मबीर खर्ब की मौजूदगी में ट्रैप की योजना बनाई। निरीक्षक बलवान सिंह के नेतृत्व वाली टीम ने पाउडर लगे नोट शिकायतकर्ता को सौंपे। तय इशारा मिलते ही टीम ने सुरेश को रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया।

ट्रांसफार्मर से तेल निकालना युवक को पड़ा भारी, करंट लगने से दर्दनाक मौत

यमुनानगर : लालच कभी-कभी इंसान से ऐसी गलती करवा देता है, जिसकी कीमत उसे अपनी जान देकर चुकानी पड़ती है। ऐसा ही दर्दनाक मामला यमुनानगर के कैल गांव के पास सामने आया, जहां पंजाब के गुरदासपुर निवासी हरमनप्रीत की ट्रांसफार्मर से तेल निकालने की कोशिश के दौरान करंट लगने से मौत हो गई। घटना ने पूरे क्षेत्र में सनसनी फैला दी।

जानकारी के अनुसार हरमनप्रीत कई वर्षों से एक ट्रांसपोर्टर के साथ के साथ काम करता था। हरमनप्रीत खरखोदा से मारुति कारों की लोडिंग कर पोंटा साहिब पहुंचा था और वहां कारों की डिलीवरी देने के बाद रात को वापस लौट रहा था। देर रात जब वह यमुनानगर के कैल गांव के पास से गुजर रहा था।

पैसों के लालच में निकाल रहा था तेल इसी दौरान उसने हाईवे के किनारे लगे ट्रांसफार्मर पर चढ़कर उसमें भरे कीमती तेल को निकालने का प्रयास किया। पुलिस के मुताबिक कई क्षेत्रों में ट्रांसफार्मर ऑयल की अवैध बिक्री होती है, और शुरूआती जांच में प्रतीत होता है कि युवक इसी लालच में ट्रांसफार्मर के करीब गया था।करंट लगने से हुई मौत सदर जगाधरी थाना प्रभारी राजेंद्र सिंह ने बताया कि हरमनप्रीत को लगा कि ट्रांसफार्मर की लाइन कटी हुई है, लेकिन ऐसा नहीं था। जैसे ही उसने छेड़छाड़ की, उसे जोरदार करंट लगा और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। ट्रक मालिक ने बताई मृतक की पहचान जांच के दौरान पुलिस को उसके मोबाइल फोन से ट्रक मालिक का नंबर मिला, जिसने पुष्टि की कि हरमनप्रीत लंबे समय से उनके साथ काम कर रहा था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर सिविल अस्पताल जगाधरी में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं पुलिस ने मृतक के परिजनों को भी घटना की सूचना दे दी गई है।

पानीपत में साधु को जिंदा जलाकर निर्मम हत्या, मौत से पहले साधु बता गया आरोपियो के नाम...1 गिरफ्तार

पानीपत : पानीपत में रूह को कंपा देने वाली वारदात सामने आई है जहां मामूली झगड़े की रंजिश में एक शक्ति नगर कॉलोनी निवासी आशीष उर्फ चेतन नाम के आरोपी ने साधु कालू को जिंदा जला दिया। पुलिस ने वारदात के खुलासा करते हुए बताया कि साधु रेलवे कच्ची फाटक के पास झुग्गी डालकर रहता था और आरोपी चेतन के साथ बीते कुछ दिन पहले मामूली कहासुनी हुई थी जिसकी रंजिश में आशीष ने साधु की झुग्गी में आग लगा दी। आग लगने से साधु बुरी तरह झुलस गया जिसके बाद पुलिस और दमकल विभाग को सूचना दी गई।

फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने आग पर काबू पाया और पुलिस घायल साधु को सिविल अस्पताल में लेकर पहुंची जहां डॉक्टरों ने साधु को प्राथमिक उपचार देकर दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में रेफर कर दिया। साधु की 4 दिन बाद उपचार के दौरान मौत हो गई। वहीं आरोपी वारदात को अंजाम देकर फरार चल रहा था लेकिन पुलिस ने सफदरजंग अस्पताल पहुंचकर साधु के बयान ले लिए जिसमे साधु ने 2 आरोपियों के नाम बताए। इसके आधार पर पुलिस जांच की और आज एक आरोपी आशीष उर्फ चेतन को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की। जांच अधिकारी सुरेंदर ने बताया कि दूसरा आरोपी वारदात में शामिल महिमा पाया गया जिसके बाद आरोपी चेतन को गिरफ्तार किया गया है जिसको आज अदालत में पेश कर जेल भेजा जाएगा।

स्कूटी सवार महिला ने 3 लड़कियों को टक्कर मारी, एक की दर्दनाक मौत, गुरुद्वारे जा रही थीं मत्था टेकने

अंबाला : अंबाला कैंट के राय बाजार क्षेत्र में 2 दिन पहले एक्टिवा सवार महिला ने 3 लड़कियों को टक्कर मार दी। इस टक्कर में हादसे में तीनों घायल हुईं, जिनमें 16 वर्षीय मुस्कान की हालत गंभीर थी। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां आज उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। मुस्कान की मौत की सूचना मिलते ही परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा। परिजनों ने अस्पताल प्रशासन पर लापरवाही और पुलिस द्वारा तुरंत कार्रवाई न करने का आरोप लगाते हुए अस्पताल परिसर में हंगामा कर दिया। गुरुद्वारे में मत्था टेकने जा रही थी किशोरी

परिजनों ने बताया कि मुस्कान गुरुद्वारा मत्था टेकने जा रही थी, तभी स्कूटी सवार महिला ने 3 बच्चियों को रौंद दिया। परिजनों ने अस्पताल प्रशासन पर आरोप लगाते हुए कहा कि समय पर इलाज मिला होता तो बच्ची की जान बचाई जा सकती थी। परिवार ने पुलिस से कठोर कार्रवाई की मांग की।स्कूटी सवार महिला की तलाश बढ़ते तनाव को देखते हुए पुलिस टीम मौके पर पहुंची और हालात को नियंत्रित किया। अधिकारियों ने परिजनों को भरोसा दिलाया कि पोस्टमार्टम के बाद कानूनन कार्रवाई की जाएगी। पुलिस आश्वासन के बाद परिजनों ने हंगामा समाप्त किया। फिलहाल पुलिस स्कूटी सवार महिला की तलाश कर रही है।

नाबालिग से दुष्कर्म और गर्भवती करने के मामले में दोषी को 20 वर्ष की कठोर कारावास, कोर्ट ने सुनाई सजा

नूंह : नूंह जिले की फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट ने नाबालिग लड़की के साथ बलात्कार कर उसे गर्भवती करने के मामले में एक महत्वपूर्ण और कड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने आरोपी को 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई और 58 हजार रुपये जुमार्ना भी लगाया है। जुमार्ना नहीं भरने की स्थिति में अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। मामले को लेकर एएसपी आयुष यादव ने बताया कि मामला 1 जून 2020 का है। सदर थाना फिरोजपुर झिरका क्षेत्र के एक गांव में रहने वाली नाबालिग लड़की के साथ एक आरोपी ने जबरन दुष्कर्म किया था और किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी थी। इस पर पीड़िता ने किसी को कुछ नहीं बताया।

बाद में जब उसकी तबीयत बिगड़ी और जांच हुई तो पता चला कि वह गर्भवती है। इसके बाद पीड़िता ने पूरी आपबीती परिजनों और पुलिस को बताई और आरोपी की पहचान हुई। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सभी जरूरी मेडिकल, तकनीकी और वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए और डीएनए जांच में भी बच्चे का पिता आरोपी ही पाया गया। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। करीब साढ़े पांच साल चली सुनवाई के बाद फास्ट ट्रैक विशेष पोक्सो अदालत-सह-चिल्ड्रन कोर्ट के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश डॉ. आशु संजीव टिंजन ने 15 नवंबर को आरोपी को दोषी करार दिया और बुधवार यानी 19 नवंबर को सजा का ऐलान किया। कोर्ट ने दोषी को 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई और 58 हजार रुपये जुमार्ना भी लगाया है। कोर्ट ने 4 गंभीर धाराओं में सजा सुनाई है।

सभी धाराओं को सजाएं एक साथ चलेंगी। विशेष अभियोजक ने कहा कि यह सजा समाज को कड़ा संदेश देती है कि नाबालिगों के साथ अपराध करने वालों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।

हरियाणा के सरकारी कर्मचारियों को अब काम के दौरान मिलेगी ये खास सुविधा, सरकार ने लिया फैसला

चंडीगढ़: हरियाणा के सभी सरकारी कार्यालयों में प्रतिदिन कर्मचारियों को 5 मिनट का योग ब्रेक दिया जाएगा। इस संबंध में आयुष विभाग द्वारा सभी विभागों को पत्र जारी कर दिया गया है। आयुष विभाग के पत्र अनुसार योग ब्रेक के दौरान कर्मचारियों को कुछ ऐसी क्रियाएं और योगासन करने होंगे, जिससे वह तनाव से मुक्त होकर और बेहतर तरीके से काम कर सकें। योग ब्रेक 5 मिनट का होगा।इस दौरान शरीर को राहत के लिए आंखों, कंधों, कमर और अन्य अंगों के लिए क्रियाएं कराई जाएंगी।, जिससे कार्यस्थल पर अनुकूल माहौल बनेगा और कर्मचारी तनावमुक्त रहेंगे। हरियाणा आयुष विभाग की डिप्टी डायरेक्टर डॉ. सुषमा नैन ने बताया कि सभी जिलों में जिला आयुष अधिकारी के माध्यम से योग सहायक सभी सरकारी विभागों में जाएंगे। जो कर्मचारियों को योग की ट्रेनिंग देंगे। विभागाध्यक्षों से इसके लिए समय पूछा जाएगा, जिससे उनका काम भी प्रभावित न हो। जिला सचिवालय में स्थित कार्यालयों में सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए प्रतिदिन 5 मिनट का योग ब्रेक देने का निर्देश दिया गया है। इस लघु योगाभ्यास की अनुशंसा आयुष मंत्रालय ने की है। योग ब्रेक से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने, एकाग्रता बढ़ाने और काम के दौरान तनाव और थकान को कम करने में मदद मिलेगी। सरकार की ओर से डिजिटल प्लेटफार्म्स जैसे नमस्ते योग ऐप, वाई-ब्रेक ऐप, योगा कैलेंडर और योग शब्दावली को बढ़ावा दिया जाएगा,

80 वर्षीय दादा का बड़ा कारनामा, 15000 फीट की ऊंचाई से लगाई छलांग 5.8 मिलियन आ चुके व्यूज

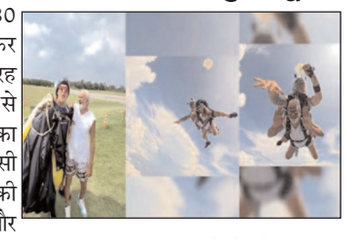
हरियाणाः हरियाणा के एक 80 वर्षीय बुजुर्ग ने ऐसा काम कर दिखाया कि देखने वाले हैरान रह गए 15,000 फीट की ऊंचाई से हवा में छलांग लगाते हुए उनका बेफिक्री वाला अंदाज हर किसी को चौंका गया। चेहरे पर हल्की मुस्कान, बिल्कुल शांत शरीर और पूरे आत्मविश्वास के साथ किया गया यह स्काइडाइव लोगों के लिए प्रेरणा बन गया।उनकी इस शानदार छलांग का वीडियो जैसे ही सामने आया, सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गया। इसे उनके पोते अंकित ने रिकॉर्ड किया और इंटरनेट पर डाल दिया। कुछ ही घंटों में यह वीडियो हजारों नहीं बल्कि लाखों लोगों तक पहुंच गया। वीडियो पर अब तक 5.8 मिलियन से ज्यादा व्यूज आ चुके हैं। कमेंट सेक्शन में 6,000 से अधिक लोगों ने अपनी प्रतिक्रियाएं लिखी हैं और लाखों यूजर्स ने इसे लाइक किया है। अंकित का कहना है कि उनके दादा शायद इस तरह की छलांग लगाने वाले सबसे उम्रदराज व्यक्तियों में शामिल हो सकते हैं। परिवार के लिए यह क्षण बेहद खास बन गया है क्योंकि उन्होंने किसी उम्र की सीमा को नहीं माना। वे बस अपने मन का सुनते हैं और वही करते हैं जो उन्हें खुश रखता है। उनके परिवार और दोस्तों ने भी इस उपलब्धि पर गर्व जताया है।

थार की छत पर चढ़कर मचा रहे थे हु ड़दंग, तभी हु आ कु छ ऐसा कि जाते जाते बची जान....टला बड़ा हादसा

मेवातः हरियाणा में डीजीपी के निर्देश के बावजूद मेवात में थार गाड़ी की छत पर चढ़कर हुड़दंग मचाने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा। मेवात क्षेत्र से ही ताजा मामला सामने आया है।जिसमें चलती थार की छत पर सवार तीन युवक अचानक ब्रेक लगने से सड़क पर जा गिरे. यह खतरनाक स्टंट का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में साफ दिख रहा है कि थार की छत पर तीन युवक खड़े होकर हुड़दंग कर रहे थे। अचानक ड्राइवर ने ब्रेक लगाया तो तीनों युवक सड़क पर जा गिरे।गनीमत रही कि ठीक उसी समय सामने से आ रहे कैंटर चालक ने सतर्कता दिखाते हुए पहले ही गाड़ी रोक दी, वरना बड़ा हादसा हो सकता था. इतना ही नहीं गिरे हुए युवक थार के टायरों के नीचे भी आ सकते थे, जिससे जानलेवा नुकसान होता। वीडियो मेवात क्षेत्र का ही बताया जा रहा है, लेकिन अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि यह घटना जिले के किस इलाके की है. सोशल मीडिया पर अलग-अलग दावे किए जा रहे हैं. जागरूक लोग इस तरह के खतरनाक स्टंट करने वालों पर सख्त कार्रवाई और पुलिस से तुरंत एक्शन की मांग कर रहे हैं।

हरियाणा की छोरी ने गाड़ा लट्ठ, 48 किलोग्राम में जीता गोल्ड

हरियाणा भारत की मुक्केबाज मीनाक्षी हुड्डा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विश्व मुक्केबाजी कप के फाइनल में 48 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीत लिया। फाइनल मुकाबले में उन्होंने उज्बेकिस्तान की फोजिलोवा फरजोना को एकतरफा मुकाबले में 5-0 से मात दी। मीनाक्षी ने शुरूआत से ही मुकाबले पर दबदबा बनाए रखा, जिसका फायदा उन्हें सर्वसम्मत निर्णय के रूप में मिला। जीत के बाद मीनाक्षी ने कही दिल छूने वाली बात मीनाक्षी ने कहा, मैं इस टूनार्मेंट को लेकर बहुत उत्साहित थी क्योंकि यह भारत में हो रहा था। हमने सोचा था कि पूरी कोशिश करेंगे और देश का नाम रोशन करेंगे। मैंने सभी बाउट 5-0 से जीती। वर्ल्ड चैंपियन बनना आसान है, लेकिन उसे मेंटेन करना मुश्किल है। मुझे खुशी है कि मैं देश के लिए फिर से गोल्ड जीत सकी। फोजिलोवा के खिलाफ भी मीनाक्षी ने दमदार खेल दिखाया और पूरे टूनार्मेंट में हर मुकाबला सर्वसम्मत निर्णय से जीता।

मीनाक्षी की बॉक्सिंग जनीर्मीनाक्षी का जन्म 2 अगस्त 2001 को हरियाणा के रुड़की गांव में हुआ था। इसके बाद 12 साल की उम्र से ही उन्होंने स्थानीय बॉक्सिंग एकेडमी में ट्रेनिंग लेना शुरू किया। 2022 में उन्होंने एशियन चैंपियनशिप में रजत पदक जीता था। इसके बाद लगातार उनका अच्छा प्रदर्शन जारी रहा और उन्होंने 2019 में यूथ नेशनल्स में गोल्ड मेडल और 2021 में सीनियर नेशनल्स में रजत पदक जीता था। इसके बाद शानदार प्रदर्शन के बाद ITBP में नौकरी मिली, जिससे परिवार की आर्थिक स्थिति सुधरी

प्रीति पवार ने भी जीता स्वर्ण

भारत की एक और मुक्केबाज प्रीति पवार ने भी कमाल करते हुए 54 किलोग्राम वर्ग में इटली की सिरीन चाराबी को 5-0 से हराया और स्वर्ण पदक अपने नाम किया। प्रीति ने कहा,मैंने फिर से लय हासिल कर ली है। मैं और मजबूत हुई हूं और भविष्य में अपना सर्वश्रेष्ठ दूंगी। मेरा अगला बड़ा लक्ष्य 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक है। भारत की दोहरी जीत मीनाक्षी और प्रीति दोनों की जीत ने विश्व मुक्केबाजी कप में भारत का दमखम दिखा दिया है। शानदार प्रदर्शन ने भारतीय खेल जगत में एक नई ऊर्जा भर दी है।

एंटी व्हीकल थेफ्ट टीम ने मोस्ट वांटेड बदमाश किए काबू, एक दर्जन वाहन किए बरामद

फरीदाबाद : फरीदाबाद पुलिस की एंटी व्हीकल थेफ्ट शाखा ने वाहन चोरी में लिप्त तीन मोस्ट वांटेड बदमाशों को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है। ये आरोपी लंबे समय से फरीदाबाद के अलगझअलग इलाकों से वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम दे रहे थे। पुलिस ने इनके कब्जे से 10 मोटरसाइकिल, एक कार और एक ऑटो रिक्शा बरामद किया है। क्राइम ब्रांच के एसीपी वरुण दहिया ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि यह गिरोह काफी समय से फरीदाबाद और आसपास के इलाकों में सक्रिय था। पुलिस टीम को लगातार शिकायतें मिल रही थीं, जिसके बाद विशेष अभियान चलाकर इन्हें गिरफ्तार किया गया। एसीपी दहिया के अनुसार, गिरोह के तीन अन्य सदस्यों को भी हिरासत में लिया गया है। सभी से पूछताछ जारी है ताकि बाकी चोरी की वारदातों का खुलासा किया जा सके और चोरी हुए अन्य वाहनों की बरामदगी की जा सके।

सिंचाई विभाग का ड्राइवर रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार, ACB ने प्लान बनाकर दबोचा

पंचकूला : एंटी करप्शन ब्यूरो (ACB) पंचकूला ने बुधवार शाम एक बड़ी कार्रवाई करते हुए सिंचाई विभाग के ड्राइवर को 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई सेक्टर-5 की पार्किंग में ACB इंस्पेक्टर के नेतृत्व में की गई। आरोपी की पहचान विजय के रूप में हुई है, जो विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी का ड्राइवर बताया जा रहा है। मामले की शुरूआत कैथल निवासी राहुल की शिकायत से हुई। शिकायतकर्ता के अनुसार उसकी बुआ की जमीन जींद जिले के गांव घघड़िया में स्थित है, जहां आउटलेट शिफ्टिंग का कार्य जून से लंबित था। इस प्रक्रिया के लिए विभागीय अनुमति लेनी जरूरी थी। आरोप है कि इसी अनुमति के बदले ड्राइवर विजय ने 50 हजार रुपये की रिश्वत मांगी। शिकायत मिलने पर एसीबी टीम ने मामले का सत्यापन किया और ट्रैप की योजना बनाई। बुधवार शाम शिकायतकर्ता को पैसे देने के लिए बुलाया गया, जहाँ पहले से तैनात टीम ने आरोपी को रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। कार्रवाई के दौरान डिस्ट्रिक्ट प्लानिंग ऑफिसर सुनील जाखड़ भी ड्यूटी मजिस्ट्रेट के रूप में मौजूद थे।

हरियाणा में बनेगा एंटी-टेररिस्ट सेल, फरीदाबाद आतंकी मॉड्यूल के बाद लिया फैसला....150 अधिकारी होंगे शामिल

हरियाणा : हरियाणा सरकार राज्य की सुरक्षा व्यवस्था को नए ढांचे और उच्च स्तर पर ले जाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाने जा रही है। फरीदाबाद की अल फला यूनिवर्सिटी में संदिग्ध गतिविधि और सामग्री मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे प्रदेश में सतर्कता बढ़ाई है। इसी क्रम में डीजीपी ओपी सिंह ने एंटी टेररिस्ट स्क्वाड अर्थात एटीएस के गठन का विस्तृत प्रस्ताव सरकार को भेज दिया है। इसे हरियाणा की आतंकवाद-रोधी क्षमता को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। सूत्रों के अनुसार प्रस्ताव में एटीएस की आवश्यकता, यूनिट की संरचना, मानव संसाधन और संचालन प्रणाली का पूरा खाका शामिल है। सरकार अब यह तय करेगी कि एटीएस का ढांचा उत्तर प्रदेश की तर्ज पर ऑपरेशन आधारित हो या फिर एनसीआर की विशेष परिस्थितियों को देखते हुए हरियाणा का अलग मॉडल तैयार किया जाए। अधिकारियों का मानना है कि दिल्ली की सीमा, औद्योगिक क्षेत्रों और संवेदनशील गतिविधियों को ध्यान में रखते हुए हरियाणा-विशेष मॉडल अधिक प्रभावी साबित हो सकता है। इस विषय पर मुख्यमंत्री स्तर पर निर्णय जल्द होने की संभावना है। अल फला यूनिवर्सिटी मामले के बाद हरियाणा पुलिस ने एनसीआर में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की है। प्रदेश के 150 थानों को विशेष निगरानी चक्र में शामिल किया गया है। प्रत्येक थाने से एक जवान को प्रतिदिन फील्ड रेकी, संवेदनशील स्थानों का निरीक्षण और इंटेलिजेंस जुटाने की जिम्मेदारी दी गई है। यह रिपोर्ट सीधे वरिष्ठ अधिकारियों को भेजी जा रही है।

प्रस्ताव के अनुसार एटीएस को केवल घटना के बाद कार्रवाई करने वाली यूनिट के रूप में नहीं, बल्कि पूर्व-निवारण आधारित एजेंसी के रूप में विकसित किया जाएगा। यूनिट का मुख्य फोकस प्रीवेंटिव इंटेलिजेंस, संदिग्ध गतिविधियों की शुरूआती पहचान और समय रहते कार्रवाई पर रहेगा।

मौजूदा सुरक्षा ढांचा अधिकतर पोस्ट इंसीडेंट रिस्पॉन्स पर आधारित है, जिसे वर्तमान परिस्थितियों के अनुरूप उन्नत करने की जरूरत मानी गई है।

एटीएस क्यों जरूरी

पिछले महीनों में एनसीआर क्षेत्र में संवेदनशीलता बढ़ी है। सीमावर्ती दबाव, साइबर संदिग्ध गतिविधियां और हालिया घटनाओं ने स्पष्ट किया है कि सुरक्षा ढांचे को प्रीवेंटिव मोड में बदलना आवश्यक है। अल फला यूनिवर्सिटी मामले ने यह जरूरत और अधिक स्पष्ट कर दी है।डीजीप ओपी सिंह ने बताया कि एटीएस गठन का प्रस्ताव भेज दिया गया है और अंतिम निर्णय सरकार पर निर्भर करेगा। उनका कहना है कि एटीएस बनने से हरियाणा नई रणनीति और अधिक गति के साथ आतंकवाद-रोधी प्रयासों को लागू कर सकेगा ।

संक्षिप्त समाचार

रॉयल मिंट ने जारी किया फ्रीडी मर्करी का विशेष सिक्का

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की रॉयल मिंट ने क्वीन बैंड के मशहूर फ्रंटमैन फ्रीडी मर्करी को समर्पित विशेष सिक्का जारी किया। यह स्मारक सिक्का उनके ऐतिहासिक लाइव एड (1985) प्रदर्शन के 40 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में पेश किया गया है। सिक्के पर मर्करी की उनकी पहचान बनने वाली मुद्रा पीछे की ओर झुका सिर और हाथ में माइक्रोफोन स्टैंड की छवि बनी है। यह सिक्का म्यूजिक लेजेंड्स कलेक्शन का हिस्सा है, जो संगीत प्रशंसकों और संग्रहकर्ताओं के बीच लोकप्रिय है।

पाकिस्तान में सुरक्षाबलों से मुठभेड़ में टीटीपी के 15 आतंकी ढेर

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के सुरक्षाबलों ने खैबर पख्तूनख्वा में दो अलग-अलग खुफिया आधारित अभियानों में तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से जुड़े 15 आतंकियों को मार गिराया। सेना के मुताबिक, 15 व 16 नवंबर को डेरा इस्माइल खान और उत्तरी वजीरिस्तान में अभियान चलाए गए अभियान में 10 आतंकियों को ढेर किया गया, इसमें कुंजी सरगना आलम महसूद भी शामिल था। उत्तरी वजीरिस्तान के दत्ता खेल क्षेत्र में पांच अन्य आतंकियों को मार गिराया गया। सभी विदेशी मदद से चल रहे नेटवर्क से जुड़े थे और कई हमलों में शामिल थे।

परमाणु पनडुब्बी मंजूरी पर भड़का उत्तर कोरिया, कहा-बेहद गंभीर

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की ओर से दक्षिण कोरिया को परमाणु संचालित पनडुब्बियां बनाने की हरी झंडी देने पर उत्तर कोरिया भड़क गया। उत्तर कोरिया ने अमेरिका के दक्षिण कोरिया को परमाणु-संचालित पनडुब्बियां विकसित करने की मंजूरी को बेहद गंभीर बताया। उसने कहा कि इससे क्षेत्र में परमाणु युद्ध की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। उत्तर कोरिया ने आरोप लगाया कि परमाणु पनडुब्बी परियोजना सियोल को परमाणु हथियार उपलब्ध कराने की रणनीतिक चाल है।

ताइवानी सीमा में फिर घुसे 13 विमान और सात युद्धपोत

ताइपे, एजेंसी। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि मंगलवार सुबह उसकी सीमा में 13 चीनी विमान और सात युद्धपोत देखे गए हैं। मंत्रालय के अनुसार, इनमें से सात विमान मध्य रेखा पार कर ताइवान के दक्षिण-पश्चिमी वायु क्षेत्र में घुसे। इससे ठीक एक दिन पहले इसी तरह की 18 सैन्य गतिविधियां दर्ज की गई थीं। ताइवान ने कहा कि वह हालात की निगरानी कर रहा है और जरूरत पड़ने पर जवाबी कार्रवाई करेगा।

सऊदी अरब को एफ-35 लड़ाकू विमान बेचेगा अमेरिका : ट्रंप

रियाद, एजेंसी। सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान की बहुप्रतीक्षित वाशिंगटन यात्रा की पूर्व संध्या पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को इस खाड़ी देश को एफ-35 लड़ाकू विमान बेचने का एलान किया है। वाशिंगटन पोस्ट के पत्रकार जमाल खशोगी की 2018 में हुई हत्या के बाद सऊदी अरब के नेता की यह पहली व्हाइट हाउस यात्रा होगी। सऊदी अरब खशोगी की हत्या में संलिप्तता से इन्कार करता रहा है। उनसे जब पूछा गया कि क्या वह सऊदी अरब को यह विमान बेचेंगे तो उन्होंने कहा, मैं कहूंगा कि हम ऐसा करेंगे।

नेपाल में शांति भंग के आरोप, दुर्गा प्रसाई गिरफ्तार

ढाका, एजेंसी। नेपाल में पुलिस ने राष्ट्र, राष्ट्रीयता, धर्म, संस्कृति और नागरिक बचाओ अभियान के संयोजक व मेडिकल व्यवसायी दुर्गा प्रसाई को गिरफ्तार कर लिया। जिला प्रशासन कार्यालय के मुताबिक, प्रसाई ने हिंसा को भड़काने वाली बयानबाजी की थी। पुलिस प्रवक्ता पवन कुमार भट्टराई ने बताया कि अदालत ने मंगलवार को प्रसाई की हिरासत अवधि चार दिन के लिए बढ़ाने की अनुमति दी है। प्रसाई ने सार्वजनिक शांति और सुरक्षा के लिए खतरा उत्पन्न करने वाली अभिव्यक्ति दी थी। उन्होंने 23 नवंबर को देशव्यापी आंदोलन की घोषणा की थी और इसके लिए तैयारी भी कर रहे थे। इससे पहले उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

फलस्तीनी शिविरों पर इस्राइली सेना ने ड्रोन से हमले किए, 11 लोगों की मौत

गाजा, एजेंसी। दक्षिणी लेबनान में एक फलस्तीनी शरणार्थी शिविर पर इस्राइली सेना ने हवाई हमला किया। इसमें 11 लोग मारे गए और चार घायल हो गए। लेबनान के सरकारी मीडिया और स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि मंगलवार को ड्रोन हमला तटीय शहर सिडोन के बाहरी इलाके में किया गया। इस्राइली सेना ने ड्रोन से आइन अल-हिल्वे शरणार्थी शिविर में एक मस्जिद की पार्किंग में खड़ी एक कार को निशाना बनाया।

बांग्लादेश को दूसरा आतंकी मुल्क बनने से रोके भारत, हसीना के 'सांसदों' ने खुलकर मांगी मदद

ढाका, एजेंसी। ढाका में अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरणद्वारा पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को मानवता के खिलाफ अपराध के आरोपों में मौत की सजा सुनाए जाने के एक दिन बाद, अवामी लीग के वे शीर्ष नेता खुलकर सामने आ गए हैं। ये लोग वर्तमान में अज्ञात स्थानों पर निर्वासन में जी रहे हैं। उन्होंने कहा है कि वे तभी बांग्लादेश लौटेंगे जब- राजनीतिक समावेशन सुनिश्चित होगा और उनके खिलाफ दर्ज मामलों में न्यायिक राहत मिलेगी। साथ ही, उन्होंने उम्मीद जताई कि भारत हसीना को शरण, सम्मान और सुरक्षा देना जारी रखेगा।

सैकड़ों नेता निर्वासन में, हजारों कार्यकर्ता जेल में : 'द इंडियन एक्सप्रेस' से बात करने वाले कई अवामी लीग नेताओं और पूर्व सांसदों ने बताया कि पार्टी के लगभग सौ से अधिक नेता विदेशों में रह रहे हैं और इतने ही नेता एवं हजारों कार्यकर्ता बांग्लादेश में जेलों में बंद हैं। चार बार के सांसद नाहिम रज्जाक ने कहा कि सरकार द्वारा अवामी लीग को पूरी तरह समाप्त करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि यूनुस सरकार पार्टी पर प्रतिबंध, नेताओं पर आपराधिक मुकदमे, परिवारों को निशाना बना रही है और बैंक खातों पर रोक लगा रही है। उन्होंने कहा कि शेख हसीना के खिलाफ आया यह फैसला उन्हें और अधिक प्रेरित कर रहा है। रज्जाक ने कहा- वापस जाना चुनौतीपूर्ण है, लेकिन अगर पार्टी पर लगा प्रतिबंध हटे और हमें जमानत मिले, तो हमारा पूरा नेतृत्व और कैडर संघर्ष के लिए तैयार है।

'यूनुस सरकार जल्द गिरेगी : सभी नेताओं का मानना है कि प्रोफेसर मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार अधिक दिन टिक नहीं पाएगी। पूर्व वस्त्र एवं जूट मंत्री जाहिद नानक ने कहा कि यूनुस के नेतृत्व में होने वाला कोई भी चुनाव विश्वसनीय नहीं होगा। उन्होंने साफ कहा कि यूनुस को इस्तीफा देना ही होगा। अवामी लीग के वरिष्ठ नेताओं ने स्पष्ट कर दिया है कि हम उनके नेतृत्व में होने वाले किसी भी चुनाव में हिस्सा नहीं लेंगे।

भारत से बड़ी अपेक्षाएं : 71 वर्षीय नानक ने भारत से यह उम्मीद जताई कि वह बांग्लादेश को दूसरा आतंकी या इस्लामिक स्टेट जैसा राष्ट्र बनने से रोकेगा। उन्होंने कहा कि भारत को हमारे साथ खड़ा होना होगा। आईटीसी का गठन करने और प्रधानमंत्री को गैर-कानूनी तरीके से मौत की सजा सुनाने वाली इस अंतरिम सरकार के खिलाफ हमारी लड़ाई में भारत को सहायता करनी चाहिए।

'हसीना के बिना चुनाव नहीं' : तीन बार सांसद रहे पंकज नाथ ने कहा कि हसीना को दी गई मौत की सजा से सभी स्तब्ध हैं। उन्होंने दावा किया कि हसीना की अनुपस्थिति में कोई भी चुनाव स्वीकार्य नहीं होगा। जनता भी ऐसे चुनाव में भाग नहीं लेगी। नाथ ने जेल में बंद नेताओं और कार्यकर्ताओं को सामान्य माफी देने की मांग की और कहा कि जल्द ही बांग्लादेश में एक बड़ा जनउभार हो सकता है। उन्होंने कहा कि हमें विश्वास है कि भारत अपने पड़ोस में ऐसे अत्याचार को नहीं होने देगा।

हसीना का संदेश: 'यूनुस सरकार को उखाड़ फेंको' : अवामी लीग कार्यकारी समिति के संयुक्त सचिव और पूर्व सांसद बहाउद्दीन नसीम ने बताया कि शेख हसीना निर्वासन में होने के बावजूद इंटरनेट कॉल्स और मैसेजिंग ऐप्स के जरिए नेताओं से लगातार संपर्क में हैं। मौत की सजा सुनाए जाने के कुछ घंटे बाद भी उन्होंने नेतृत्व को संदेश भेजा।

नसीम के अनुसार, उनका संदेश बिल्कुल स्पष्ट था - यह फैसला असंवैधानिक है, और इस सरकार को उखाड़ फेंकना चाहिए। नसीम ने कहा कि यदि शेख हसीना चुनाव लड़ने का आह्वान करें, और यदि प्रतिबंध हटे तथा प्रमुख नेताओं को रिहा किया जाए, तो अवामी लीग उनके नेतृत्व में चुनाव लड़ेगी। लेकिन इसके लिए निष्पक्ष और समान अवसर वाला माहौल होना आवश्यक है। शेख हसीना के खिलाफ मौत की सज़ा ने न केवल राजनीतिक टकराव को गहरा कर दिया है, बल्कि दक्षिण एशिया की रणनीतिक स्थिरता के लिए भी नए सवाल खड़े कर दिए हैं।

सिडनी में भारतीय मूल की प्रेगनेंट महिला की दर्दनाक मौत

सिडनी, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया में भारतीय मूल की एक महिला की दर्दनाक मौत हो गई। महिला 8 महीने की प्रेगनेंट थी और कुछ ही दिनों में उसकी डिलीवरी होने वाली थी। हालांकि हादसे में उसे और बच्चे को बचाया नहीं जा सका। 9 न्यूज की एक रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारियों ने बताया कि सिडनी के हॉर्न्सबी में एक तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू की चपेट में आने से 33 वर्षीय भारतीय मूल की आठ महीने की गर्भवती महिला और उसके अजन्मे बच्चे की मौत हो गई।

रिपोर्ट्स के मुताबिक घटना के पीड़िता, समन्वय धारेश्वर अपने पति और अपने 3 साल के बेटे के साथ पैदल जा रही थी। न्यू साउथ वेल्स पुलिस ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि जब वे सड़क पर कर रहे थे, तब एक किआ कार्निवल ने परिवार को फुटपाथ पार करने देने के लिए अपनी गति धीमी कर ली थी। हालांकि तभी 19 वर्षीय युवक आरोन पापाजोग्लू द्वारा चलाई जा रही एक बीएमडब्ल्यू सेडान कथित तौर पर किआ से टकरा गई, जिससे वह आगे की ओर उछल गई और धारेश्वर से जोर से टकरा गई।

पुलिस ने बताया कि इमरजेंसी सर्विसेज तुरंत मौके पर पहुंची और पैरामेडिक्स ने घटनास्थल पर ही उसका इलाज किया, उसके बाद उसे वेस्टमीड अस्पताल ले जाया गया। हालांकि तमाम कोशिशों के बावजूद, धारेश्वर और उसके अजन्मे बच्चे, दोनों को बचाया नहीं जा सका। वहीं घटना में घायल हुए आरोपी को प्राथमिक इलाज के बाद गिरफ्तार कर लिया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक 19 वर्षीय युवक को हॉर्न्सबी पुलिस स्टेशन ले जाया गया और उस पर खतरनाक तरीके से गाड़ी चलाने, लापरवाही बरतने और एक गर्भवती महिला की मृत्यु के आरोप लगाए गए हैं।

एपस्टीन ईमेल के बाद यूएस के पूर्व ट्रेजरी सचिव का इस्तीफा

न्यूयार्क, एजेंसी। पूर्व अमेरिकी वित्त मंत्री (ट्रेजरी सचिव) लैरी समर्स ने पद छोड़ने का एलान किया है। समर्स हार्वर्ड विश्वविद्यालय के पूर्व अध्यक्ष भी रह चुके हैं। उन्होंने ये फैसला जेफरी एपस्टीन से जुड़े मामले में नाम सामने आने के बाद लिया है। समर्स ने कहा, 'अपने सबसे करीबी लोगों के साथ विश्वास फिर से बहाल करने और रिश्ते सुधारने' के लिए उन्होंने सार्वजनिक प्रतिबद्धताओं से पीछे हटने का फैसला लिया है। दरअसल, एपस्टीन से जुड़ा ईमेल जारी होने के बाद पता चला है कि समर्स को साल 2008 में एक नाबालिग लड़की से वेश्यावृत्ति के लिए उकसाने का दोषी ठहराया गया। इसके बाद भी समर्स और एपस्टीन के मैत्रीपूर्ण संबंध लंबे समय तक बने रहे। समर्स ने कहा, 'मुझे अपने किए पर बहुत शर्म आती है। मैं उस दर्द को समझता हूं जो उन्होंने मुझे पहुंचाया है। मैं एपस्टीन के साथ संवाद जारी रखने के अपने गलत फैसले की पूरी ज़िम्मेदारी लेता हूं।' हालांकि, समर्स ने यह स्पष्ट नहीं किया वह पढ़ाना जारी रखेंगे या वहां से भी पीछे हट जाएंगे। बता दें कि एपस्टीन पर नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण और तस्करी के आरोपों से जुड़े मुकदमे चलाने की तैयारियां हो रही थीं, लेकिन 2019 में उन्होंने मैनहट्टन जेल में कथित तौर पर आत्महत्या कर ली थी। ये भी दिलचस्प है कि समर्स की इस घोषणा से कुछ ही दिन पहले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल प्लेटफॉर्म पर लिखा था कि वह न्याय विभाग और एफबीआई से समर्स के एपस्टीन, पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन और रीड हॉफमैन (लिंक्डइन के संस्थापक और डेमोक्रेट समर्थक) के साथ संबंधों की जांच करने के लिए कहेंगे।

ट्रंप के बेटे ने लगाया बड़ा आरोप- भारतीयों से नफरत करते हैं जोहरान ममदानी

न्यूयॉर्क, एजेंसी। न्यूयॉर्क सिटी के नव-निर्वाचित मेयर जोहरान ममदानी को लेकर अमेरिका में राजनीतिक बहस तेज होती जा रही है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बेटे और ट्रंप ऑर्गनाइजेशन के एग्जीक्यूटिव वाइस-प्रेसिडेंट एरिक ट्रंप ने एक बार फिर ममदानी की कड़े शब्दों में आलोचना की है। फॉक्स न्यूज के होस्ट शॉन हनिटी से बातचीत में एरिक ट्रंप ने ममदानी पर अतिवामपंथी एजेंडा चलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि ममदानी की विचारधारा न्यूयॉर्क जैसे बड़े अमेरिकी शहरों को बर्बाद कर रही है। उन्होंने कहा कि ममदानी भारतीयों से नफरत करते हैं। एरिक ने दावा किया कि- ममदानी सोशलिस्ट... कम्युनिस्ट... हैं जो किराना स्टोर्स का राष्ट्रीयकरण करना चाहते हैं, नेतन्याहू को गिरफ्तार करना चाहते हैं, यहूदी समुदाय से नफरत करते हैं

और भारतीय आबादी से भी नफरत करते हैं। उन्होंने कहा कि ममदानी की नीतियां निगमों और रोजगार के अवसरों को नुकसान पहुंचा रही हैं। एरिक ट्रंप के अनुसार- न्यूयॉर्क कभी दुनिया का सबसे बेहतरीन शहर था, लेकिन आज यह अपनी चमक खो रहा है- और इसकी वजह है बुरी राजनीति। उन्होंने कहा कि ममदानी को सड़कों की सुरक्षा, शहर की सफाई और उचित टैक्स जैसे मूल मुद्दों पर ध्यान देना चाहिए, न कि सरकारी दखल बढ़ाने पर। एलेक्जेंड्रिया ओकासियो-कोर्टेज से भी जोड़ा मामला एरिक ट्रंप ने ममदानी की तुलना कांग्रेसवुमन एओसी से करते हुए कहा कि उनके विरोध के कारण ही अमेजॉन का प्रस्तावित मुख्यालय न्यूयॉर्क नहीं आया, जिससे हजारों उच्च वेतन वाली नौकरियां शहर के हाथ से निकल गईं। इस चर्चा से पहले एरिक ट्रंप ने टर्निंग पॉइंट यूएसए के कार्यक्रम में भी ममदानी को पागलपन भरी वामपंथी नीतियों वाला व्यक्ति बताते हुए कहा था कि एक कम्युनिस्ट के हाथों शहर का शासन विनाशकारी होगा। अपने चुनावी विजय भाषण में ममदानी ने सीधे डोनाल्ड ट्रंप को संबोधित करते हुए कहा था- डोनाल्ड ट्रंप, मुझे पता है आप देख रहे हैं- वॉल्यूम बढ़ाइए। उन्होंने आगे कहा कि अगर कोई जगह यह दिखा सकती है कि ट्रंप जैसे नेता से निराश देश कैसे उनसे आगे बढ़ता है, तो वह जगह है- वही शहर जिसने उन्हें जन्म दिया न्यूयॉर्क। राजनीतिक टकराव और समुदायों में हलचल एरिक ट्रंप के आरोपों ने न्यूयॉर्क के भारतीय और दक्षिण एशियाई समुदायों में बहस छेड़ दी है। ममदानी लंबे समय से प्रगतिशील राजनीति का हिस्सा रहे हैं और भारतीय व आप्रवासी समुदायों में लोकप्रिय चेहरे माने जाते हैं। हालांकि ममदानी की ओर से एरिक ट्रंप के इन आरोपों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है, लेकिन विशेषज्ञ मानते हैं कि आने वाले महीनों में यह राजनीतिक टकराव और तेज हो सकता है।

'भारतीय महिला को परेशान करना बंद करे', लाहौर हाईकोर्ट ने सरबजीत को पुलिस उत्पीड़न से दी सुरक्षा

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान के एक हाईकोर्ट ने मंगलवार को पुलिस को भारतीय सिख महिला सरबजीत को परेशान करना बंद करने का आदेश दिया। महिला ने इस्लाम धर्म अपनाकर स्थानीय मुस्लिम व्यक्ति से शादी कर ली थी। महिला की मुस्लिम व्यक्ति नासिर हुसैन से मित्रता सोशल मीडिया पर हुई थी। सरबजीत कौर (48) 2,000 सिख तीर्थयात्रियों के साथ महीने की शुरुआत में गुरु नानक जयंती उत्सव में शामिल होने के लिए भारत से वाघा सीमा के रास्ते पाकिस्तान में दाखिल हुई थी। तीर्थयात्री 13 नवंबर को घर

लौट आए, लेकिन सरबजीत लापता हो गई थी। लाहौर में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बाद में बताया कि सरबजीत ने चार नवंबर को पाकिस्तान पहुंचने के एक दिन बाद लाहौर से लगभग 50 किलोमीटर दूर शेखूपुरा जिले के नासिर हुसैन से शादी कर ली। मंगलवार को सरबजीत और नासिर ने लाहौर हाईकोर्ट में एक याचिका दायर कर शिकायत की कि पुलिस ने शेखूपुरा के फारूकाबाद स्थित उनके घर पर अवैध रूप से छापा मारा और उन पर शादी तोड़ने का दबाव डाला।

यूक्रेन युद्ध खत्म करने के लिए 28-बिंदुओं की योजना बना रहा ट्रंप प्रशासन, रूस के साथ गोपनीय चर्चा जारी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनका प्रशासन यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए रूस के साथ गोपनीय तरीके से 28-बिंदुओं वाली योजना तैयार कर रही है। एक्सिओस ने यह रिपोर्ट रूसी अधिकारियों के हवाले से दी है। रिपोर्ट के मुताबिक, डोनाल्ड ट्रंप की यह नई योजना 20-बिंदुओं वाली गाजा शांति योजना से प्रेरित है। एक वरिष्ठ रूसी अधिकारी के अनुसार, ट्रंप इस योजना को लेकर आशावादी हैं। योजना में चार मुख्य बिंदु शामिल होंगे- यूक्रेन में शांति, सुरक्षा गारंटी, यूरोप में सुरक्षा और अमेरिका के रूस और यूक्रेन के साथ भविष्य के संबंध। हालांकि, यह अभी स्पष्ट नहीं है कि यह शांति योजना पूर्वी यूक्रेन के कुछ क्षेत्रों में रूस के क्षेत्रीय नियंत्रण जैसे बड़े मुद्दों को कैसे संभालेगी। योजना तैयार करने की जिम्मेदारी पश्चिम एशिया के लिए अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ पर है। रिपोर्ट के मुताबिक, विटकॉफ ने इस योजना पर रूसी प्रतिनिधि किरील दिमित्रीव के साथ विस्तार से चर्चा की है। दिमित्रीव ने एक्सिओस को बताया कि उन्होंने अक्तूबर 24-26 के बीच मियामी में विटकॉफ और ट्रंप प्रशासन के अन्य अधिकारियों के साथ तीन दिन बिताए। उन्होंने कहा कि इस बार उन्हें लगता है कि रूसी पक्ष की बात सच में सुनी जा रही है, इसलिए इस इस समझौते के सफल होने की संभावना है। उन्होंने बताया कि यह योजना केवल यूक्रेन संघर्ष पर नहीं, बल्कि रूस की सुरक्षा चिंताओं और रूस-अमेरिका संबंधों को सुधारने पर फोकस करती है। उन्होंने कहा, यह वास्तव में एक बहुत व्यापक ढांचा है, जो कहता है कि कैसे हम आखिरकार यूरोप को स्थायी सुरक्षा दें, केवल यूक्रेन को नहीं। यूक्रेन के एक अधिकारी ने पुष्टि की कि उन्हें इस योजना की जानकारी है, क्योंकि विटकॉफ ने इस पर राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार रुस्तेम उमेरोव के साथ भी इस हफ्ते चर्चा की। वहीं, अमेरिका के एक अधिकारी ने कहा कि अमेरिका ने इस योजना के बारे में यूरोपीय अधिकारियों को भी जानकारी देना शुरू कर दिया है। यह योजना ऐसे समय में सामने आई है, जब ट्रंप अलास्का में रूसी समकक्ष व्लादिमीर पुतिन के साथ शिखर बैठक के बाद यूक्रेन युद्ध को खत्म करने के लिए प्रयास कर रहे हैं।

मां बांग्लादेश न छोड़तीं तों... : शेख हसीना के बेटे वाजेब बोले- जान बचाने के लिए मोदी सरकार का आभारी रहूंगा

वर्जीनिया, एजेंसी। बांग्लादेश में अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को मौत की सजा सुनाई गई है। इस बीच हसीना फिलहाल सुरक्षित भारत में मौजूद हैं। भारत की तरफ से अपदस्थ पीएम को इस तरह सुरक्षा दिए जाने पर शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद ने बुधवार को न्यूज एजेंसी एएनआई को दिए इंटरव्यू में भारत सरकार की तारीफ की है और कहा है कि वे इसके लिए पीएम मोदी की सरकार के आभारी रहेंगे। अमेरिका के वर्जीनिया में रह रहे सजीब ने कहा, 'भारत हमेशा से एक अच्छा दोस्त रहा है। संकट के समय भारत ने मेरी मां की जान बचाई है। अगर वो बांग्लादेश नहीं छोड़तीं, तो उग्रवादियों ने उनकी हत्या की योजना बना ली होती। इसलिए मैं अपनी मां की जान बचाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी की सरकार का हमेशा आभारी रहूंगा।'

शेख हसीना के बेटे ने बांग्लादेश की न्यायिक प्रक्रिया पर उठाए सवाल : शेख हसीना के प्रत्यर्पण पर सजीब ने कहा, 'प्रत्यर्पण के लिए न्यायिक प्रक्रिया का पालन करना जरूरी है। बांग्लादेश में एक अनिर्वाचित, असंवैधानिक और अवैध सरकार है। मेरी मां को दोषी ठहराने के लिए, उनके मुकदमे की सुनवाई तेज करने के लिए कानूनों में संशोधन किया गया। यानी इन कानूनों में अवैध रूप से संशोधन किया गया। मेरी मां को अपने बचाव पक्ष के वकील नियुक्त करने की अनुमति नहीं थी। ट्रायल से पहले ही अदालत के 17 जजों को बर्खास्त कर दिया गया, नए जज नियुक्त किए गए, जिनमें से कुछ को बेंच पर काम करने का बिल्कुल भी अनुभव नहीं था और वे राजनीतिक रूप से जुड़े हुए थे। इसलिए, कोई उचित प्रक्रिया नहीं थी। प्रत्यर्पण के लिए उचित प्रक्रिया का होना आवश्यक है।

अमेरिका से दबाव के सवाल पर क्या बोले सजीब : अमेरिकी सरकार की

ओर से उन पर कोई दबाव बनाए जाने के सवाल पर शेख हसीना के बेटे सजीब वाजेद ने कहा, 'नहीं, हमें किसी भी तरह की कोई धमकी नहीं मिली है। बस एक मामूली समस्या यह थी कि अमेरिका एकमात्र ऐसा देश था, जिसने हमारे 2024 के चुनावों पर नकारात्मक बयान जारी किया था। इसके अलावा, चुनावों को सभी ने शांतिपूर्ण माना था। इसलिए कोई सीधा दबाव नहीं था। अब, अमेरिका में एक बिल्कुल नई सरकार है। स्थिति पूरी तरह से अलग है। हमने दृष्टिकोण में एक बहुत ही स्पष्ट बदलाव देखा है। राष्ट्रपति ट्रंप ने खुद इस साल की शुरुआत में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में घोषणा की थी कि पिछले प्रशासन ने यूएसएआईडी के माध्यम से बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन पर लाखों डॉलर खर्च किए थे। वह पिछले साल हुए विरोध प्रदर्शनों का जिक्र कर रहे थे। अमेरिका का रवैया निश्चित रूप से बदल गया है, और वे बांग्लादेश में आतंकवाद के खतरे और इस्लामवाद के उदय को लेकर पिछले प्रशासन से कहीं ज्यादा चिंतित हैं।'

'यूनुस की अंतरिम सरकार के पास बिल्कुल समर्थन नहीं': सजीब वाजेद ने आगे बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, 'अगर मोहम्मद यूनुस लोकप्रिय होते, तो वे चुनाव क्यों नहीं कराते और फिर देश को वैधता से क्यों नहीं चलाते? वे डेढ़ साल से बिना चुनाव कराए सत्ता में बने हैं। असल में उनके पास बिल्कुल भी जनसमर्थन नहीं है। छात्रों की तरफ से गठित राजनीतिक दल- एनसीपी (नेशनल सिटिजन पार्टी), बांग्लादेश में हुए सभी चुनावों में 2% वोट हासिल कर रही है। उनकी लोकप्रियता कभी भी 2% से ऊपर नहीं गई। यूनुस और छात्रों की पार्टी की लोकप्रियता लगभग न के बराबर है। इसलिए वे बिना चुनाव के सत्ता में बने हुए हैं। उन्होंने आगे कहा, 'हमारी सरकार की नीति सभी देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध रखने की रही है। हमने चीन, भारत और अमेरिका के साथ व्यापारिक संबंध बनाए रखे। यूनुस सरकार चीन के और करीब आने की कोशिश कर रही है। उन्होंने चीन की कई राजकीय यात्राएं की हैं। यहां तक कि हमारी विपक्षी पार्टी, बीएनपी, भी चीन से सीधे संपर्क साध रही है। हमारे लिए, बेल्ट एंड रोड पहल बस परिवहन को सुगम बनाने के लिए एक आर्थिक पहल थी।

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच एशेज सीरीज का पहला टेस्ट आज से , जीत के इरादे से उतरेंगी दोनो ही टीमें

पर्थ (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच शुक्रवार से यहां शुरू हो रही एशेज क्रिकेट सीरीज में दोनो ही टीमों के बीच रोमांचक क्रिकेट होने की संभावना है। बेन स्टोक्स की कप्तानी में उतर रही इंग्लैंड का लक्ष्य इस बार एशेज जीत कर पिछले एक दशक से मिल रही असफलता को पीछे छोड़ना रहेगा। वहीं नियमित कप्तान पैट कमिंस के फिट नहीं होने के कारण स्टीव स्मिथ की कप्तानी में उतर रही मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम अपने खिताब को बरकरार रखने के लिए पूरा जोर लगा देगी। आंकड़ों पर नजर डालें तो ऑस्ट्रेलिया में पिछले 15 टेस्ट में से इंग्लैंड 13 मैच हारी है जबकि दो ड्रॉ रहे हैं इस प्रकार उसे एक भी जीत नहीं मिल सकी। अंतिम बार 2010-11 में इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया को 3-1 से हराया था।

वहीं इस बार मेजबान ऑस्ट्रेलियाई टीम की राह भी आसान नहीं है। वह अपने खिलाड़ियों की चोटों से परेशान हैं। ऐसे में देखना होगा कि प्रमुख खिलाड़ियों के बिना खेलने जा रही ऑस्ट्रेलियाई टीम अपना अपराजेय अभियान बरकरार रख सकेगी या नहीं। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान कमिंस और तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड चोटों के कारण पहले टेस्ट से बाहर हैं। ऐसे में तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क और आफ स्पिनर नाथन लियोन पर दवाब बढ़ जाएगा।

ब्रेंडन डोगेट तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड के साथ पहली बार टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करेंगे। ऑलराउंडरन कैमरन ग्रीन इस सीरीज से वापसी कर रहे हैं। सलामी बल्लेबाज जैक वेदराल्ड को भी 31 साल की उम्र में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने का मौका मिला है। मार्नस लाबुशेन तीसरे और कार्यवाहक कप्तान स्मिथ चौथे नंबर पर उतरेंगे।

इंग्लैंड के कप्तान स्टोक्स ने कहा, 'मुझे पता है कि यह कितनी बड़ी सीरीज है। मैं उन भाग्यशाली कप्तानों में नाम दर्ज कराना चाहता हूं जिन्होंने आस्ट्रेलिया में एशेज सीरीज जीती है। इस बार हमारे पास अपना इतिहास बनाने का अवसरी है। इंग्लैंड टीम में गेंदबाजी की जिम्मेदारी तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर के पास रहेगी। वहीं उनका साथ मार्क वुड देंगे। इस मैचम में तेज गेंदबाज ब्राइडन कार्स वह गुस एटकिंसन को भी अवसर मिल सकता है। कुल मिलाकर देखा जाये तो इस सीरीज में जीत के लिए दोनो ही टीमें पूरा जोर लगा देंगी। मेजबान टीम को हालातों का भी लाभ मिलेगा ऐसे में उसे प्रबल दावेदार माना जा रहा है।

टीमें इस प्रकार हैं

ऑस्ट्रेलिया अंतिम ग्यारह - स्टीवन स्मिथ (कप्तान), उस्मान ख्वाजा, जेक वेदरल्ड, मार्नस लाबुशेन, ट्रैविस हेड, कैमरून ग्रीन, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), मिशेल स्टार्क, नाथन लियोन, स्कॉट बोलैंड, ब्रेंडन डॉगेट।

इंग्लैंड की अंतिम ग्यारह - बेन स्टोक्स (कप्तान), जाक क्राउली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, जैमी स्मिथ, ब्राइडन कार्स, गुस एटकिंसन, जोफ्रा आर्चर, मार्क वुड, शोएब बशीर

मुशफिकुर ने 100वें टेस्ट में शतक लगाकर बनाया रिकार्ड

–विशिष्ट खिलाड़ियों के क्लब में शामिल हुए

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश के अनुभवी क्रिकेटर मुशफिकुर रहीम ने ढाका में अपने 100वें टेस्ट मैच में शतक लगाने के साथ ही एक महत्वपूर्ण उपलब्धि अपने नाम दर्ज की है। मुशफिकुर आयरलैंड के खिलाफ खेले जा रहे इस मैच में शतक लगाने के साथ ही उन बल्लेबाजों के एक विशिष्ट क्लब में प्रवेश किया है। हैं जिन्होंने अपने 100वें टेस्ट में शतक लगाये हैं। अच्छी तकनीक के लिए पहचाने जाने वाले मुशफिकुर ने अपनी पारी में संयम, धैर्य और क्लास का मिश्रण दिखाया। दूसरे दिन 99 रन पर नाबाद लौटे मुशफिकुर रहीम पर पारी को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी थी। वहीं आयरलैंड ने जॉर्डन नील को गेंदबाजी सौंपी। नील ने कुछ अच्छी गेंदें डालकर रहिम को रोकने की कोशिश की पर ओवर की तीसरी गेंद पर रहीम ने एक रन लिया और शतक पूरा कर लिया। शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम में बैठे दर्शकों ने खड़े होकर उनका स्वागत किया, और तालियां बजायीं।

अब मुशफिकुर उन 11 खिलाड़ियों में शामिल हो गए हैं जिन्होंने अपने 100वें टेस्ट मैच में शतक लगाया है। इस सूची में कॉलिन काउड्रे, जावेद मियांदाद, रिकी पोंटिंग, हाशिम अमला, जो रूट और डेविड वॉर्नर जैसे दिग्गज शामिल हैं।

हीम का यह शतक केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं, बल्कि बांग्लादेश क्रिकेट के विका का प्रतीक भी है। 2005 में पदार्पण करने वाले इस बल्लेबाज ने अपनी फिटनेस, तकनीक और अनुशासन के बल पर लंबे समय तक टीम में अहम भूमिका निभाई है। 100वें टेस्ट में शतक उनकी काबिलियत, निरंतरता और खेल के प्रति समर्पण को दिखाता है।

दूसरे टेस्ट से पहले गावस्कर ने दी प्रबंधन और चयनकर्ताओं को सलाह

–टीम में ऑलराउंडर नहीं विशेषज्ञ बल्लेबाज शामिल करें

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने टीम प्रबंधन और चयनकर्ताओं से कहा है कि वह अपने अहं को छोड़कर टीम का चयन करें। गावस्कर ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट सीमित ओवरों से अलग होता है, इसलिए यहां विशेषज्ञ बल्लेबाजों को जगह मिलनी चाहिये। वहीं कोलकाता में हुए पहले टेस्ट में ऑलराउंडर रखने पर प्रबंधन का जोर था जिससे टीम को नुकसान हुआ और वह लक्ष्य हासिल नहीं कर पायी। गावस्कर ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ गुवाहाटी में शनिवार से शुरु हो रहे दूसरे टेस्ट से पहले ये बात कही। इसके साथ ही गावस्कर ने बल्लेबाजों से भी कहा कि धैर्य से खेलें न कि अहंकार में भरकर हर गेंद पर शॉट लगाने का प्रयास करें। गावस्कर ने चयनकर्ताओं के साथ ही टीम प्रबंधन से कहा कि टेस्ट क्रिकेट में सीमित-ओवरों वाले ऑलराउंडरों की जगह पर घरेलू क्रिकेट में बेहतर प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को शामिल करना चाहिये। कोलकाता टेस्ट का हवाला देते हुए पूर्व कप्तान ने कहा कि केवल 3 दिन में 30 रन की हार से दिखता है कि प्रबंधन घरेलू क्रिकेट में रन बरसाने वालों की जगह लीग खिलाड़ियों को शामिल कर रहा है। ऐसे में टीम में शामिल खिलाड़ी पिचों पर टिक कर नहीं खेल पा रहे हैं।गावस्कर ने लिखा, दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद उम्मीद करते हैं कि जिम्मेदारों की आंख खुलेगी और वे घरेूल क्रिकेट में रन बनाने वालों पर ध्यान देंगे। ये खिलाड़ी इन पिचों पर खेलने के अभ्यस्त हैं जहां गेंद घूमती हैं और नीची रहती हैं। वहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने वाले खिलाड़ी अधिकतर समय इतने व्यस्त रहते हैं कि न्हें घरेलू पिचों पर खेलने का अभ्यास ही नहीं होता। उन्होंने कहा, 'टेस्ट बल्लेबाजी धैर्य की मांग करती है और सबसे अहम ये है कि अपने अहं को छोड़ दें। ने की उत्सुकता दिखनी चाहिए। ये मायने नहीं रखता कि आप बीट हो गए या लेग गाड्र्स पर गेंद लगी।

शुभमन गिल गुवाहाटी टेस्ट नहीं खेल पाएंगे !, इस खिलाड़ी को मिलेगी कप्तानी

गुवाहाटी (एजेंसी)। शुभमन गिल पिछले हफ्ते कोलकाता में पहले टेस्ट के दौरान लगी गर्दन की चोट से पूरी तरह ठीक नहीं हो पाने के कारण शनिवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ गुवाहाटी में शुरू होने वाले भारत के दूसरे टेस्ट से बाहर हो जाएंगे। उप कप्तान ऋषभ पंत उनकी जगह कप्तान होंगे। माना जा रहा है कि मेडिकल सलाह के अनुसार, अगर गिल इतनी जल्दी खेलते हैं तो उन्हें गर्दन में ऐंठन दोबारा होने का खतरा है। उन्हें और आराम करने की सलाह दी गई है।

इस बात का असर 30 नवंबर से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू होने वाले तीन मैचों के लिए वनडे टीम में उनके सिलेक्शन पर भी पड़ सकता है। उस सीरीज के लिए टीम 23 नवंबर को चुने जाने की उम्मीद है। गिल के बाहर होने की वजह से भारत को उनकी जगह साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल और नीतीश कुमार रेड्डी में से किसी एक को चुनना पड़ सकता है।

कोलकाता टेस्ट के दूसरे दिन गिल को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था, जब उन्होंने भारत की पहली पारी में सिर्फ तीन बॉल खेलने के बाद रिटायर्ड हर्ट होने का फैसला किया था। तीसरे दिन की सुबह BCCI ने कहा कि वह टेस्ट में आगे हिस्सा नहीं लेंगे। भारत 124 रन के टारगेट का पीछा करते हुए 93 रन पर आउट हो गया और पिच पर अनइवन बाउंस थी, जिसके बाद टीम 30 रन से मैच हार गई। गिल अक्टूबर 2024 में न्यूज़ीलैंड के खिलाफ गर्दन में ऐंठन की वजह से एक टेस्ट भी नहीं खेल पाए थे।

गिल के दूसरे टेस्ट में ना खेलने की खबरों पर भारत के बैटिंग कोच सीतांशु कोटक ने गिल को बाहर किए बिना एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि अगर ऐंठन दोबारा होने की कोई संभावना है तो टीम उन्हें खिलाने का रिस्क नहीं लेगी। कोटक ने कहा, 'वह निश्चित रूप से बहुत अच्छी तरह से ठीक हो रहे हैं। अब, (उन्हें खिलाना है या नहीं) यह फैसला कल शाम को लिया जाएगा। फिजियो, डॉक्टरों को यह फैसला करना होगा कि, (भले ही) वह पूरी तरह से ठीक हो जाएं, (खेल के दौरान), उन्हें फिर से वह ऐंठन नहीं होनी चाहिए।'

भारतीय कोच ने कहा, 'अगर हमारे पास यह गारंटी है कि, बहुत संभावना है, उन्हें यह समस्या दोबारा नहीं होगी, तो वह खेलेंगे। अगर कोई शक है, तो मुझे यकीन है कि वह एक और गेम के लिए आराम करेंगे, क्योंकि अगर वह खेलते हैं तो यह टीम के लिए मददगार नहीं होगा।'

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में खेलेंगे पडिक्कल और नायर, इस टीम में शामिल हुए

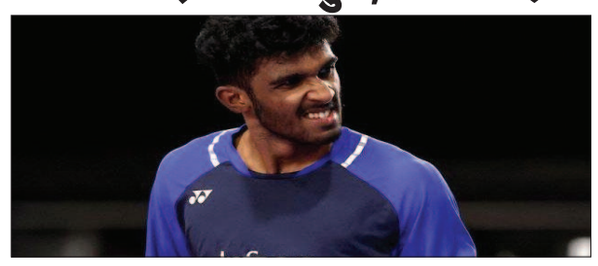

बेंगलुरु (एजेंसी)। देवदत्त पडिक्कल और करुण नायर को गुरुवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी एलीट ग्रुप ष्ठ मैचों के लिए कर्नाटक की 16 सदस्यों वाली टीम में शामिल किया गया। ये मैच 26 नवंबर से अहमदाबाद में होंगे। देवदत्त अभी साउथ अफ्रीका सीरीज़ के लिए भारत की टेस्ट टीम का हिस्सा हैं, और अगर टीम मैनेजमेंट उन्हें रिलीज नहीं करता है, तो वह कम से कम पहले कुछ मैच नहीं खेल पाएंगे। करुण ने रणजी ट्रॉफी के पहले हिस्से में अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने पांच मैचों में 100.33 की औसत से दो शतकों के साथ 602 रन बनाए हैं। मयंक अग्रवाल की कप्तानी वाली कर्नाटक टीम अपने कैंपेन की शुरुआत उत्तराखंड के खिलाफ करेगी, जिसके बाद झारखंड के खिलाफ डे-नाइट मैच होगा। ग्रुप ष्ठ में दूसरी टीमें राजस्थान, तमिलनाडु, दिल्ली, सौराष्ट्र और त्रिपुरा हैं। कर्नाटक टीम - मयंक अग्रवाल (कप्तान), मैकनील नोरोन्हा, केएल श्रीजीत, करुण नायर, आर स्मरण, अभिनव मनोहर, श्रेयस गोपाल, शिखर शेट्टी, वैसाख विजयकुमार, विद्वाथ कवरप्पा, विद्याधर पाटिल, श्रीवत्स आचार्य, शुभांग हेगड़े, प्रवीण दुबे, बीआर शरथ, देवदत्त पडिक्कल.

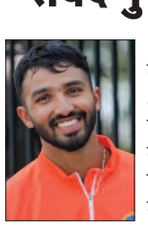

ऑस्ट्रेलियाई ओपन बैडमिंटन : शेट्टी क्वार्टर फाइनल में पहुंचे, प्रणय बाहर

सिडनी। भारत के युवा बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी आस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में पहुंच गए जबकि सीनियर खिलाड़ी एच एस प्रणय बृहस्पतिवार को हारकर बाहर हो गए। शीर्ष वरीयता प्राप्त सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी भी चीनी ताइपै के सू चिंग हेंग और वु गुआन शुन को 21.18, 21.11 से हराकर अंतिम आठ में पहुंच गए।

योनेक्स अमेरिकी ओपन सुपर 300 टूर्नामेंट के विजेता शेट्टी ने चौथी वरीयता प्राप्त जापान के कोडाइ नराओका को 21.17, 21.16 से हराया। अब क्वार्टर फाइनल में उनका सामना हमवतन लक्ष्य सेन से होगा। वहीं इस साल प्री क्वार्टर फाइनल से आगे नहीं जा सके प्रणय को आठवीं वरीयता प्राप्त पूर्व जूनियर विश्व चैम्पियन इंडोनेशिया फरहान अलवी ने 21.19, 21.10 से हराया। सात्विक और विराग की जोड़ी का सामना अब पांचवीं वरीयता प्राप्त इंडोनेशिया के फजर अल्फियान और मुहम्मद शोहिबुल फिकरी से होगा।

पाकिस्तानी क्रिकेटर से हाथ मिलाकर प्रशंसकों के निशाने पर पाये हरभजन

अबू धाबी। पूर्व भारतीय क्रिकेटर हरभजन सिंह अबू धाबी टी-10 लीग के एक मैच में पाकिस्तानी खिलाड़ी से हाथ मिलाते नजर आये हैं। इस लीग में हरभजन एस्पिन स्टैलियंस की कप्तानी कर रहे थे और उन्होंने नॉर्दर्न वॉरियर्स की ओर से खेल रहे पाकिस्तानी गेंदबाज शाहनवाज दहानी से हाथ मिलाया। जिसे देखकर प्रशंसक हैरान हो गये। इसका कारण है कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद उन्होंने पाक की आलोचना करते हुए कहा था कि उसके साथ क्रिकेट नहीं होना चाहिये। यहां तक कि उन्होंने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को एशिया कप में पाक से नहीं खेलने को कहा था। पहलगाम आतंकी हमले के बाद से ही भारतीय खिलाड़ियों ने हर जगह पाक खिलाड़ियों से हाथ मिलाने से इंकार कर दिया था। यहां तक कि पूर्व क्रिकेटरों की विश्व चैम्पियनशिप में भी भज्जी और भारतीय टीम ने पाक के खिलाफ मैच का बहिष्कार किया था। तब हरभजन, शिखर धवन, यूसुफ पठान, इरफान पठान और सुरेश रैना ने विश्व चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से मना कर दिया था। तब उन्होंने कहा था कि तनावपूर्ण राजनीतिक हालातों में 'खून और पसीना एक साथ नहीं बहाया जा सकता। एशिया कप में भी भारतीय टीम सूर्यकुमार यादव की टीम भारत ने सलमान आगा की कप्तानी वाली पाकिस्तानी टीम से हाथ नहीं मिलाय। इसके बाद यह महिला विश्व कप में भी भारतीय क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने पाक कप्तान और फातिमा सना से दूरी बनाये रखी थी।

सरफराज को मिली पाकिस्तान शाहीन और अंडर-19 टीम की जिम्मेदारी, अजहर अली ने उठाया बड़ा कदम

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व टेस्ट कप्तान अजहर अली ने नेशनल सिलेक्शन कमिटी और नेशनल क्रिकेट एकेडमी में यूथ डेवलपमेंट डिपार्टमेंट के हेड पद से इस्तीफा दे दिया है। अली के एक भरोसेमंद सोर्स ने कन्फर्म किया कि उन्होंने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को अपना इस्तीफा भेजा है क्योंकि एक और पूर्व टेस्ट कप्तान सरफराज अहमद को पाकिस्तान शाहीन और अंडर-19 टीमों का पूरा कंट्रोल दिया गया था।

सूत्र के हवाले से कहा गया, 'अजहर ने इस हफ्ते की शुरुआत में बोर्ड को अपना इस्तीफा भेजा था और इसे मंजूर कर लिया गया है।'' 97 टेस्ट खेलने वाले अजहर ने पिछले साल सिलेक्टर और यूथ डेवलपमेंट हेड के तौर पर अपना कार्यकाल शुरू किया था, लेकिन सोर्स ने कहा कि वह बोर्ड में काम करने के तरीके से काफी परेशान हो रहे थे। काम करने का रेड-टेप स्टाइल उन्हें परेशान करता था, साथ ही इस बात से भी कि एकेडमी में युवा क्रिकेटरों को तैयार करने के उनके कुछ प्रपोजल को आगे नहीं बढ़ाया गया।'

सोर्स ने कहा कि अजहर तब निराश हुए जब बोर्ड ने अचानक उनसे बात किए बिना शाहीन और अंडर-19 क्रिकेट के सारे मामले सरफराज को सौंपने का फैसला किया। उन्होंने आगे कहा, 'अजहर को लगा कि अब जब सरफराज को शाहीन और अंडर-19 टीमें चलाने के लिए कहा गया है, तो यूथ डेवलपमेंट के हेड के तौर पर उनकी ज्यादातर जिम्मेदारियां बिना उनकी मंजूरी के छीन ली गई हैं, इसलिए उन्होंने इस्तीफा देने का फैसला किया।'

सरफराज, जो बोर्ड के साथ पहले मेंटर और फिर क्रिकेट मामलों के एडवाइजर के तौर पर काम कर रहे थे, उन्हें पिछले हफ्ते दोनों टीमों की जिम्मेदारी लेने और कोच के परफॉर्मेंस, सिलेक्शन मामलों, ट्रेनिंग कैंप ऑर्गनाइज करने समेत सभी पहलुओं को देखने के लिए कहा गया और उन्हें टीमों के साथ ट्रैवल करने का अधिकार भी दिया गया। हाल के सालों में पुराने खिलाड़ियों और कोचों, जिनमें विदेशी भी शामिल हैं, का अपना कॉन्ट्रैक्ट पूरा न करने, या तो छोड़ने या नौकरी से निकाले जाने का इतिहास रहा है। हाल ही में क्क्क ने वर्ल्ड कप में मिली हार के बाद महिला टीम के हेड कोच के तौर पर मुहम्मद वसीम का कॉन्ट्रैक्ट रिन्यू नहीं किया, जहां टीम आठ टीमों में सबसे नीचे रही थी।

अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम में चुने गए 20 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन रोजर फेडरर

लंदन - स्विट्जरलैंड के स्टार टेनिस खिलाड़ी और 20 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन रोजर फेडरर को अंतरराष्ट्रीय हॉल ऑफ फेम में चुना गया है। रोड आइलैंड स्थित हॉल ऑफ फेम ने बुधवार को यह जानकारी दी। टीवी प्रस्तोता और पत्रकार तथा पूर्व खिलाड़ी मैरी कैरिलो को योगदानकर्ता श्रेणी में चुना गया। इन्हें हॉल ऑफ फेम में शामिल करने के लिए समारोह अगस्त 2026 में होगा। फेडरर ने 103 टूर-स्तरीय खिताब, 20 बड़ी ट्रॉफियां और 28 एटीपी मास्टर्स 1000 क्राउन जीते है। 43 साल के फेडरर के नाम फरवरी 2004 से अगस्त 2008 तक 237 हफ्तों तक लगातार वर्ल्ड नंबर वन रहने का रिकॉर्ड है। फेडरर पांच बार एटीपी ईयर-एंड नंबर वन रहे, पीआईएफ सम्मान से सम्मानित हुए, 13 बार स्टीफन एडबर्ग स्पोर्ट्समैनशिप अवॉर्ड मिला और 2003-21 तक लगातार 19 सालों तक एटीपी फैंस के पसंदीदा चुने गए। अपनी इस उपलब्धि पर फेडरर ने कहा, 'अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल होना और खेल के इतने सारे महान चैंपियन के साथ खड़ा होना बहुत बड़ा सम्मान है।' उन्होंने कहा, 'अपने पूरे करियर में मैंने हमेशा टेनिस के इतिहास और मुझसे पहले आए लोगों के उदाहरण को महत्व दिया है। स्विस टेनिस में, अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों से घिरे हुए यह खबर सुनना बहुत खास था वह जगह जहां मेरी अपनी यात्रा पहली बार शुरू हुई थी। खेल और मेरे साथियों से इस तरह पहचान मिलना बहुत अच्छा लग रहा है। मैं अगले अगस्त में टेनिस कम्युनिटी के साथ इस खास पल को मनाने के लिए न्यूपोर्ट आने का इंतजार कर रहा हूं।' 20 ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी फेडरर 'क्लास ऑफ 2026' के लिए समर्थन प्राप्त करने वाले एकमात्र उम्मीदवार थे। फेडरर ने राफेल नडाल और नोवाक जोकोविच जैसे साथी महान खिलाड़ियों की मौजूदगी वाले युग को 'टेनिस के लिए स्वर्णिम समय' माना।

राइजिंग स्टार्स एशिया कप : भारत ए को बांग्लादेश ए के खिलाफ सेमीफाइनल में शीर्षक्रम से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद

दोहा। भारत ए को बांग्लादेश ए के खिलाफ राइजिंग स्टार्स एशिया कप सेमीफाइनल में अपने शीर्षक्रम के बल्लेबाजों से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी ताकि वैभव सूर्यवंशी पर अकेले बोझ नहीं पड़े। इस टी20 टूर्नामेंट में 201 रन बनाकर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज बने सूर्यवंशी एक शतक और 45 रन की पारी खेल चुके हैं। बाकी बल्लेबाज हालांकि अभी तक अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर सके हैं जिनमे कप्तान जितेश शर्मा, नमन धीर, प्रियांश आर्य और नेहाल वढेरा शामिल हैं। भारतीय टीम बांग्लादेश को हलके में लेने की गलती नहीं करेगी जिसने अफगानिस्तान ए टीम को 78 रन पर समेट दिया था। इसके अलावा लीग मैच में श्रीलंका ए की मजबूत टीम को आखिरी ओवर तक खेलने पर मजबूर किया। बांग्लादेश के तेज गेंदबाज रिपोन मंडल और हाल ही में सीनियर टी20 टीम में शामिल हुए बायें हाथ के स्पिनर रकीबुल हसन से भारतीय बल्लेबाजों को सावधान रहना होगा। भारत के गेंदबाजों ने भी टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया है और बायें हाथ के तेज गेंदबाज गुरजपनीत सिंह तीन मैचों में पांच विकेट ले चुके हैं। बायें हाथ के स्पिनर हर्ष दुबे और लेग स्पिनर सुयश शर्मा ने तीन तीन विकेट लेकर उनका बखूबी साथ दिया है। दुबे ने ओमान के खिलाफ अर्धशतक भी लगाया था। दुबे ने BCCI टीवी से कहा, 'मैने सलामी बल्लेबाज के तौर पर शुरूआत की थी और मुझे पता था कि मैं अच्छी बल्लेबाजी कर सकता हूं। मैं ओमान के खिलाफ मिले इस मौके को भुनाना चाहता था। हम इसी तरह का प्रदर्शन करना चाहते जो यूएई और ओमान के खिलाफ किया था।' ' बांग्लादेश की बल्लेबाजी का दारोमदार सलामी बल्लेबाज हबीबुर रहमान सोहान और कप्तान अबरार अली पर होगा। इन दोनों के विकेट जल्दी लेकर भारत दबाव बनाने की कोशिश करेगा। दूसरे सेमीफाइनल में पाकिस्तान शाहींस का सामना श्रीलंका ए से होगा।

कुलदीप यादव का आक्रामक मंत्र: विकेट लेना ही मेरा काम, कोच-कप्तान के सहयोग से मिली स्पष्टता

मुंबई (एजेंसी)। भारत के अनुभवी स्पिनर कुलदीप यादव ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शनिवार से गुवाहाटी में शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट मैच से पहले एक आक्रामक गेंदबाज के रूप में अपना नजरिया साझा किया। यादव ने एक आक्रामक गेंदबाज के रूप में अपनी भूमिका पर ज़ोर देते हुए कहा कि भारतीय कोच गौतम गंभीर और कप्तान शुभमन गिल के सहयोग की बदौलत उन्हें अपने काम पर स्पष्टता मिली है। यादव ने आगे कहा कि वह आक्रामक मानसिकता बनाए रखते हैं और विकेट लेने पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

कुलदीप यादव ने जियोस्टार पर कहा कि एक आक्रामक गेंदबाज के रूप में मैं बहुत स्पष्ट हूँ, मैं वर्षों से अपनी भूमिका जानता हूँ। कोच और कप्तान ने मुझे बहुत स्पष्टता और सहयोग दिया है। मैं हमेशा आक्रामक मानसिकता रखता हूँ और उसी के अनुसार गेंदबाजी करता हूँ। यही मेरा काम है; विकेट लेना। वे मुझे इसी नज़र से देखते हैं। यादव का मानना है कि टेस्ट क्रिकेट एक चुनौतीपूर्ण लेकिन मनोरंजक प्रारूप है, और भारत के लिए सभी प्रारूपों में खेलना एक ÷विलासिता÷ है। उनका लक्ष्य अगले 4-5 वर्षों में फिटनेस और प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित करना है ताकि वे अपने टेस्ट अवसरों का अधिकतम लाभ उठा सकें।

यादव ने कहा कि सभी को टेस्ट क्रिकेट पसंद है। यह एक ऐसा प्रारूप है जिसका सभी आनंद लेते हैं, लेकिन यह बहुत चुनौतीपूर्ण भी है। ज़ाहिर है, आप सभी प्रारूपों में खेलना चाहते हैं, लेकिन अगर आपको टेस्ट क्रिकेट खेलने का मौका मिलता है, तो आप इसका आनंद लेते हैं। भारत के लिए सभी प्रारूपों में खेलना एक विलासिता है। टेस्ट क्रिकेट में अगले 4-5 साल मेरे लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं, इसलिए मैं अपनी फिटनेस बनाए रखने और इसी तरह का प्रदर्शन जारी रखने पर ध्यान केंद्रित करूँगा।

भारत शनिवार को गुवाहाटी में दूसरे और अंतिम टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका का सामना करेगा, जहाँ वह श्रृंखला के पहले मैच में 30 रनों की हार से उबरकर श्रृंखला 1-1 से बराबर करना चाहेगा। दूसरे टेस्ट से पहले, भारत के तेज़ गेंदबाज़ मोहम्मद सिराज का मानना ??है कि दक्षिण अफ्रीका जैसी मज़बूत टीमों का सामना करने से उनका आत्मविश्वास बढ़ता है, क्योंकि इससे उन्हें अपनी गलतियों को पहचानने और सुधारने में मदद मिलती है।

गुवाहाटी टेस्ट जीतने भारतीय टीम को करने होंगे कई सुधार : रिपोर्ट

गुवाहाटी। यहां दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 22 नवंबर से होने वाले दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय टीम का लक्ष्य जीत हासिल कर सीरीज में बराबरी पर आना रहेगा। भारतीय टीम को दो मैचों की सीरीज के पहले टेस्ट में 30 रनों से हार मिली थी जिससे वह इस सीरीज मे 1-0 से पीछे हैं। दूसरे टेस्ट में भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल का खेलना भी तय नहीं है क्योंकि पहले टेस्ट में उनकी गर्दन में अकड़न आ गयी थी। भारतीय टीम दूसरा टेस्ट हारती है तो उसके हाथ से सीरीज निकल जाएगी। एक रिपोर्ट के अनुसार ऐसे में उसे इस मैच में जीत के लिए बल्लेबाजी के साथ ही कई चीजों में सुधार करना होगा। पहले टेस्ट में भारतीय बल्लेबाज़ों ने कई बार ऐसे शॉट खेले जिनकी जरुरत नहीं थी। बिना रणनीति के बल्लेबाजी करना से भी टीम अधिक रन नहीं बना पायी। दूसरे टेस्ट में बल्लेबाजों को धैर्य, तकनीक और समझदारी दिखानी हुए बड़ा स्कोर बनाना होगा। पिछले कुछ समय से भारतीय बल्लेबाज़ स्पिन के खिलाफ संघर्ष कर रहे हैं। न्यूजीलैंड सीरीज़ से लेकर साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट तक यही समस्या दिखी। भारतीय हालातों में स्पिनर प्रभावी होते हैं। ऐसे में अगर भारतीय बल्लेबाज़ों ने स्पिन को ठीक से नहीं खेला तो उन्हें परेशानी का सामन करना पड़ेगा। इसके अलावा अच्छी शुरुआत करना रहेगा। पहले टेस्ट में भारतीय टीम शुरुआती झटकों से उबर नहीं पायी। शीर्ष क्रम के शुरुआत में आउट होने से मध्य क्रम दबाव में आ गया है। जिससे रन नहीं बने। इसके अलावा गेंदबाजों का भी बेहतर उपयोग करना होगा। पहले टेस्ट में भारतीय गेंदबाजी आक्रमण बिखरा नजर आया।

सुरभि चंदना ने शेयर किया टीवी से ब्रेक लेने का कारण

टीवी इंडस्ट्री में ऐसे कई कलाकार रहे हैं, जिन्होंने एक समय में घर-घर में अच्छी पहचान बनाई है और दर्शकों के दिलों में राज भी किया है, लेकिन अब वे कई समय से टीवी की दुनिया से दूर हैं। उन्हीं में से एक अभिनेत्री सुरभि चंदना हैं। शनिवार को उन्होंने बताया कि उन्होंने टीवी की दुनिया से दूरी क्यों बना ली। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट कर बताया कि वे इतने दिनों से टीवी की दुनिया से क्यों दूर थीं। उन्होंने लिखा, टीवी सेट से लेकर थिएटर की रोशनी तकउम्मुझे हमेशा से थिएटर में बहुत दिलचस्पी रही है। हर बार जब मैं कोई भी नाटक देखती थी, तो उसे पूरा देखकर आश्चर्य में पड़ जाती थी और खुद से ये सवाल करती थी कि एक अभिनेत्री के तौर पर क्या मैं इसका सामना कर पाऊंगी? अभिनेत्री ने बताया कि थिएटर में जाने के फैसले पर कई लोग उनसे सवाल करते रहते हैं कि उन्होंने टीवी से थिएटर को क्यों चुना?

अभिनेत्री ने लिखा, मुझे ऐसा लगता है कि थिएटर करने से मेरा अभिनय और भी बेहतर होगा। ये अब और सच साबित हो रहा है। अब मैं इस कला की दुनिया में कदम रख रही हूं, जहां कुछ भी कट या दोबारा नहीं किया जा सकता है। इसमें हर पल और भावनाएं लाइव चलती हैं और कहानियां मंच पर जीवित रहती हैं। अभिनेत्री ने थिएटर में अपने पहले नाटक के बारे में बताते हुए लिखा, मेरा पहला नाटक थिएटर की इस नई यात्रा की शुरुआत है। आप सब इसे जरूर देखें। उन्होंने आगे लिखा, मेरी प्यारी विजयलक्ष्मी को धन्यवाद, जिनसे मुझे ये प्यारे लोग मिले, हमारे निर्देशक और मेरे मेंटर आदित्य, जो मेरी सभी रिहर्सल में मेरी मदद करते रहे हैं; और हमारी प्रोड्यूसर प्रेरणा सिंह, जिन्होंने मुझ पर भरोसा किया कि मैं ये सब कर सकती हूं। इसके बाद अभिनेत्री ने पूरी टीम को धन्यवाद देते हुए आभार व्यक्त करते हुए लिखा, मुझे लोगों ने चेताया था कि एक वक्त के बाद सब नशा बन सकता है, और अब लगता है मैं अगले नाटक के लिए तैयार हूं।

फिल्म इंडस्ट्री में रचनात्मक आजादी जरूरी

बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने फिल्मों और ओटीटी सीरीज के जरिए अलग पहचान बनाई है। वह हमेशा उन कलाकारों में से रही हैं, जो न सिर्फ चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं को स्वीकार करती हैं, बल्कि अपनी सोच और पसंद के अनुसार काम करने की आजादी को सबसे आगे रखती हैं। इस कड़ी में जागरण फिल्म फेस्टिवल के दौरान आईएएनएस से खास बातचीत में हुमा ने फिल्म इंडस्ट्री में रचनात्मक आजादी के महत्व पर अपने विचार रखे। आईएएनएस से बात करते हुए हुमा कुरैशी ने कहा कि एक मजबूत फिल्म इंडस्ट्री तभी संभव है, जब हर तरह की फिल्में बनाने का मौका मिले। इंडस्ट्री में सिर्फ बड़ी फिल्में या ब्लॉकबस्टर ही नहीं, बल्कि छोटी, मध्यम दर्जे की और इंडिपेंडेंट फिल्मों की भी काफी अहमियत होती है। फिल्म निर्माता दर्शकों को ध्यान में रखते हुए नई कहानी और शैली में तरह-तरह के प्रयोग कर सकते हैं। ऐसा करने से न केवल इंडस्ट्री मजबूत बनती है, बल्कि दर्शकों को भी अलग-अलग तरह की फिल्मों का अनुभव मिलता है। उन्होंने कहा, हमें दर्शकों को देखकर फिल्म बनानी चाहिए। बड़ी फिल्में बननी चाहिए, छोटी फिल्में, सामान्य फिल्में, और इंडिपेंडेंट फिल्मों पर भी ध्यान देना चाहिए। जब हर तरह की फिल्मों को बनाने की आजादी होती है और लोग उन्हें देखने का मौका पाते हैं, तब ही फिल्म इंडस्ट्री मजबूत और जीवंत बनती है। हुमा ने दिल्ली क्राइम सीजन 3 में अपने खलनायिका के रोल के बारे में भी बात की। उन्होंने बताया कि यह उनके करियर में पहली बार था, जब उन्होंने इस तरह का नकारात्मक किरदार निभाया है। जब उन्हें इस शो के लिए कॉल आया, तो वह उस समय महारानी की शूटिंग कर रही थीं। उन्होंने कहा, मैं इस शो को लेकर पहले सोच रही थी कि शायद मुझे पुलिस वाले का मुख्य रोल मिलेगा, लेकिन मुझे बताया गया कि यह एक नेगेटिव रोल है। हुमा ने कहा, खलनायिका का रोल निभाना चुनौतीपूर्ण था, लेकिन इसे करने में बेहद मजा आया। दर्शक इस किरदार में मुझे एक बिल्कुल अलग अंदाज में देखेंगे। महारानी और दिल्ली क्राइम जैसे दोनों शोज लगातार आने की वजह से मुझे रोजाना कई कॉल और मैसेज मिल रहे हैं, जिसमें लोग दोनों किरदारों की तारीफ कर रहे हैं। दिल्ली क्राइम सीजन 3 13 नवंबर को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो चुकी है।

रजनीकांत की बहुचर्चित जेलर 2 में नजर आएंगी अपेक्षा पोरवाल

अनदेखी, हनीमून फ़ोटोग्राफ़र और इंटरनेशनल हिट स्लेव मार्केट में अपने दमदार और अलग-अलग किरदारों से छा चुकी अपेक्षा पोरवाल अब रजनीकांत की बहुचर्चित जेलर 2 में एक अहम रोल झटक ले गई हैं। पहली जेलर, जिसे सन पिक्चर्स ने बनाया और नेल्सन दिलीपकुमार ने डायरेक्ट किया था, ने दुनिया भर में 600 करोड़ से ज़्यादा की कलेक्शन पर तिलक लगाया था। ऐसे में इसकी सीक्वल की गूंज तो पैन-इंडिया फ़िल्म ब्रह्मांड में पहले से ही मचा रही है। और इसी शोर के बीच, यह फ़िल्म अपेक्षा का साउथ में पहला कदम भी बन रही है — यानी उनके करियर की कहानी का एक नया और दिलचस्प पन्ना खुल रहा है। अपनी बारीक और असरदार परफॉर्मेंसेज़ के लिए पहचानी जाने वाली यह युवा एक्ट्रेस अब इंडिया और ग्लोबल, दोनों स्क्रीन पर एक मज़ेदार सफ़र जारी रखे हुए है। पैन-इंडिया फ़िल्म लीग में बड़े-बड़े सितारों के साथ कदम मिलाते हुए, अपेक्षा बिल्कुल सही मोड़ पर जेलर 2 में एंट्री मार रही हैं — और यह एंट्री उनके सफ़र को एक नई सुपरचार्ज्ड स्पीड देने वाली है।

दशा और दिशा बदलने आ रही है पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा की फिल्म राहु केतु

राहु केतु के निर्माताओं ने आज सोशल मीडिया हैंडल पर फिल्म का एक मोशन पोस्टर शेयर किया। इस पोस्टर के साथ निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज डेट से पर्दा उठा दिया है। जानिए आप सिनेमाघरों में पुलकित सम्राट और वरुण शर्मा की फिल्म कब देख सकेंगे।

कब रिलीज हो रही है फिल्म राहु केतु

राहु केतु के निर्माताओं ने फिल्म का एक मोशन पोस्टर इंस्टाग्राम पर शेयर किया। जिसके साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, नए साल में, दशा और दिशा बदलने आ रहे हैं राहु केतु। राहु केतु 16 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है।

फिल्म राहु-केतु के बारे में

फिल्म राहु केतु में पुलकित सम्राट, वरुण शर्मा और शालिनी पांडे मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म का निर्देशन विपुल विग ने किया है। यह फिल्म जी स्टूडियोज द्वारा निर्मित है। यह फिल्म 16 जनवरी, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह एक कॉमेडी और फैंटेसी फिल्म है, जिसकी शूटिंग मुंबई और मनाली में हुई है।

शेफाली शाह ने जयदीप अहलावत को बताया अपना पसंदीदा कलाकार

सिनेमाई दुनिया में अपने शानदार अभिनय के लिए पहचानी जानी वाली अभिनेत्री शेफाली शाह ने अपने फेवरेट एक्टर के बारे में बताया है। साथ ही उन्होंने कहा कि उस एक्टर ने ओटीटी प्लेटफॉर्म्स को अलग पहचान दी है।

अभिनेत्री ने बोला कि जयदीप अहलावत उनके पसंदीदा कलाकार हैं। उन्होंने कहा, 'वह बहुत अच्छे हैं। ओटीटी ने हमारी जिंदगी बदल दी है। हम सभी को प्रतिभाशाली माना जाता था, लेकिन उन बड़ी व्यावसायिक फिल्मों में हमारी क्या जगह होती? इसलिए, जब मैं उनकी प्रगति देखती हूं, तो मुझे बहुत खुशी होती है।'

अभिनेत्री ने जयदीप अहलावत की सफलता का किया जिक्र

अभिनेत्री ने आगे बात करते हुए याद किया कि जब 'पाताल लोक 2' रिलीज हुई, तो उन्होंने अमूल का एक होर्डिंग देखा जिसमें अहलावत दिखाई दे रहे थे, तो उन्हें बहुत गर्व महसूस हुआ था। साथ ही एक्ट्रेस ने कहा कि वो सभी प्रशंसाओं के हकदार हैं। इसके अलावा बताया कि जयदीप अहलावत का उदय सिनेमा उद्योग में एक बदलाव का प्रतीक है।

अपनी पहली किताब का भी किया जिक्र

आगे बात करते हुए उन्होंने कहा, 'मैंने एक किताब लिखी है, हालांकि मुझे यकीन नहीं है कि यह मेरी पहली किताब होगी। मैंने इसे पढ़ा है, मेरे दोस्तों ने इसे पढ़ा और उन्हें यह पसंद आई है। अब, यह प्रकाशित होगी या नहीं, यह पता चल जाएगा।' अभिनेत्री ने सभी से किताबें पढ़ने का आग्रह किया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि पढ़ना हमें कहीं घूमने से भी ज्यादा प्रेरित करती हैं।

इन फिल्मों में साथ नजर आए शेफाली और जयदीप अहलावत

अविनाश अरुण द्वारा निर्देशित फिल्म थ्री ऑफ अस साल 2022 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में शेफाली शाह और जयदीप अहलावत मुख्य भूमिका में थे। फिल्म को10 में से 7.5 रेटिंग मिली है, जो बताती है कि फिल्म अच्छी थी।

अब तक की सबसे महंगी फिल्म हो सकती है वाराणसी

फिल्ममेकर एसएस राजामौली की फिल्म वाराणसी अब तक की सबसे महंगी फिल्मों में से एक मानी जा रही है। इसके बजट से लेकर स्टार्स की फीस तक के बारे में जानने के लिए हर कोई एक्साइटेड है। इस बीच, प्रियंका चोपड़ा और महेश बाबू की सैलरी को लेकर खुलासा हो गया है।

प्रियंका ने फिल्म के लिए मांगी 30 करोड़ रुपये की फीस

फिल्ममेकर एसएस राजामौली ने अपनी अगली मेगास्टार फिल्म वाराणसी के लिए पहली बार महेश बाबू के साथ हाथ मिलाया है। हैदराबाद के रामोजी फिल्म सिटी में भव्य टाइटल लॉन्च इवेंट हुआ, जहां फिल्म के नाम की घोषणा की गई। महेश बाबू के अलावा, फिल्म में प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज सुकुमारन भी लीड रोल्स में हैं। प्रियंका वाराणसी के साथ बड़े पर्दे पर वापसी कर रही हैं और फैंस अब कलाकारों को दी गई फीस जानने के लिए एक्साइटेड हैं। प्रियंका चोपड़ा पहली बार फिल्ममेकर एसएस राजामौली के साथ वाराणसी में काम करेंगी। पहले इसका नाम SSMB29 रखा गया था। कोईमोई की एक रिपोर्ट के मुताबिक, प्रियंका ने इस फिल्म के लिए 30 करोड़ रुपये की फीस मांगी है। इस तरह वह किसी भी निर्देशक के साथ काम करने वाली सबसे ज्यादा फीस लेने वाली एक्ट्रेसेस में से एक बन गई हैं।

रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि प्रियंका ने अपनी फीस बढ़ा दी है। एसएस राजामौली की आरआरआर में आलिया भट्ट ने 9 करोड़ रुपये लिए थे, जबकि बाहुबली में अनुष्का शेट्टी ने 5 करोड़ रुपये लिए थे। प्रियंका कथित तौर पर दीपिका पादुकोण को पीछे छोड़ देंगी, जो अब तक सबसे ज्यादा फीस लेने वाली एक्ट्रेस रही हैं।

पृथ्वीराज सुकुमारन की फीस

साउथ स्टार पृथ्वीराज सुकुमारन की फीस के बारे में अभी तक कोई खबर नहीं आई है। हालांकि प्रियंका चोपड़ा एक इंटरनेशनल आइकन हैं और उनकी स्टार पावर दुनिया भर में है, लेकिन उनकी ऊंची फीस उनके फैंस के साथ न्याय नहीं कर पा रही है।

दिलचस्प बात यह है कि न तो मेकर्स और न ही फिल्म के स्टार्स ने अभी तक उन्हें मिलने वाली फीस की पुष्टि की है।

महेश बाबू लेंगे 40 परसेंट प्रॉफिट

रिपोर्ट और कोईमोई के एक करीबी सूत्र के अनुसार, महेश बाबू और फिल्ममेकर एसएस राजामौली नॉर्मल सैलरी नहीं लेंगे। राजामौली को महेश बाबू के काम पर बहुत भरोसा है जिसने उन्हें स्टारडम तक पहुंचाया। इसी वजह से दोनों ने ज़्यादा फीस न लेने का फैसला किया है। उनका मकसद वाराणसी के साथ एक विरासत बनाना है। इसलिए, महेश बाबू और एसएस राजामौली कथित तौर पर मेकर्स के साथ 40% प्रॉफिट समझौता करेंगे। रिपोर्ट में साफ तौर पर कहा गया है कि महेश बाबू कोई वेतन नहीं लेंगे और उन्होंने एसएस राजामौली के साथ एक शेयर प्रॉफिट समझौते पर बातचीत की है। इसका साफ मतलब है कि वाराणसी के लिए महेश बाबू की सैलरी पूरी तरह से फिल्म के मुनाफे पर निर्भर करेगी।

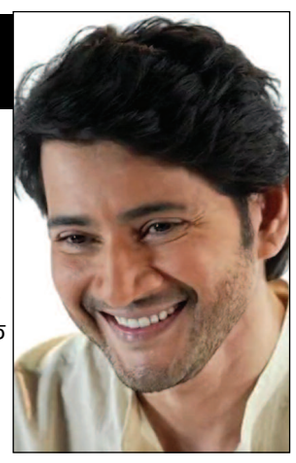

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।